THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 211 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.7 2081 बुधवार, 23 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अखिल गोगोई के खिलाफ यूएपीए कानून के तहत आरोप तय

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनआईए की एक विशेष अदालत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में हुए प्रदर्शन में भूमिका होने के आरोप में असम के विधायक अखिल गोगोई एवं उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए। गोगोई के वकील शांतनु बोरठाकुर ने कहा कि एनआईए के विशेष न्यायाधीश एस.के. शर्मा ने उनके (गोगोई) खिलाफ यूएपीए की धारा 18 (साजिश) और आईपीसी की धाराओं 120बी (आपराधिक साजिश), 153ए (वैमनस्वता को बढ़ावा देना) और राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले बयानों से संबंधित धारा 153बी के तहत आरोप तय किए।

'समस्या का हल शांति से ही संभव'

> कजान में रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बोले पीएम मोदी

कजान, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि रूस के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध हैं। हमारी गहरी मित्रता है। हमारे संबंध और मजबूत होंगे। पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर हमारा संपर्क बना हुआ है। हर समस्या का हल शांति से ही हो सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम ने कहा कि भारत अपने रुख पर कायम है और शांति को लेकर हर संभव सहयोग करेगा। भारत मानवता को प्राथमिकता देने के लिए तैयार है। हम शांति और स्थिरता की बहाली का समर्थन करते हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं रूस की मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। कजान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे। पिछले 3 महीनों में मेरा दो बार रूस आना हमारे करीबी समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में ब्रिक्स की सफलता के लिए मैं आपको बधाई देता हूं। 15 वर्षों में ब्रिक्स ने अपनी विशेष पहचान बनाई है और अब विश्व के सफल देश इससे जुड़ना चाहते हैं। मैं बिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हूं। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मुझे याद है कि जुलाई में हमारी मुलाकात हुई थी और कई मुद्दों पर हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई थी। हम कई बार टेलीफोन पर भी बात कर चुके हैं। कजान आने का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। आज हम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे और उसके बाद रात्रिभोज किया। उन्होंने कहा कि आज होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अन्य नेताओं के साथ मिलकर हमें कुछ बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लेने चाहिए।

भाजपा की अरविंद केजरीवाल को चेतावनी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा ने आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल अपनी आधारविहीन टिप्पणियों के कारण अब तक 10 बार माफी मांग चुके हैं। लेकिन इसके बाद भी वे सुधर नहीं रहे हैं और लगातार दूसरी पार्टियों के नेताओं पर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। पार्टी ने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में अरविंद केजरीवाल को थोड़ी शुचिता का प्रदर्शन करना चाहिए।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि अरविंद केजरीवाल अब तक 10 बार माफी मांग चुके हैं। उन्होंने अरुण जेटली के ऊपर गलत आरोप लगाने के बाद माफी मांगी थी। इसी प्रकार वे नितिन गडकरी, कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल, अमित सिब्बल, अवतार सिंह भड़ाना सहित अनेक नेताओं से माफी मांग चुके हैं।

राहुल गांधी का बड़ा बयान : वायनाड के लिए प्रियंका से बेहतर प्रतिनिधि कोई नहीं

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के समर्थन में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि मैं वायनाड से बहन प्रियंका गांधी से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता हूं।

खास बात यह है कि राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी के वायनाड से नामांकन के एक दिन पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। प्रियंका गांधी केरल की वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें वह बहन प्रियंका के साथ नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वायनाड के लोगों का मेरे दिल में विशेष स्थान है और मैं अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर उनके प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की एक धुर समर्थक रहेंगी और संसद में एक सशक्त आवाज बनेंगी। उन्होंने आगे लिखा, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। आइए हम सब मिलकर सुनिश्चित करें कि वायनाड का प्रतिनिधित्व प्यार से होता रहे। बुधवार को वायनाड से प्रियंका गांधी अपना नामांकन दाखिल करेंगी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी ने केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव जीता था। जिसके बाद राहुल गांधी ने रायबरेली संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करने का फैसला लिया था। प्रियंका गांधी पहली बार चुनाव मैदान में एंट्री करेंगी।

भरोसा जमने में वक्त लगेगा : आर्मी चीफ

> सीमा पर गश्त इसका जरिया, इसके बाद अगला स्टेप, चीन बोला-मिलकर विवाद सुलझाएंगे

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग समझौते के बाद मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपना सीमा विवाद मिलकर सुलझाएंगे। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को इस समझौते को अच्छा कदम बताया। उन्होंने कहा, सबसे पहले दोनों देशों को दोबारा विश्वास पैदा करना होगा। इसके लिए सैनिकों का एक-दूसरे को देखना और बातचीत करना जरूरी है। पेट्रोलिंग के जरिए इसके लिए सही माहौल मिलेगा। भारत और चीन ने एक दिन पहले 21 अक्टूबर को पेट्रोलिंग पर सहमति जताई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत और चीन में सीमा पर पेट्रोलिंग सिस्टम को लेकर समझौता हुआ है। इससे मई, 2020 (गलवान टकराव) से पहले की स्थिति वापस आएगी। यह सकारात्मक है। भारत और चीन के बीच समझौता होने के बाद आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, हम दोबारा भरोसा हासिल करने की प्रोसेस में हैं। इसमें वक्त लगेगा। सेनाओं का पीछे हटना, बफर जोन मैनेजमेंट भी इसके लिए अहम है। हम भरोसा कैसे पैदा करेंगे? जब हम एक-दूसरे को सुन सकेंगे और एक-दूसरे को संतुष्ट कर सकेंगे। हम यह भरोसा जता पाएंगे कि जो बफर जोन बनाए गए हैं, हम उसमें जाएंगे। पेट्रोलिंग से आपको ये प्रोसेस करने में आसानी होगी। दोनों पक्षों को एक-दूसरे को समझाने का मौका मिलेगा।

लश्कर का नया आतंकी संगठन टीएलएम एक्टिव

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को नए आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक या मुस्लिम (टीएलएम) का खुलासा हुआ है। काउंटर इंटेलिजेंस विंग (सीआईके) और पुलिस ने मंगलवार को श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा में कई लोकेशन पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि टीएलएम बैन आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक अलग ग्रुप है। सूत्रों ने बताया कि टीएलएम आतंकवादियों की भर्ती करने का एक मॉड्यूल है, जिसे पाकिस्तान का हैंडलर बाबा हमास चला रहा है।

वक्फ बिल पर भिड़े भाजपा और टीएमसी सांसद

> कल्याण बनर्जी ने बोतल फोड़ी, एक दिन के लिये सपस्पेंड

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगलवार को वक्फ विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक के दौरान हुए नाटकीय घटनाक्रम के बाद तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में उन्होंने पानी की एक कांच की बोतल तोड़कर समिति के अध्यक्ष की ओर फेंकी। इसे लेकर वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा, मेरे 40 साल के संसदीय जीवन में, जिसके दौरान मैं कई समितियों का अध्यक्ष रहा हूं, हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आज जो हुआ, हम ऐसी घटना की कल्पना भी नहीं कर सकते। बता दें कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त समिति की बैठक में उस समय विवाद हो गया, जब तृणमूल कांग्रेस के सांसद ने भाजपा के जगदंबिका पाल की ओर कांच की पानी की बोतल फेंकी।

'दिनोंदिन बढ़ रहा रक्षा सहयोग'

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ. एनजी इंग हेन इन दिनों अपने तीन दिवसीय दौरे पर दिल्ली में हैं। यहां आज उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ छठी भारत-सिंगापुर रक्षा मंत्रियों की वार्ता की सह-अध्यक्षता की। इससे पहले, सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ.एनजी इंग हेन ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं, उन्हें नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर मिला। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। इस वार्ता को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिक्रिया दी।

चक्रवाती तूफान 'दाना' मचाएगा तबाही 110 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

पर्यटकों से पुरी छोड़ने की अपील, एनडीआरएफ की टीम अलर्ट

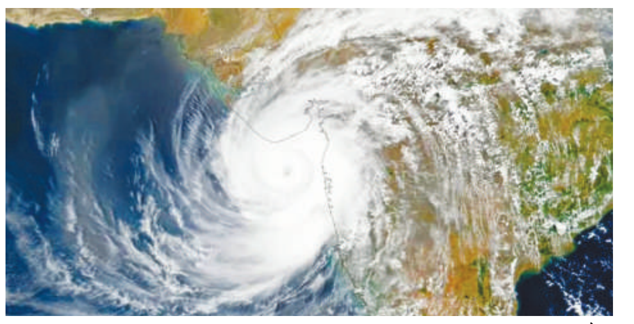

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। चक्रवाती तूफान 'दाना' के चलते एक बार फिर मौसम बिगड़ने वाला है। ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश होगी। इसके साथ ही देश के कई अन्य राज्यों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा कि एक चक्रवाती तूफान, जिसे दाना नाम दिया गया है। ये चक्रवाती तूफान ओडिशा तट से टकराएगा। 24 अक्टूबर तक इसके तट पर पहुंचने की उम्मीद है। पुरी, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर और कटक में 100 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

तीर्थ नगरी का दौरा न करें पर्यटक मौसम विभाग की चेतावनी के तुरंत बाद ओडिशा सरकार ने पर्यटकों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार ने अपील की है कि पर्यटक जल्द ही ही पुरी छोड़ दें। चक्रवाती तूफान के आने तक तीर्थ नगरी का दौरा न करें।

सीएम ने की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मौसम की स्थिति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की है। इसके बाद यह सलाह जारी की गई है। सीएम माझी ने कहा कि फिलहाल पुरी में मौजूद पर्यटकों को समुद्र तटीय शहर को खाली कर देना चाहिए, क्योंकि यह भीषण चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने की संभावना है।

गुरुवार को करेगा लैंडफॉल

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान लगाया है कि चक्रवाती तूफाना दाना 24 अक्टूबर (गुरुवार) को लैंडफॉल करेगा। तूफान का असर ओडिशा के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिलेगा। तूफान के चलते राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने पश्चिम बंगाल में 14 टीमों और ओडिशा में 11 टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

आपातकालीन टीमें तैनात

मौसम विभाग ने बुधवार को पूर्वी मिदनापुर, पश्चिम मिदनापुर, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना के तटीय जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। पारादीप और हल्दिया बंदरगाहों को अलर्ट पर रखा गया है। बिजली मंत्रालय और दूरसंचार विभाग ने तत्काल बहाली के लिए आपातकालीन टीमें तैनात कर दी हैं। स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

इन जिलों में बारिश का अलर्ट

कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सोमवार को बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात की तैयारियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि ओडिशा के भद्रक, बालासोर, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक, जगतसिंहपुर, रायगड़ा, गजपति, गंजम, कंधमाल, नयागढ़, खुदरा के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

मछुआरों को समुद्र से दूर रहने को कहा गया

ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) डीके सिंह ने आपदा के दौरान जान-माल की हानि न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए 'शून्य हताहत' प्राप्त करने के राज्य के लक्ष्य को रेखांकित किया है। ओडिशा और पश्चिम बंगाल ने कहा कि नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय कर दिए गए हैं। स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ओडिशा सरकार ने एक अलर्ट जारी कर मछुआरों को समुद्र में न जाने को कहा है। साथ ही जो मछुआरे समुद्र में हैं उन्हें सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है।

बंगाल के इन जिलों में होगी भारी बारिश

मौसम विभाग ने यह भी कहा कि 24 और 25 अक्टूबर को कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर 24 परगना, पुरुलिया और बांकुरा जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

हाईकोर्ट ने शाहरुख पठान की जमानत याचिका की खारिज

दिल्ली हिंसा के दौरान पुलिस पर तान दी थी पिस्टल

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी शाहरुख पठान को हाईकोर्ट ने राहत नहीं दी है। शाहरुख ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर कोर्ट ने जमानत देने से मना कर दिया। शाहरुख पठान ने दंगों के दौरान एक पुलिस सिपाही पर पिस्तौल तान दी थी। पठान पर दंगा करने, विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले गैरकानूनी जमावड़े सहित कई अपराधों का आरोप है। पठान हिंसा के दौरान हेड-कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तानने और रोहित शुक्ला नामक व्यक्ति की हत्या की कोशिश के दो मामलों में आरोपी है। वह अभी तिहाड़ जेल में बंद है। गौरतलब है कि दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और विरोधियों के बीच फरवरी 20 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे भड़क उठे थे जिनमें कम से कम 53 लोग मारे गए थे। उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी 2020 को मौजपुर-जाफराबाद इलाके में सीएए के विरोध में हुए दंगे में शाहरुख पठान ने खुलेआम पुलिस हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तान दी थी। इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'अगर गलती से बीजेपी सरकार में आई तो केजरीवाल की ओर से दी जा रही सारी फ्री की सुविधाएं बंद कर देगी', दिल्ली में गरजे आप सांसद संजय सिंह

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली के अलग अलग इलाकों में पदयात्रा निकाल रहे हैं। लक्ष्मी नगर विधानसभा में आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पदयात्रा निकाली और अरविंद केजरीवाल की चिट्ठी लोगों को बांटी। लोगों ने संजय सिंह का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस दौरान संजय सिंह बीजेपी पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि अगर गलती से बीजेपी सरकार में आई तो केजरीवाल की ओर से दी जा रही सारी फ्री की सुविधाएं बंद कर देगी। संजय सिंह ने लोगों से अपील की कि इस बार आम आदमी पार्टी को 70 में से 70 सीटें दीजिए।

आप नेताओं को जेल भेजे जाने पर क्या बोले संजय सिंह?

पदयात्रा निकालने और विधानसभा के लोगों से मिलने पर संजय सिंह ने कहा, "दिल्ली के अंदर दिल्ली वालों का काम रोकने के लिए केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को जेल में डाला। लोगों से अपील है कि अरविंद केजरीवाल की चिट्ठी पढ़िएगा। अरविंद केजरीवाल के जज्बे को जेल की दीवारें, पीएम मोदी की यातनाएं रोक नहीं सकती। दिल्ली में फ्री बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज और तीर्थयात्रा का काम जारी रहेगा।" उन्होंने आगे कहा, "पिछली बार 62 सीटें दी थी। इस बार 70 की 70 सीटें आम आदमी पार्टी की दीजिए। आज से पदयात्रा की शुरूआत हो रही है, कल से अलग अलग विधानसभाओं में जाएंगे।" संजय सिंह की पदयात्रा के बाद लक्ष्मी नगर विधानसभा के लोगों और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ एबीपी न्यूज ने इस पदयात्रा के असर पर बात की।

लोगों ने कहा कि पदयात्रा के जरिए मैसेज देने की कोशिश आप की ओर से हो रही है। पदयात्रा में शामिल कार्यकर्ता ने कहा कि केजरीवाल के जेल जाने पर हमारी सुविधाएं रोकी गई, पत्र से पता चला कि दिल्ली के सीएम को टारगेट करके दिल्ली वासियों के काम रोके गए। लक्ष्मी नगर के रहने वाले दीपक सिंह ने कहा कि 2011,12 में भी पदयात्रा ने एक बार 3 सीट और 8 सीट पर सिमटने का किया, इस बार बीजेपी को जीरो सीट पर सिमट देंगे।

देश के विभिन्न सीआरपीएफ स्कूलों को मिली बम की धमकी, स्कूल प्रबंधनों को मिले ईमेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में विभिन्न सीआरपीएफ स्कूलों को बम की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद पुलिस बल अलर्ट पर है और धमकियों की जांच की जा रही है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें दो दिल्ली और एक हैदराबाद का स्कूल है। गौरतलब है कि देश में इन दिनों विभिन्न एयरलाइंस भी बम की धमकी मिलने का सिलसिला जारी है। पुलिस ने बताया कि ईमेल के जरिए स्कूल प्रबंधन को ये बम की धमकी मिलीं। गौरतलब है कि ये धमकियां दिल्ली के रोहिणी में स्थित सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास हुए बम विस्फोट के एक दिन बाद मिली है। इस बम विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ था, लेकिन आसपास की दुकानों और वाहनों को शीशे टूट गए थे। पुलिस इन बम धमकियों की जांच में जुटी है और हाई अलर्ट पर है।

'एमवीए सरकार को गिराने के षडयंत्र का करूंगा खुलासा' अनिल देशमुख जल्द लेकर आएंगे किताब

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को कहा कि वह जल्द ही अपनी एक किताब लेकर आएंगे जिसमें उन्हें झूठे आरोपों में फंसाकर उनके खिलाफ की गई साजिश का ब्यौरा होगा और उन लोगों को बेनकाब किया जाएगा जिन्होंने पिछली एमवीए सरकार को हटाने के लिए काम किया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने कहा कि उन्होंने 14 महीने की जेल के दौरान 'डायरी ऑफ होम मिनिस्टर' नामक पुस्तक लिखना शुरू किया था। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पुस्तक जल्द ही जारी की जाएगी और यह मराठी, हिंदी और अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध होगी। इस पुस्तक में यह भी बताया जाएगा कि लंबी अदालती लड़ाई के बाद वे किस तरह जेल से बाहर आए।

भ्रष्टाचार के आरोप में एक साल जेल में रहे

पूर्व गृह मंत्री कथित भ्रष्टाचार के आरोप में सीबीआई के एक मामले का और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज एक अन्य मामले का सामना कर रहे हैं। देशमुख ने अप्रैल 2021 में राज्य के गृह मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था और नवंबर 2021 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। दिसंबर 2022 में वे जमानत पर जेल से बाहर आए। देशमुख ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, 'यह किताब मेरे खिलाफ पूरी साजिश के बारे में बताएगी, कि कैसे मेरे जरिए महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार को गिराने की साजिश रची गई और कैसे मुझे झूठे मामले में फंसाया गया और 14 महीने तक जेल में रखा गया, क्योंकि मैंने (उनकी बात मानने से) इनकार कर दिया था।'

जेल में कैसा बीता समय, इसकी भी देंगे जानकारी

देशमुख ने कहा कि पुस्तक में यह भी जानकारी मिलेगी कि जब वे महाराष्ट्र के गृह मंत्री थे, तो उनके खिलाफ किसने और कैसे साजिश रची तथा यह भी कि कैसे और किसने तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार को गिराने के लिए काम किया। देशमुख ने कहा कि इसमें यह भी बताया जाएगा कि कैसे उन्हें 14 महीने जेल में बिताने पड़े और कैसे उन्हें और उनके परिवार को एक झूठे मामले में परेशान किया गया।

दो बच्चों की मां ने तोड़ी फ्रेंडशिप, बौखला गया पड़ोसी घर में घुसा और कर डाला ये कांड

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। दिल्ली के तिलक नगर में एक शख्स को अपनी 30 साल की पड़ोसन का इग्नोर करना बर्दाश्त नहीं हुआ, जिस वजह से उसने महिला पर चाकू से ताबड़तोड़ हमले कर दिए। शख्स ने महिला पर इतने तेज वार किया था कि वो बहुत बुरी तरह घायल हो गई। ऐसे में महिला को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा, जहां डॉक्टरों को उसका ऑपरेशन करना पड़ा। महिला को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के पहचान रविंदर सिंह उर्फ गोल्डी के रूप में हुई है। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि महिला और गोल्डी पड़ोसी है। दोनों एक दूसरे को पिछले दो सालों से जानते हैं। ऐसे में महिला ने कुछ दिनों पहले आरोपी से बातचीत करना बंद कर दिया था,

'मुझे भारत में रहना है सरकार की शुक्रगुजार रहूंगी' तसलीमा नसरीन ने मांगी अमित शाह से मदद

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने गृह मंत्री अमित शाह से मदद मांगी है। उन्होंने अमित शाह से अपने एक्स हैंडल के जरिए मदद करने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उनका भारतीय रेजिडेंस परमिट जुलाई में एक्सपायर हो गया है और गृह-मंत्रालय उसे रिन्यू नहीं कर रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा,प्रिय अमित शाह जी नमस्कार। मैं भारत में रहती हूं क्योंकि मुझे इस महान देश से प्यार है। पिछले 20 सालों से यह मेरा दूसरा घर रहा है, लेकिन गृह मंत्रालय ने जुलाई 22 से मेरे निवास परमिट को आगे नहीं बढ़ाया है। मैं बहुत चिंतित हूं। अगर आप मुझे रहने देंगे तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगी।

कौन हैं तसलीमा नसरीन?

सांप्रदायिकता के मुखरता से अपनी बात रखने वाली तसलीमा साल 1994 से भारत में रह रहीं हैं। उन्होंने तत्कालीन शेख हसीना सरकार में सांप्रदायिकता के खिलाफ और महिला समानता के लिए बांग्लादेश में आवाज उठाया। उन्होंने कट्टरपंथियों की जमकर आलोचना की, जिसकी वजह से उन्हें बांग्लादेश छोड़ना पड़ा। वो भारत के अलावा, स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में निर्वासन जीवन बीता चुकीं हैं। उन्होंने 'लज्जा' (1993) 'आमार मेयेबेला' जैसे कुछ मशहूर किताबें भी लिखीं हैं।

बहराइच हिंसा के आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच हिंसा के आरोपियों के घर पर बुलडोजर कार्रवाई का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मामले में सुप्रीम कोर्ट तुरंत दखल देने की मांग की गई है। कोर्ट में दाखिल याचिका में यूपी सरकार की ओर से जारी किए गए नोटिस को रद्द करने और बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट याचिका पर 23 अक्टूबर की तारीख दे दी है। साथ ही राज्य सरकार से को एक आदेश दिया है।

याचिकाकर्ता के वकील ने ये दी दलील

याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट सी। यू। सिंह ने जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच के समक्ष मामला बताते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की। सिंह ने पीठ से कहा, यह तीन व्यक्तियों द्वारा दायर आवेदन है, जिन्हें ध्वस्तीकरण नोटिस प्राप्त

हुए हैं। राज्य सरकार ने नोटिस का जवाब देने के लिए केवल तीन दिन का समय दिया है। सिंह ने दलील दी कि याचिकाकर्ता नंबर 1 के पिता और भाइयों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और कथित तौर पर 17 अक्टूबर को नोटिस जारी किए गए और 18 की शाम को चिपकाए गए। उन्होंने कहा, हमने रविवार को सुनवाई की मांग की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस पर यूपी सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने अदालत को बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले पर विचार किया है और नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

जोखिम उठाना चाहती है तो वो उनकी मर्जी- कोर्ट

आगे सुनवाई के दौरान जस्टिस बी आर गवई ने कहा कि अगर यूपी सरकार हमारे आदेश की अवहेलना का जोखिम उठाना चाहती है तो वो उनकी मर्जी। वैसे हमने ये कहा है कि अगर सार्वजनिक स्थल पर अतिक्रमण है तो मेरे आदेश में वो भी साफ लिखा है। बेंच ने तब कहा, यदि वे (यूपी सरकार) हमारे आदेश का उल्लंघन करने का जोखिम उठाना चाहते हैं, तो यह उनकी पसंद है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की है। फिर कोर्ट ने राज्य सरकार के एसएसजी को मौखिक रूप से कहा है कि आप (राज्य सरकार) कल तक कार्रवाई नहीं करेंगे। जानकारी दे दें कि यूपी सरकार ने 23 परिवारों को नोटिस जारी कर 3 दिन में अपना जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। इसी में से 3 लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने भी लगाई थी रोक

इससे पहले हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर 15 दिनों तक रोक लगा दी है। इस मामले में भी 23 अक्टूबर यानी बुधवार को सुनवाई होगी। पीडब्लूडी विभाग ने जिन 23 परिवारों को नोटिस दिया है उनको जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिनों का वक्त दिया गया है।

नांदेड़ जिले में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर इतनी रही तीव्रता

नांदेड़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। नांदेड़ उत्तरी शहर, हदगांव और अर्धापुर तालुका के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप सुबह 6.52 बजे आया। हालांकि इसकी तीव्रता कम थी इसलिए किसी को कोई नुकसान नहीं हुई। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.8 दर्ज की गई। भूकंप के इस झटके से जिले में कहीं भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। भूकंप का केंद्र नांदेड़ शहर से 29 किमी उत्तर-पूर्व में हदगांव तालुका के सावरगांव गांव में था। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र अधिकारी किशोर कुरहे ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी मिली है कि इस झटके के कारण कोई जान-माल की हानि नहीं हुई है। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.8 दर्ज की गई है।

हिंगोली में भी आया था भूकंप

इससे पहले इस साल जुलाई में महाराष्ट्र के हिंगोली में रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, सुबह करीब 7.14 बजे क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र जमीन की 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

भूकंपीय जोन-2 में है नांदेड़

बता दें कि नांदेड़ भारत के भूकंपीय मानचित्र पर ज़ोन आईआई में स्थित है, जहां भूकंप की संभावना सबसे कम मानी जाती है। यह शहर महाराष्ट्र के मराठवाड़ा डिवीजन में गोदावरी नदी के उत्तरी तट पर स्थित है। इससे पहले, इस साल सितंबर में महाराष्ट्र के अमरावती जिले में 4.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। उस समय भी वहां पर कोई नुकसान नहीं हुआ था।

'मंदिरों के लाउडस्पीकर से होता है ध्वनि प्रदूषण'

आईएएस शैलबाला के ट्वीट पर बवाल; सपोर्ट में उतरी कांग्रेस

भोपाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इन दिनों मंदिरों पर बजने वाले लाउडस्पीकर लेकर चर्चा गरमा गई है। प्रदेश की चर्चित आईएएस अधिकारी शैलबाला मार्टिन द्वारा इसे लेकर एक्स पर की गई पोस्ट के बाद विवाद खड़ा हो गया है। शैलबाला 2009 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह लोक प्रशासन विभाग यानी जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (जीएडी) में एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं। बीते रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिरों और मस्जिदों दोनों के लाउडस्पीकरों के उपयोग पर सवाल उठाए, जिसके बाद वह चर्चा में हैं। हिंदू संगठनों ने बयान का विरोध किया है और प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है तो वहीं कांग्रेस ने इसे वाजिब सवाल बताया है। दरअसल, शैलबाला मार्टिन ने एक्स पर लिखा है कि मंदिरों पर लगे लाउडस्पीकर कई गलियों दूर तक स्पीकर्स के जरिए ध्वनि प्रदूषण फैलाते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ये स्पीकर्स आधी-आधी रात तक बजते हैं, उनसे किसी को डिस्टरबेंस नहीं होता। उन्होंने यह पोस्ट एक दूसरी पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए लिखी थी, जिसके बाद हिंदूवादी संगठन संस्कृति बचाव मंच ने इसपर नाराजगी जताई। वहीं, एक यूजर के कमेंट पर शैलबाला ने रिप्लाई भी किया है जिसमें उन्होंने कहा है कि माननीय मुख्यमंत्री ने शपथ लेने के साथ ही जो आदेश जारी किए थे, उनमें समस्त धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर्स हटाने और डीजे पर प्रतिबंध शामिल था। यदि इस आदेश पर अमल करते हुए सभी समुदायों के धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर्स हटा दिए जाएं और डीजे बंद हो जाए तो सभी के लिए बड़ी राहत होगी।

कांग्रेस ने क्या कहा?

कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने शैलबाला मार्टिन का समर्थन करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार में लाउडस्पीकर पर कार्रवाई राजनीति से प्रेरित होती है। अगर धर्म देखकर लाउडस्पीकर पर कार्रवाई होगी तो एमपी के प्रशासनिक अफसर इस पर बोलने के लिए मजबूर हैं। अब्बास हाफिज उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी में कार्रवाई राजनीति को लेकर होती है। आईएएस अफसर का कोई ऐसा ट्वीट आता है उससे स्पष्ट होता है कि मध्य प्रदेश की सरकार लाउडस्पीकर के नाम पर राजनीति कर रही है। यही उनकी मांग है बिना भेदभाव के कार्रवाई हो, यही सरकार का राजधर्म है।

आईएएस को विवादों में नहीं पड़ना चाहिए- हिंदूवादी संगठन

वहीं, हिंदू संगठन भी इस मुद्दे पर सामने आए हैं। संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा, आईएएस को विवादों में नहीं पड़ना चाहिए। हिंदू धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाने का संस्कृति बचाओ मंच विरोध कर रहा है। मंदिरों में सुरीले तरीके से आरती होती मंत्रोच्चारण होते हैं। हम इस प्रकार से चिल्ला चोट नहीं करते, पांच वक्त की नमाज हो रही है उन पर जाकर बोलिए। कभी मोहर्रम पर पथराव हुआ कभी मस्जिद के वहां अनैतिक कार्य किए गए,

पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़, एटीएम को लूटने की थी प्लानिंग

ग्रेटर नोएडा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरजपुर कोतवाली पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। ये बदमाश एटीएम तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। सीसीटीवी में एटीएम तोड़ते हुए बदमाश कैद हो गए। थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा मैट्रो डिपो गोलचक्कर पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोकने का इशारा किया गया। जिस पर मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त द्वारा रुकने के बजाय भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश को गोली लग गई। गोली लगने की वजह से घायल हो गया। बदमाश की पहचान सुनील पुत्र धनवीर निवासी ग्राम कठहरा, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर के रुप में हुई है।

जबलपुर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका दो की मौत, 9 कर्मचारियों की हालत नाजुक

जबलपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (हथियार बनाने वाली कंपनी) में जबरदस्त धमाका हुआ है। जिले के खमरिया में स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ब्लास्ट से दो कर्मचारियों की मौत हो गई है जबकि 9 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, कंपनी के एफ 6 सेक्शन में यह धमाका हुआ है। धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का एक हिस्सा धराशायी हो गया। मलबे में कई कर्मचारियों के दबे होने की खबर आ रही है। मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के अनुसार, धमाके में इमारत का एक हिस्सा ढह गया और खबर है कि कई मजदूर अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। प्रशासन प्रभावित लोगों की पहचान करने और उनकी मदद के लिए बचाव अभियान चला रहा है। इस दुखद दुर्घटना में दो श्रमिकों की मौत की पुष्टि की गई है और गंभीर रूप से घायल नौ अन्य का इलाज किया जा रहा है। आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंची हैं।

विस्फोट की वजह अभी सामने नहीं आई है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट मंगलवार सुबह खमरिया में केंद्रीय सुरक्षा संस्थान आयुध फैक्ट्री में हुआ। यहां बम और विस्फोटक चीजें बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि घायलों तत्काल इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

कथित तौर पर कारखाने के एफ-6 खंड के 200 भवन में बम भरने की प्रक्रिया के दौरान एक हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आ गई, जिससे विस्फोट हुआ, जो इतना शक्तिशाली था कि इसे कारखाने से पांच किलोमीटर दूर तक सुना जा सकता था। फैक्ट्री के पास रहने वाले निवासियों ने कहा कि उन्हें लगा कि यह भूकंप है और कई लोग अपने घरों से बाहर भी भागे। फैक्ट्री के महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
epaper.vaartha.com
वर्ष-29 अंक : 211 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.7 2081 बुधवार, 23 अक्टूबर-2024
प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

4 छात्राओं को बिजली का झटका

मेदक, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हवेलीघनपुर स्थित आवासीय विद्यालय परिसर में मंगलवार को दुर्घटनावश बिजली के तार के संपर्क में आने से बीसी आवासीय विद्यालय की 4 छात्राएं घायल हो गईं। पीड़ितों में राजिता, गायत्री, तनुष्का और वसंता शामिल थीं। लड़कियां एक खेल प्रतियोगिता के दौरान झंडा लगाने का काम कर रही थीं, तभी हाई मास्ट पोल ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों से टकरा गया। रजिता इंटरमीडिएट की छात्रा थी, जबकि अन्य तीन 10वीं कक्षा के छात्र थे। इस घटना में एक अन्य लड़के को भी चोट लगने की खबर है। मेदक के पूर्व विधायक पद्मदेवेंद्र रेड्डी ने अस्पताल जाकर उनसे मुलाकात की और स्टाफ से उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराने का आग्रह किया।

प्रियंका के नामांकन में वायनाड जा सकते हैं सीएम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी बुधवार को एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी के नामांकन में भाग लेने के लिए वायनाड जा सकते हैं। कांग्रेस प्रियंका गांधी के चुनावी आगाज को एक बड़ा कार्यक्रम बनाने की योजना बना रही है। इसी के तहत रेवंत रेड्डी समेत वरिष्ठ नेताओं और मुख्यमंत्रियों को नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने के निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यक्रम में एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी शामिल होंगे। हालांकि, राज्य इकाई के पार्टी सूत्रों ने बताया कि नामांकन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की भागीदारी को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है।

बेंगलुरू में निर्माणाधीन इमारत ढहने से 3 की मौत

2 किए गए रेस्क्यू, 12 मजदूरों के फंसे होने की आशंका

बेंगलुरू, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेंगलुरू में मंगलवार को एक निर्माणाधीन इमारत ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 मजदूरों के फंसे होने की आशंका है। मलबे से दो मजदूरों को रेस्क्यू किया गया है। यह घटना शहर के हेनूर इलाके में भारी बारिश के बीच हुई।

सूत्रों ने बताया कि मौके पर फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की टीम मौजूद है। उन्होंने तीन लोगों के शव बरामद किए जाने की पुष्टि की है। फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए राहत बचाव का काम चल रहा है।

बिल्डिंग में काम कर रहे थे 20 मजदूर :

अहमद, जिनके पास साइट पर टाइल के काम का ठेका था।

उनका दावा है कि जब इमारत ढही, तब 20 मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें टाइल वर्कर, कंक्रीट वर्कर और प्लंबर शामिल थे। अहमद ने आरोप लगाया कि बेसमेंट कमजोर था, जिसकी वजह से इमारत ढह गई।

इमारत सात मंजिला थी, लेकिन सूत्रों से पता चला कि सिर्फ चार मंजिलों के लिए ही अनुमति दी गई थी। इसके बावजूद, निर्माण उल्लंघन हुए।

भारी बारिश से बिगड़े हालात :

बेंगलुरू में मंगलवार को हुई भारी बारिश ने शहर के कई हिस्सों में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। जलभराव की वजह से सड़कें नदियों में तब्दील हो गई हैं और वाहनों के अर्ध-डूबने की कई तस्वीरें सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि भारी बारिश की वजह से लोग अपने घरों के अंदर पानी भरने की शिकायत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारी बारिश की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा, हम हालात की गहन निगरानी कर रहे हैं। सभी आवश्यक तैयारियां की जा चुकी हैं। प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया जा रहा है और जल्द से जल्द राहत उपाय लागू किए जाएंगे।

अतिरिक्त कलेक्टर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (भूमि राजस्व) के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज किया। एसीबी ने अधिकारी एम. वेंकट भूपाल रेड्डी और उनके रिश्तेदारों के घरों की तलाशी ली और पाया कि उनके और उनके रिश्तेदारों के नाम पर 5,05,71,676 रुपये पंजीकृत हैं।

एसीबी अधिकारियों ने बताया कि उल्लिखित संपत्तियों का मूल्य दस्तावेजों के अनुसार है तथा खुले बाजार में वास्तविक मूल्य कहीं अधिक है।

केटीआर ने मंत्री के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने नामपल्ली आपराधिक न्यायालय में आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मंत्री कोंडा सुरेखा ने उनके खिलाफ विवादास्पद और अपमानजनक टिप्पणी की और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया। अदालत ने आज केटीआर सहित गवाहों के बयान दर्ज किए।

केटीआर ने इस मुद्दे पर ट्विटर पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। मैंने अपने खिलाफ लगाए गए निराधार आरोपों और व्यक्तिगत अपमान के खिलाफ कड़ा फैसला लिया है। मैंने मंत्री कोंडा सुरेखा के खिलाफ उनकी दुर्भावनापूर्ण और घटिया टिप्पणियों के लिए 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

लोगों के प्रतिनिधि के रूप में.. मैं व्यक्तिगत विवादों से ज्यादा लोगों के मुद्दों को प्राथमिकता देता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज करने का उनका फैसला उन लोगों के लिए सबक होना चाहिए जो राजनीतिक आलोचना के नाम पर घटिया टिप्पणियां करते हैं।

केटीआर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अदालत में सच्चाई की जीत होगी।

छात्रों ने सूर्यापेट में निकाली विशाल रैली

लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति, छात्रवृत्ति जारी करने का मामला

सूर्यापेट, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी छात्र संघों द्वारा सूर्यापेट शहर में एक विशाल रैली आयोजित की गई, जिसमें 40,000 करोड़ रुपये की लंबित फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग की गई। रैली में छात्रों, शिक्षकों और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर मार्च किया, नारे लगाए और बैनर लेकर छात्रों का ध्यान फंड जारी होने में देरी के कारण सामने आने वाली वित्तीय चुनौतियों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लंबित प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति छात्रों की शिक्षा और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एमएलसी के सहयोगी की हत्या

घटना का कारण अज्ञात

जगतियाल, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी टी जीवन रेड्डी के करीबी सहयोगी और कांग्रेस नेता और पूर्व एमपीटीसी मारू गंगा रेड्डी (58) की मंगलवार सुबह जगतियाल ग्रामीण मंडल के जबीथापुर में अज्ञात व्यक्तियों ने हत्या कर दी। आरोपियों ने गंगा रेड्डी की बाइक को पीछे से कार से टक्कर मारी और बाद में उन पर चाकूओं से अंधाधुंध हमला किया। घटना में गंगा रेड्डी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें अस्पताल ले जाने की कोशिश की लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। एमएलसी जीवन रेड्डी जगतियाल सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां गंगा रेड्डी का शव रखा गया।

घटना से गुस्साए जीवन रेड्डी ने अपने समर्थकों के साथ जगतियाल-धर्मपुरी मुख्य मार्ग पर धरना दिया और पुलिस से आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और कार्रवाई करने की मांग की। जीवन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने अपने भाई को खो दिया है और बदमाशों ने गंगा रेड्डी की हत्या पूरी योजना के साथ की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद जिले में कांग्रेस नेताओं की सुरक्षा नहीं है और जगतियाल में बीआरएस का शासन जारी है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सड़क पर धरना देने से यातायात ठप्प हो गया। पुलिस ने यातायात को बाईपास मार्ग से डायवर्ट कर दिया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हत्या का कारण भूमि विवाद था या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांव के साथ-साथ जगतियाल में भी भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

अडानी सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ प्रदर्शन

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को विभिन्न गांवों के निवासियों ने रामन्नापेट में प्रस्तावित अडानी अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री को रद्द करने की मांग करते हुए यदाद्री कलेक्ट्रेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया। बीआरएस कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में, उन्होंने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें फैक्ट्री के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं पर भी अपनी चिंता व्यक्त की जो उनके पर्यावरण और आजीविका को खतरे में डालती हैं।

विरोध प्रदर्शन में शामिल पूर्व विधायक चिरुमर्थी लिंगय्या ने परियोजना को रोकने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि हम अडानी को यहां पैर रखने की अनुमति नहीं देंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अडानी मिलकर तेलंगाना को लूट रहे हैं। अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री पूरे रामन्नापेट मंडल को प्रदूषण क्षेत्र में बदल देगी। लिंगय्या ने यह भी कहा कि वे कल होने वाले जनमत संग्रह कार्यक्रम में बाधा डालेंगे। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह सौंदर्यीकरण की आड़ में मूसी अयाकट को प्रदूषित कर रही है।

एमएमटीएस ट्रेनें बहाल

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पहले से रद्द एमएमटीएस ट्रेनें को बहाल कर दिया गया है। अब 23 से 31 अक्टूबर तक निर्धारित समय के अनुसार सामान्य रूप से चलने के लिए बहाल कर दी गई हैं। ट्रेन संख्या 47222 (मेडचल-लिंगमपल्ली), ट्रेन संख्या 47225 (लिंगमपल्ली-मेडचल), ट्रेन संख्या 47228 (मेडचल-सिकंदराबाद) और ट्रेन संख्या 47229 (सिकंदराबाद-मेडचल) अब सामान्य रूप से चलेगी।

सरकार की धरणी की जगह नया भूमाता पोर्टल बनाने की योजना

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार भूमाता नाम से एक नया भूमि पोर्टल विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, जो मौजूदा धरणी पोर्टल की जगह लेगा। सरकार ने मंगलवार को धरणी पोर्टल का प्रबंधन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) को सौंपने के आदेश जारी किए, जो एक केंद्रीय सरकारी एजेंसी है। धरणी पोर्टल का प्रबंधन, जिसे पहले एक निजी कंपनी टेरासिस चलाती थी। उसे अब एनआईसी को सौंप दिया गया है। अब तकनीकी बदलाव पूरा हो गया है, केवल पोर्टल का नाम बदलने की प्रक्रिया बाकी है। अधिकारियों का कहना है कि अगर एनआईसी अच्छा प्रदर्शन करती है तो सरकार उसे दो साल के लिए और जिम्मेदारियां सौंपेगी। राजस्व अधिकारियों ने खुलासा किया कि टेरासिस से सेवाएं एनआईसी को सौंपने से लगभग एक करोड़ रुपये का प्रशासनिक बोझ भी कम होगा। राजस्व प्रमुख सचिव नवीन मित्तल ने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि टेरासिस स्टाफ 30 नवंबर तक एनआईसी के साथ सहयोग करेगा ताकि धरणी पोर्टल के तकनीकी पहलुओं को पूरी तरह से एनआईसी को हस्तांतरित किया जा सके। आगामी भूमाता पोर्टल से भूमि संबंधी प्रक्रियाओं को और भी अधिक सुव्यवस्थित करने की उम्मीद है।

TEST DRIVE TODAY | CALL 1800 102 1800 | WWW.MARUTISUZUKI.COM/SWIFT

AUTHORISED DEALERS: HYDERABAD: ADARSHA: (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **ACER:** (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 040-67263425. (UPPAL) CALL: 9281105815. **PAVAN:** (SERILINGAMPALLY) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 9100050937, (BANJARA HILLS) CALL: 9100050937, (KUKATPALLY) CALL: 9100050937, (VANASTHALIPURAM) CALL: 9100050937, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. (KOMPALLY) CALL: 9100050937 **RKS:** (NARSINGI) CALL: 9848898488. (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

Creative visualisation. Accessories and features shown may not be part of standard fitment and may vary according to variant. Images used are for illustration purposes only. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Colours shown may vary from actual body colours due to printing on paper. ^Fuel efficiency as certified by test agency Rule 115 of CMVR 1989.#The claim 'Best-in-Segment Mileage' is supported by JATO Dynamics certificate dated 30th April 2024 for Petrol & 27th August 2024 for CNG. **Offers may vary subject to the model and variant purchased. All offers are applicable till 31st October'24 or till stocks last.

मायावती सरकार में कथित स्मारक घोटाले मामले में फंसे बीजेपी विधायक, ईडी ने किया तलब

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सरकार के दौरान कथित तौर पर हुए 1400 करोड़ रुपये के स्मारक घोटाले में भारतीय जनता पार्टी के विधायक फंसते नजर आ रहे हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने स्मारक घोटाले में विधायक टी राम को तलब किया है। वाराणसी के अजगरा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक टी राम की भूमिका को लेकर ईडी ने सवाल उठाए हैं।

14 अरब रुपए के स्मारक घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने लोक निर्माण विभाग के तत्कालीन प्रमुख अभियंता त्रिभुवन राम को भी तलब किया है। सूत्रों के अनुसार अभियंता और विधायक, दोनों को दीपावली से पहले ईडी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। ईडी ने खनन विभाग के तत्कालीन संयुक्त निदेशक एवं सलाहकार सुहैल अहमद फारुखी को भी तलब किया है। इन सबके बीच बीजेपी विधायक ने कहा है कि उनका इससे कोई वास्ता नहीं है। वह पहले भी अपने बयानों में बता चुके हैं कि वह इससे जुड़ी किसी कमेटी में शामिल नहीं थे।

स्मारक घोटाले में फंसे ये मंत्री और अफसर

इस मामले में बसपा सरकार में मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दिकी, बाबू सिंह कुशवाहा समेत कई लोगों पर भी एफआईआर दर्ज हुई थी। साल 2012 में पूर्व मंत्रियों समेत 19 लोगों पर एफआईआर हुई थी। इस मामले में लोकायुक्त की जांच में 1400 करोड़ रुपये के घोटाले की पुष्टि भी की थी। सपा सरकार में जांच धीमी हुई और अन्य जांच एजेंसियां भी चुप बैठ गईं। 2012 में शुरू हुई जांच में बाबू सिंह कुशवाहा, नसीमुद्दीन, सीपी सिंह, लोक निर्माण विभाग के अफसरों पर जांच शुरू हुई थी। इस जांच के दौरान ही यह सामने आया था कि तत्कालीन प्रमुख सचिव आवास मोहिन्दर सिंह ने बिना स्वीकृति के कई मामलों में सहमति प्रदान की थी।

महिला सिपाही से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार, पुलिस ने कराया मेडिकल

कानपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेन पश्चिम पारा थाने में महिला हेड कांस्टेबल से रेप करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मंडे दोपहर उर्सला अस्पताल में रेप पीड़िता सिपाही का मेडिकल कराया गया, उसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। पीड़िता महिला पुलिसकर्मी की तैनाती अयोध्या में है। सैटरडे को सुल्तानपुर में ड्यूटी करने के बाद करवाचौथ के लिए वह सेन पश्चिम पारा स्थित ससुराल आ रही थी। पीड़िता के मुताबिक वह शाम को नरवल थानाक्षेत्र स्थित पाली में उतरी और उसके बाद पैदल जा रही थी। रास्ते में गांव बुधेड़ा के कल्लू उर्फ धर्मेंद्र पासवान ने अपनी बाइक पर लिफ्ट देकर बैठा लिया।

एआईएमआईएम की बिहार उपचुनाव में हुई एंट्री बेलागंज और इमामगंज में उतारा कैंडिडेट

पटना, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में चार सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर है। वहीं, इस उपचुनाव में एआईएमआईएम की एंट्री हो गई है। एआईएमआईएम ने बेलागंज से मो. जामिन अली को उम्मीदवार बनाया है और इमामगंज से कंचन पासवान को उम्मीदवार बनाया है। तरारी और रामगढ़ से उम्मीदवारों का ऐलान जल्द हो सकता है। गया लोकसभा सीट के बेलागंज विधानसभा सीट पर आरजेडी का दबदबा रहा है। इस विधानसभा सीट से विगत छह विधानसभा चुनाव से आरजेडी के सुरेंद्र प्रसाद यादव जीत दर्ज करते रहे हैं। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में आरजेडी को इस सीट से 'हम' प्रत्याशी से बढ़त मिली थी। वहीं, इमामगंज विधानसभा सीट पर 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के प्रत्याशी पिछड़ गए थे। ऐसे में इस उप चुनाव में एनडीए के लिए चुनौती है।

13 नवंबर को है उपचुनाव

बता दें कि रामगढ़, तरारी, बेलागंज और इमामगंज विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव हो रहे हैं। इन विधानसभा क्षेत्रों के विधायक पिछले लोकसभा चुनाव में सांसद चुने गए। उसके बाद ये विधानसभा सीट खाली हो गयीं। इन चार विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे, जिसके नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

एलएलबी छात्र दोस्त संग मिलकर घर में छाप रहा था नकली नोट, यू-ट्यूब से सीखकर खड़ा किया गिरोह

मुरादाबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहार नजदीक है, जिसके चलते एक बार फिर नकली नोटों के सौदागर सक्रिय हो गए हैं। राजफाश तब हुआ जब दो आरोपित सौ-सौ और पांच-पांच सौ रुपये के नकली नोटों के साथ पकड़े गए। आरोपितों के पास से कुल 2.25 लाख रुपये की नकली करेंसी बरामद हुई है। पता चला कि एलएलबी का छात्र दोस्त संग मिलकर गिरोह चला रहा था। गिरोह चलाने वाले दोनों आरोपित अमरोहा निवासी हैं। आरोपितों की हरकत की किसी को भनक ना लगे, इसके लिए मुरादाबाद के पाकबड़ा में ठिकाना बना लिया। पाकबड़ा पुलिस ने दोनों आरोपितों सलमान व बिलाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सलमान मूलरूप से अमरोहा के डिडौली स्थित गौसपुर गांव निवासी है। वर्तमान में वह पाकबड़ा की ख्वाजा कॉलोनी में रह रहा था जबकि बिलाल अमरोहा के हाशमीनगर का निवासी है।

यूपी में एनकाउंटर की नई पॉलिसी

अब पुलिस को करना होगा ये काम योगी सरकार का सख्त निर्देश

लखनऊ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पुलिस एनकाउंटरों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। जिसके बाद अब योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से पारदर्शिता लाने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की गई है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस संबंध में दिशा निर्देश दिए हैं। जिनमें एनकाउंटर वाली जगहों की वीडियोग्राफी से लेकर पोस्टमार्टम तक की वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया गया है। यूपी में एनकाउंटर को लेकर जारी की गई नई गाइडलाइंस से संबंधित दिशा निर्देश डीजीपी की ओर से सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को जारी कर दिए गए हैं। इसके तहत अगर पुलिस एनकाउंटर में कोई अपराधी घायल होता है या फिर किसी की मौत हो जाती है तो शूटआउट साइट की वीडियोग्राफी करानी होगी।

एनकाउंटर को लेकर नई गाइडलाइंस जारी

एनकाउंटर में मारे अपराधी के पोस्टमार्टम को लेकर पारदर्शिता बरतने को कहा गया है। डीजीपी ने कहा है कि अगर एनकाउंटर में अपराधी की मौत हो जाती है तो दो डॉक्टरों का पैनल डेडबॉडी का पोस्टमार्टम करेगा और उसकी भी वीडियोग्राफी होगी। इतना ही नहीं जिस जगह पर शूटआउट हुआ, वहां फॉरेंसिक टीम भी निरीक्षण करेगी। डीजीपी की तरफ से कहा गया है कि जहां एनकाउंटर हुआ है उस क्षेत्र के थाने की पुलिस जांच नहीं करेगी। दूसरे थाने की पुलिस या फिर क्राइम ब्रांच से उसकी जांच कराई जाएगी। एनकाउंटर में शामिल अफसरों से एक रैंक ऊपर के अधिकारी ही इसकी जांच करेंगे।

परिजनों को तत्काल देनी होगी सूचना

एनकाउंटर में मारे गए अपराधी के परिजनों को भी इसकी सूचना तुरंत दी जाएगी। इसकी जानकारी पंचनामा रिपोर्ट में भी देनी होगी। एनकाउंटर के दौरान जिन हथियारों का इस्तेमाल किया गया है उनको भी सरेंडर करना होगा। ताकि उन हथियारों की भी जांच हो सके। जिन मामले में अपराधी घायल होते हैं उसमें उनसे बरामद गए हथियारों का भी बैलिस्टिक परीक्षण कराया जाएगा।

इरफान सोलंकी की पत्नी के खिलाफ बीजेपी उतार सकती है दलित चेहरा

कानपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशियों के नाम में बीजेपी की देरी विपक्ष के लिए चुनावी समीकरण को बदल सकती है इसी देरी में कानपुर की सीसामऊ सीट भी शामिल है दस में से 9 सीटों पर उपचुनाव होने हैं कानपुर की सीसामऊ सीट पर सपा प्रत्याशी उतार चुकी है। हालांकि इसी सीट पर लंबे समय से सपा ने सोलंकी परिवार पर ही भरोसा रखा है और इस बार भी सोलंकी परिवार से नसीम सोलंकी को उतारा है लेकिन इस सीट पर सपा का खेल बिगाड़ने के लिए बीजेपी सीसामऊ पर दलित चेहरे को उतार सकती है।

जिस तरह मुस्लिम मतदाता सपा के लिए निर्णायक भूमिका निभाते हैं वहीं इस सीट पर दलित मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है और दलित प्रत्याशी के उतरने से बीजेपी सपा का खेल खराब कर सकती है। बीजेपी इस सीट पर कोई दलित प्रत्याशी उतारती है तो दलित वोट में वो अपनी पकड़ मजबूत कर लेगी। ब्राह्मण मतदाता बीजेपी के साथ ही माना जाता है। वहीं बीजेपी का फ़िक्स वोटर का वोट बीजेपी के खाते में ही जाना तय है क्योंकि पिछली बार विधान सभा चुनाव में बीजेपी सपा से महज 12 हजार वोट से हारी थी।

12 हजार मतदाताओं पर है बीजेपी की नजर

कानपुर में हुए साल 2022 के विधान सभा चुनाव में सपा और बीजेपी के बीच अंतर 12 हजार वोट का था जिसमें बीजेपी की हार और सपा की जीत हुई थी क्योंकि बीजेपी को इस सीट से दलित वोट सही से नहीं मिला था। बसपा के प्रत्याशी ने भी इस सीट पर अच्छी संख्या में दलित वोट काटे थे। कांग्रेस प्रत्याशी ने भी दलित वोट काटे थे ऐसे एक बड़ी संख्या अलग अलग दलों में बिखरी थी लेकिन इस नए दांव से खेल कर सकती है बीजेपी क्योंकि बीजेपी अगर दलित प्रत्याशी उतारेगी तो दलित का झुकाव उस प्रत्याशी की ओर होगा। बीजेपी उपेंद्र पासवान को मैदान में ला सकती है दलित चेहरा है और विधायक भी अपनी से से अगर सीसामऊ में दलितमेदान में उतरा तो बीजेपी के समीकरण ठीक हो सकते हैं।

एक्सप्रेस वे पर लग्जरी कार में मिला इतना सोना कि फटी रह गईं पुलिस की आंखें; जांच की जा रही है

मथुरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा के मांट क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे पर जाबरा टोल प्लाजा पर रात को मांट पुलिस ने चेकिंग के दौरान दिल्ली से बिहार जा रही थी एक लग्जरी कार को पकड़ा, जिसमें 12 किलो से अधिक सोना मिला। जब उसने पूछताछ की गई तो वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है। रात को मांट पुलिस आबकारी टीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के जाबरा टोल प्लाजा पर चेकिंग कर रही थी, तभी नोयडा की तरफ से आ रही एक लग्जरी कार ऐंडीवर को रोका गया। उसमें कुछ संदिग्ध पैकेट रखे हुए थे। जब उन्हें खोला तो सोना मिला। पुलिस ने कार में सवार दो लोगों से सोने के बारे में जानकारी की तो वह कुछ भी नहीं बता सके। पुलिस ने इसकी सूचना अधिकारियों को दी।

रेमो डिसूजा की कोर्ट से खारिज हुई अर्जी वकील ने सेशन कोर्ट में फाइल किया रिवीजन

गाजियाबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। धोखाधड़ी के मामले में आरोपी मशहूर कोरियोग्राफर और फिल्म निर्माता रेमो डिसूजा की ओर से उनके वकील ने सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल किया है। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 13 नवंबर की तारीख लगाई है। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता मोहनीश जयंत ने बताया कि रेमो डिसूजा ने गाजियाबाद के राजनगर निवासी सत्येंद्र त्यागी के साथ साल 2013 में 'अमर मस्ट डाई' फिल्म बनाई थी।

इसमें जरीन खान और राजीव खंडेलवाल मुख्य भूमिका में थे। आरोप है कि रेमो ने सत्येंद्र त्यागी के पैसे से फिल्म का निर्माण कराया और भरोसा दिया था कि एक साल के अंदर वह इससे डबल देंगे। निर्धारित समय में जब पैसा वापस नहीं मिला तो सत्येंद्र ने मुकदमा दर्ज करा दिया। रेमो डिसूजा के खिलाफ सिहानी गेट थाने में 2016 में धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था।

इस मामले की सुनवाई गाजियाबाद कोर्ट में लंबित है। रेमो के अधिवक्ता ने उनकी ओर से कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा कि उन्हें झूठा फंसाया गया है, इसलिए उन्हें आरोप से मुक्त किया जाए। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अर्जी खारिज कर दी। लोअर कोर्ट के आदेश के खिलाफ रेमो डिसूजा के वकील ने सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल किया है। कोर्ट ने रेमो डिसूजा को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने के आदेश दिए हैं।

उत्पाती बंदर आया शिकंजे में

गोरखपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। खोराबार इलाके के लहसड़ी गांव में पिछले कुछ दिनों से उत्पात मचा रहे बंदर को सोमवार को ग्रामीणों ने मंकी कैचर की मदद से पकड़ लिया। गांव वालों ने ही 15 हजार रुपये चंदा करके मंकी कैचर को बुलाया था। बंदर को बोरे में भरकर कुसम्ही जंगल में छोड़ दिया गया। उसी के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। बंदरों ने गांव के पांच लोगों को काटकर घायल कर दिया था। 25 वर्षीय निखिलेश के पैर से तो मांस का टुकड़ा भी निकाल दिया। इसके बाद से ही ग्रामीणों में बंदर को लेकर आक्रोश था। सोमवार को सुबह ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने मंकी कैचरों को बुलवाया। सुबह करीब छह बजे से ही टीम उसे पकड़ने में जुट गई।

घुसपैठियों से देश की सुरक्षा को खतरा

इन्हें बाहर निकालें, मांझी ने एनआरसी के मामले पर गिरिराज का किया समर्थन

गया, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एनआरसी के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह का समर्थन करते हुए सोमवार को कहा कि घुसपैठियों से देश की सुरक्षा को खतरा है। मांझी ने गया शहर के गोदावरी मोहल्ला स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एनआरसी की मांग पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेता गिरिराज सिंह की यात्रा पर स्पष्ट किया कि उनकी यात्रा से हमारी कोई आपत्ति नहीं, हर कोई यात्रा निकालता है। उन्होंने कहा कि साल 1971 से पहले आए लोगों की बात छोड़ दीजिए, वे सही है लेकिन 1971 के बाद जो आए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बिहार का सीमांचल इलाका घुसपैठियों से भरा पड़ा केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मणिपुर,

आसाम और बिहार का सीमांचल इलाका घुसपैठियों से भरा पड़ा है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि बिहार में आज करोड़ों बांग्लादेशी क्यों हैं। ये आपराधिक तत्व हैं। इनसे देश को खतरा है। उन्हें बिहार से बाहर निकालना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह इस मामले में गलत सोच नहीं रखते हैं। मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रवक्ता शक्ति सिंह के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह या फिर राजद के जगदानन्द का परिवार उन्हें नहीं दिखता। परिवारवाद को लेकर उनका आरोप केवल सस्ती राजनीति है। जो लोग खुद परिवारवाद से घिरे हुए हैं, वह दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। विधानसभा उप चुनाव में दीपा मांझी 200 प्रतिशत जीतेंगी वहीं, इमामगंज विधानसभा उप चुनाव पर जीतन राम ने भरोसा जताया कि दीपा मांझी 200 प्रतिशत जीतेंगी। गौरतलब है कि दीपा मांझी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दल हम पार्टी से इमामगंज विधानसभा क्षेत्र से उपचुनाव लड़ रही हैं, उनके नाम की घोषणा रविवार को की गई थी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के लाकर से 50 लाख के जेवरात गायब, ग्राहक के पहुंचने पर खुला मिला लॉकर

गाजियाबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोदीनगर थाना क्षेत्र से बैंक ऑफ बड़ौदा की ग्राहक ईशा गोयल ने आरोप लगाया है कि उनके बैंक के लॉकर से 50 लाख रुपये का सोना और चांदी गायब हो गया है। ईशा गोयल को बैंक से फोन आया था, बैंक ने कहा था कि आप आकर अपना लॉकर देख लें। इसके बाद वे अपने पति और ससुर के साथ बैंक पहुंचीं। वहां अंदर जाकर देखा तो उनका लॉकर टूटा हुआ था और उसके अंदर कुछ भी नहीं था। पूरा लॉकर खाली था। महिला ने बताया कि इसमें 40-50 तोला सोना और 50-60 तोले चांदी के जेवर थे। ईशा गोयल ने बताया कि उन्हें आज सुबह बैंक से फोन आया कि उनका लॉकर खुला हुआ है। जब वे बैंक पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि उनका लॉकर खुला है और उसमें रखा सोना व चांदी गायब है। इसके बाद हमले सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। ईशा गोयल ने कहा कि इस घटना से संबंधित बैंक कर्मचारियों से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन वे किसी भी तरह की जानकारी देने के लिए तैयार नहीं थे। बैंक से ही हमें फोन किया गया था और जब यहां आए हैं तो बैंक के लोग चुप हैं। महिला के पति अंकुश गोयल ने बताया कि यह बहुत गंभीर मामला है।

हमारे इतने कीमती सामान का इस तरह गायब होना चिंता का विषय है। हम चाहते हैं कि पुलिस जल्दी से जल्दी जांच पूरी करे। इस बैंक में हमारा 20-25 साल पुराना खाता है। यहां बैंक कर्मचारी कुछ बता नहीं रहे हैं। उनका कहना है कि आप देख लो। वहीं, लॉकर में रखी चांदी व सोना की क्रीमत 50 लाख के करीब बताई जा रही है। इस घटना ने बैंक सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच में जुटी हुई है।पुलिस ने कहा कि इस मामले में तहरीर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच पड़ताल हो रही है।बैंक कर्मचारियों ने इस घटना पर कुछ भी कहने से मना कर दिया।

दादी के दशकर्म पर गंगा में नहाने गए दो किशोर डूबे,परिजनों में मातम

गाजीपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजीपुर के गहमर कोतवाली के बारा गांव में दशकर्म की सुबह दादी के दशकर्म में गंगा में स्नान करने गए दो पोते डूब गए। दशकर्म समाप्त भी नहीं हुआ कि घर में फिर मातम पसर गया। बारा गांव में गुरुवार को दादी की मौत होने के बाद दशकर्म पर मोहित शर्मा (14) और अमन शर्मा (16) मंगलवार की सुबह करीब छह बजे गंगा घाट नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। दोनों किशोरों को बचाने का बेहद प्रयास किया, लेकिन बचा नहीं सके। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक गहमर आरएस नागर, चौकी प्रभारी बारा विवेक कुमार पाठक भी मौके पर पहुंचे और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम को सूचना दी। ग्रामीणों ने चार घंटे तक डूबे किशोरों की तलाश की, लेकिन दोनों के शव नहीं मिल सका है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। प्रभारी निरीक्षक आरएस नागर ने बताया कि डूबे दोनों किशोरों की तलाश की जा रही है।

यूपी सरकार में मंत्री कपिलदेव समेत 12 के खिलाफ गैर जमानती वारंट, कोर्ट ने प्रार्थना पत्र किया खारिज

मुजफ्फरनगर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। नंगला मंदौड़ की पंचायत में भड़काऊ भाषण देने के मामले में पेश न होने पर पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा समेत आठ आरोपितों के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। इस मामले में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान सहित कई भाजपा नेता कोर्ट में पेश हुए। दूसरे मुकदमे में भी प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल समेत 12 आरोपितों के कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं। कोर्ट ने सभी की तरफ से दिए गए हाजिरी माफी प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। इस मामले में सुनवाई के लिए 29 अक्टूबर की तिथि नियत की गई है। जानसठ के कवाल गांव में 27 अगस्त 2013 को शाहनवाज और मलिकपुरा गांव निवासी सचिन व गौरव की हत्या के बाद 31 अगस्त को नंगला मंदौड़ में पंचायत हुई थी। इसके बाद जिले में सांप्रदायिक दंगा भड़क गया था। पुलिस ने पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान सहित 14 लोगों के खिलाफ भड़काऊ भाषण, निषेधाज्ञा उल्लंघन एवं 7 क्रिमिनल ला अमेंडमेंट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। एसआइटी ने अलग-अलग दो चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। मुकदमे की सुनवाई एमपी/एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश देवेन्द्र फौजदार कर रहे हैं।

सरकार बनाम उमेश में इनके हुए वारंट

अधिवक्ता श्यामवीर सिंह ने बताया कि भड़काऊ भाषण व अन्य धाराओं में कोर्ट में पेश न होने के कारण कोर्ट ने पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा, पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र, रविन्द्र, कल्लू, योगेश, सचिन व मिंटू के गैर जमानती वारंट जारी किए हैं।

निजी परिवाद में इनके हुए गैर जमानती वारंट

निजी परिवाद मामले में पूर्व गन्ना मंत्री सुरेश राणा, पूर्व सांसद कुंवर भारतेंद्र, कपिल देव अग्रवाल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्व मंत्री एवं एमएलसी अशोक कटारिया, पूर्व विधायक अशोक कंसल, यति नरसिंहानंद, कल्लू, योगेश, मिंटू, शिवकुमार, सचिन व रविंद्र के कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिए हैं।

यूपी से डरकर भाग गई कांग्रेस

बृजभूषण शरण सिंहने गोंडा में कहा- हार का ठीकरा अपने ऊपर नहीं लेना चाहती कांग्रेस, राहुल जिम्मेदार व्यक्ति नहीं

गोंडा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने यूपी में कांग्रेस के उपचुनाव न लड़ने को लेकर कहा कि देखिए यह उनकी रणनीति है और एक तरीके से राहुल गांधी को यहां समझ में आ गया है वह यूपी में दोनों सीटें हार जाएंगे जो समाजवादी पार्टी उनको लड़ने के लिए दे रही थी। और वो हार का ठीकरा अपने ऊपर नहीं लेना चाहते हैं इसीलिए वह मैदान छोड़कर भाग गए हैं लेकिन कांग्रेस जो भागी है। वह यूपी से डर करके भागी है कि हम दोनों सीटें हारेंगे और हार का ठीकरा मेरे ऊपर फूटेगा, इसीलिए कांग्रेस यहां से भाग गई है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जातिगत जनगणना वाले बयान पर कहा कि देखिए समय आने पर जातिगत जनगणना होगी। जातीय जनगणना भाजपा ही कराएगी राहुल गांधी नहीं कराएंगे, लेकिन समय आने पर कराएंगे। वहीं झारखंड में 50% आरक्षण तोड़ने को लेकर राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- कांग्रेस नेता राहुल

गांधी जिम्मेदारी से नहीं बोलते हैं। आज भी और उनको बताना चाहिए कि जो एक सीमा है, 50% आरक्षण की उसको कैसे तोड़ेंगे तभी वह तोड़ सकते हैं। जब उनकी सरकार बनेगी सरकार उनकी बन नहीं रही है, अभी साढ़े 4 साल तक केंद्र में भाजपा की सरकार है। कम से कम उसके बाद उसके बाद भी तो राहुल गांधी से हमें कोई उम्मीद नहीं है कि राहुल गांधी की सरकार बनेगी। इसीलिए जो आदमी पद पर नहीं रहता है, वह गैर जिम्मेदारी की बात करता रहता है। उन्होंने कहा कि जैसे इन लोगों ने जम्मू कश्मीर में कहा था कि हम धारा 370 को समाप्त कर देंगे, अब यह लोग क्या कर रहे हैं क्यों वहां पर धारा 370 समाप्त नहीं कर रहे हैं।

हाई कोर्ट : अतीक के साले जकी की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मारे गए माफिया अतीक अहमद के साले जकी अहमद की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता तथा न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने जकी अहमद की याचिका पर दिया है। प्रयागराज के धूमनगंज थाने में करेली निवासी मो. आमिर ने जकी अहमद व अन्य लोगों पर 10 लाख रुपये रंगदारी मांगने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है, इसे याचिका में चुनौती दी गई है। याची के वकील अधिवक्ता मो. इरफान व शादाब अली ने कहा कि याची ने कोई अपराध नहीं किया है। उसे झूठा फंसाया गया है। जमीन की चौहद्दी तय करने को लेकर विवाद है,जो सिविल प्रकृति का है। जानबूझकर सिविल मामले को आपराधिक रंग दे दिया गया है। कोर्ट ने मामला विचारणीय माना।

अजित पवार की एनसीपी ने नवाब मालिक की बेटी को दिया टिकट, महायुति में बढ़ेगी टेंशन?

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अजित पवार गुट ने मुंबई की अणुशक्ति नगर विधानसभा से नवाब मालिक की बेटी सना मलिक शेख को टिकट दिया है। सना मलिक 23 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगी। बता दें कि नवाब मलिक के एनसीपी में सक्रिय रहने को लेकर बीजेपी असहज दिखती रही है। खुद डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस इसको लेकर आपत्ति जता चुके हैं। इस बीच अजित पवार ने नवाब मलिक की बेटी सना मलिक को टिकट दिया है। बता दें कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। उसका मुकाबला कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) गठबंधन एमवीए से है। अजित पवार की एनसीपी ने नवाब मालिक की बेटी को दिया टिकट, क्या महायुति में बढ़ेगी टेंशन? एनसीपी के संस्थापक शरद पवार के पूर्व करीबी नवाब मलिक मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी हैं और वो इस समय जमानत पर बाहर हैं। अजित पवार ने सना मलिक को पिछले दिनों प्रवक्ता नियुक्त किया था। वो अणुशक्ति नगर विधानसभा में लगातार सक्रिय नजर आ रहीं थी। नवाब मलिक पांच बार के विधायक हैं। वो 1996, 1999 और 2004 में नेहरू नगर विधानसभा से विधायक चुने गए। इसके बाद 2009 में अणुशक्ति नगर से विधायक चुने गए। हालांकि उन्हें 2014 में मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। फिर 2019 में इसी सीट से विधायक चुने गए।

दाऊद इब्राहिम से संबंध रखने के आरोप

नवाब मलिक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार में एनसीपी के कोटे से मंत्री बने थे। इसी दौरान एनसीबी के अधिकारी रहे समीर वानखेड़े से उनका काफी विवाद हुआ। बाद में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में उन्हें 23 फरवरी 2022 को गिरफ्तार किया। उनपर देवेंद्र फडणवीस ने दाऊद इब्राहिम से संबंध रखने के आरोप लगाए। बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

सियासतः चुनाव से पहले पुणे पुलिस ने पकड़ी नोटों से भरी गाड़ी; राउत बोले- यह शिंदे के लोगों के लिए पहली किस्त

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। समर्थन कर रहा है। इसी क्रम में पुणे ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रुपयों से भरी एक कार पकड़ी है। इसमें से पुलिस ने पांच करोड़ रुपये की नकदी भी जब्त की। वहीं, अब इसे लेकर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के गुट पर तंज कसा है।

कार में मिले पांच करोड़

पुणे ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चुनाव को देखते हुए इस समय सख्ती बरती जा रही है। हर गाड़ी का छानबीन की जाती है। इसी क्रम में सोमवार को मुंबई-बेंगलुरु हाइवे पर खेड़ शिवपुर टोल नाका पर पुलिस ने नाकाबंदी कर तलाशी की थी। उसी समय एक कार से पांच करोड़ रुपये जब्त किए गए। पुणे ग्रामीण पुलिस के एसपी पंकज देशमुख ने बताया कि कार में ड्राइवर समेत चार लोग सवार थे। सभी से पूछताछ की गई है। बरामद नकदी को आयकर विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

संजय राउत ने साधा एकनाथ शिंदे और उनके विधायकों पर निशाना

इसे लेकर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने सत्ताधारी शिवसेना पर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक की गाड़ी से बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि कल, दो गाड़ियाँ थीं जिनमें लगभग 15 करोड़ रुपये थे। जैसा कि मैंने पहले कहा था, एकनाथ शिंदे ने अपने लोगों से उन्हें जीतने के लिए 50-50 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। यह 15 करोड़ की पहली किस्त थी। मौके पर दो गाड़ियां थी, एक फोन आने के बाद एक गाड़ी को छोड़ दिया गया,क्योंकि जो इंस्पेक्टर वहां ड्यूटी पर था वह पहले राज्य के लगभग 150 विधायकों की सेवा में था। वहीं, आगे संजय राउत ने सीट बंटवारे पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोरात जो दिल्ली में थे, आज सुबह शरद पवार से मिलने आए हैं। इसके बाद वह मातोश्री आएंगे जहां हम उद्धव ठाकरे और अन्य शिवसेना नेता कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे। फिर हम देखेंगे कि क्या करना है, लेकिन अभी सब कुछ ठीक है।

'बंटेंगे तो कटेंगे...', महाराष्ट्र में सीएम योगी की फोटो के साथ लगे बैनर; क्या बोले मुख्तार अब्बास नकवी

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। यहां 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को चुनाव होना है। चुनाव से पहले सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता प्रचार अभियान में जुट गए हैं। इस बीच मुंबई की सड़कों पर सीएम योगी के बैनर देखे गए हैं। इन बैनर्स पर सीएम योगी की तस्वीर के साथ स्लोगन भी लिखा हुआ है। स्लोगन में लिखा हुआ है, 'बंटेंगे तो कटेंगे'। वहीं मुंबई में लगे इन बैनर्स को लेकर बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि इसका संबंध आजादी के समय हुए बंटवारे से है। बताया जा रहा है कि मुंबई की सड़कों पर ये बैनर बीजेपी कार्यकर्ता के द्वारा लगवाए गए हैं। बीजेपी के एक कार्यकर्ता विश्वबंधु राय ने ये बैनर्स लगवाए हैं। इसे महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इस बैनर पर सीएम योगी की तस्वीर भी लगी हुई है। इसके अलावा इसपर स्लोगन लिखा हुआ है, 'बंटेंगे तो कटेंगे'। बैनर पर आगे लिखा है, 'योगी संदेश... एक रहेंगे तो नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे'। वहीं इस यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीर के साथ स्लोगन लिखे ये बैनर सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहे हैं। मुंबई की सड़कों पर लगे इन बैनर्स के लेकर बीजेपी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले बैनर को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, 'जब भारत को आजादी मिली, तो विभाजन हुआ। उसके बाद, लोगों ने विभाजन की भयावहता देखी। यह ('बंटेंगे तो कटेंगे') के पीछे का निष्कर्ष और मूल भाव यह है कि इसकी पुनरावृत्ति न हो।' बता दें कि महाराष्ट्र में इस बार एक ही चरण में वोटिंग होनी है। वोटिंग से पहले चुनाव प्रचार पूरे जोर-शोर से किया जा रहा है। इस बीच कार्यकर्ता भी पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। वहीं अब सीएम योगी की तस्वीर के साथ स्लोगन लिखे बैनर सामने आने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में इसपर बहस छिड़ गई है।

भोपाल के वीआईपी रोड पर किया पेशाब, शख्स के खिलाफ मामला दर्ज

भोपाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस ने राजधानी भोपाल में अनोखी कार्रवाई की है। जहां वीआईपी रोड पर गमले पर पेशाब करने वाले पर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पेशाब करने वाले आरोपी के खिलाफ कोहेफिजा थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई निगम कर्मचारी धीरज गोहर के आवेदन पर की है। दरअसल, भोपाल के वीआईपी रोड पर इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कर्मचारी तैनात किए गए हैं। जो शाम 6 बजे से रात 2 बजे तक ड्यूटी पर रहेंगे और इस तरह की हरकत करने वालों पर नजर रखेंगे। इसी कड़ी में यह कार्रवाई की गई जहां एक व्यक्ति गमले पर पेशाब करके नौ दो ग्यारह हो गया। कर्मचारी की शिकायत पर अब अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और गाड़ी नंबर 12 एएल 8896 के आधार पर आरोपी ट्रेस किया जा रहा है। बता दें कि वीआईपी रोड पार्क पर पिछले 1 महीने में यह तीसरा मामला है।

घर के बाहर खेल रहे पांच साल के मासूम बच्चे को शेरनी ने मार डाला

अमरेली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक शेरनी ने खेतिहर मजदूर के पांच साल के मासूम बच्चे को नोंच-नोंच कर मार डाला।घर के बाहर खेल रहा था बच्चा वन अधिकारी जीएल वघेल ने मंगलवार को बताया कि बच्चा जफराबाद तालुका के नवी जिकादरी गांव में अपने घर के बाहर खेल रहा था। उसी समय वहां एक शेरनी आ गई और उसपर हमला कर दिया। बाद में बच्चे को लेकर कहीं चली गई। काफी ढूंढने के बाद स्थानीय लोगों और वन विभाग के अधिकारी को बच्चे का शव मिला। वघेल ने बताया कि बच्चे को तुरंत अस्पताल लेकर गए, मगर उसकी जान पहले ही जा चुकी थी। पीड़ित खेतिहर मजदूर का बेटा था। शेरनी को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है, गुजरात एशियाई शेरों का एकमात्र रहने का स्थान है। अगर वन विभाग द्वारा की गई पिछली जनगणना की मानें तो यहां इनकी आबादी में 1990 में 284 से 2020 में 674 तक की वृद्धि देखी गई है। वन विभाग ने कहा है कि बाघों में से लगभग आधे संरक्षित क्षेत्रों के बाहर फैले हुए हैं (नौ जिलों और 13 वन प्रशासनिक प्रभागों में) उनका वितरण क्षेत्र 2015 में 22,000 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2020 में 30,000 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

जुबानी दंगलः साक्षी मलिक ने लगाया 'लालच' का आरोप, अब विनेश और बजरंग ने भी दिया जवाब

करनाल, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहलवान साक्षी मलिक ने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस' में कई बड़ी बाते कही हैं। उन्होंने इस किताब में अपने करियर के संघर्षों और पहलवानों के आंदोलन को लेकर भी लिखा है। साक्षी मलिक ने आरोप लगाया है कि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया था। अब साक्षी मलिक के इस बयान पर बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने भी जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि दोनों ने क्या कहा है।

क्या है साक्षी का आरोप?

ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता और पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने अपनी किताब में कहा है कि बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। साक्षी ने आगे कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा।

इससे कई समर्थकों ने यह सोचना शुरू कर दिया कि हम अपने स्वार्थ के लिए यह विरोध कर रहे हैं। साक्षी मलिक के बयान जिसमें उन्होंने कहा है कि विनेश और बजरंग के करीबी लोगों ने उनके मन में लालच भरना शुरू कर दिया, इस पर कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने जवाब दिया है। विनेश ने कहा- किस बात का लालच? आपको उनसे (साक्षी मलिक) से पूछना चाहिए। अगर बहनों के लिए, बोलना लालच है, तो मुझे यह लालच है और यह अच्छा है। अगर देश का प्रतिनिधित्व करके ओलंपिक पदक लाना लालच है, तो यह अच्छा लालच है। वहीं, बजरंग पूनिया ने साक्षी मलिक के बयान पर कहा है कि यह उनका निजी विचार है। वह हमारी दोस्त थीं और आगे भी रहेंगी। साक्षी ने क्या कहा है, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता।

कांग्रेस में शामिल हुए विनेश-बजरंग

विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया दोनों ही हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने विनेश फोगाट को जुलाना विधानसभा से चुनाव मैदान में उतारा। यहां विनेश विजयी रहीं लेकिन कांग्रेस चुनाव बुरी तरह हार गई। वहीं, बजरंग पूनिया कांग्रेस ने राष्ट्रीय किसान इकाई का प्रमुख बनाया था।

लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले को 1.11 करोड का इनाम, करणी सेना ने दिया खुला ऑफर

चंडीगढ, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल उन्होंने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के एनकाउंटर के लिए 1 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा कर दी है। उन्होंने एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 1 सौ 11 करोड़ रुपये का इनाम देने की बात कही है। उन्हें वीडियो में बोलते हुए सुना जा रहा है कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई के जरिए कराई गई थी। क्षत्रिय करणी सेना के एक्स हैंडल पर उनका वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें वह कह रहे हैं, "मुझे सिर्फ इतना पता है कि हमारी धरोहर परम आदरणीय अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई के द्वारा कराई गई थी, जो पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करेगा। उस पुलिसकर्मी को 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 1 सौ 11 करोड़ रुपये का पुरस्कार करणी सेना के तरफ से दिया जाएगा। हमें और देशवासियों को भयभीत नहीं भयमुक्त भारतवर्ष की जरूरत है।" दरअसल लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गोल्डी बरार ने सोशल मीडिया पर गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। उसने कहा था कि गोगामेड़ी को उसने दो से तीन बार चेतावनी दी थी लेकिन वह नहीं माना। इसलिए शूट कर दिया। अब करणी सेना के राज शेखावत ने लॉरेंस बिश्नोई के एनकाउंटर की बात कही है। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की साबरमती जेल में बंद है और कहा जाता है कि वह जेल से ही हर हत्या की साजिश रचता है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के एनकाउंटर का ऑफर राज शेखावत ने ऐसे समय पर दिया है जब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने हाल ही में एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली, जिनकी 12 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं सलमान खान को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से कई बार धमकी दी जाती है। अब राज शेखावत ने लॉरेंस बिश्नोई के ही एनकाउंटर का ऑफर दे दिया।

बंगलूरू में भारी बारिश से बिगड़े हालात, सड़कों पर चली नाव, सोशल मीडिया पर भड़के लोग

बंगलूरू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की सिलिकॉन वैली, बंगलूरू की सड़कों पर नाव चल रही है। दरअसल बीती रात हुई भारी बारिश के चलते शहर भर में जलभराव की स्थिति बन गई है। कई सड़कें जलभराव की वजह से बंद हैं और लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन ने सड़कों पर नौकाएं उतार दी हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ कहा जा रहा है और लोग खराब आधारभूत ढांचे को लेकर प्रशासन पर नाराजगी निकाल रहे हैं।

एक महिला की गई जान

भारी बारिश के चलते बंगलूरू की कई सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है, जिससे यातायात और आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बंगलूरू ट्रैफिक पुलिस के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के एसीपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर लोगों को कोगिलु जंक्शन से आईएएफ की तरफ जाने वाली सड़क के बंद होने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि 'जलभराव के चलते सड़क बंद है और वहां राहत और बचाव कार्य चल रहा है।' सोमवार को बंगलूरू में 56 वर्षीय महिला की खुले मेनहॉल में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल महिला अपने पति के साथ स्कूटर पर सवार होकर जा रही थी, इसी दौरान एक वाहन ने उनके स्कूटर में टक्कर मार दी और टक्कर लगने से महिला खुले मेनहॉल में जा गिरी, जिससे उसकी मौत हो गई।

उड़ान सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बंगलूरू ग्रामीण इलाके में आज सुबह तक 176 एमएम बारिश हो चुकी है। वहीं बंगलूरू शहरी इलाके में 157 एमएम बारिश हुई है। बारिश के चलते शहर में आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसे लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की और बृहत बंगलूरू महानगर पालिका और राज्य सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। लोगों ने शहर के आधारभूत ढांचे पर सवाल खड़े किए। भारी बारिश के चलते बंगलूरू में उड़ान सेवाएं भी प्रभावित हुईं। सोमवार रात को 20 से ज्यादा उड़ान सेवाओं में देरी हुई। दिल्ली से जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट और इंडिगो की चार उड़ान सेवाओं को भारी बारिश के चलते चेन्नई डायवर्ट किया गया। वहां भारी बारिश और जलभराव के चलते शहर के स्कूल बंद रखे गए हैं।

माकपा विधायक मुकेश यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार, इस वजह से हुए रिहा

मलप्पुरम, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। साउथ के सुपरस्टार अभिनेता एम मुकेश की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उन्हें एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। हालांकि, बाद में रिहा भी कर दिया। बताया जा रहा कि 2010 के त्रिशूर जिले में यौन उत्पीड़न के एक मामले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के विधायक को गिरफ्तार किया गया था। विधायक मुकेश के वकील ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अभिनेता को गिरफ्तार करने के बाद उनका मेडिकल जांच और शक्ति परीक्षण किया गया। उसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया क्योंकि सत्र अदालत ने पहले ही 24 सितंबर को मामले में अग्रिम जमानत दे दी थी।

अभिनेता के खिलाफ दो मामले दर्ज

मुकेश के खिलाफ एक वडक्कनचेरी और दूसरा मरदु पुलिस ने दो मामले दर्ज किए गए हैं। दोनों में उन्हें अग्रिम जमानत मिल गई है। पुलिस ने बताया कि वडक्कनचेरी में मामले में शिकायतकर्ता वही महिला अभिनेत्री हैं, जिनकी शिकायत पर मरदु पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अभिनेता ने दावा किया है कि शिकायतकर्ता की धमकियों के आगे नहीं झुकने के कारण उन्हें फंसाया जा रहा है। हेमा समिति की रिपोर्ट केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को सौंपे जाने के पांच साल बाद 19 अगस्त, 2024 को जारी की गई थी। चौंकाने वाली रिपोर्ट में शोषण, यौन उत्पीड़न, सत्ता के दुरुपयोग और लॉबिंग के बारे में काले कारनामे सामने आए थे। रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही कुछ महिलाएं अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ यौन दुराचार के आरोप लगाने के लिए आगे आईं। केरल सरकार ने साल 2017 में अभिनेत्री से मारपीट के मामले के बाद जस्टिस हेमा समिति का गठन किया था और इसकी रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा उद्योग में महिलाओं के उत्पीड़न और शोषण के मामलों का खुलासा हुआ था। कई अभिनेताओं और निर्देशकों पर लगे यौन उत्पीड़न और शोषण के आरोपों के जवाब में, राज्य सरकार ने दावों की जांच के लिए 25 अगस्त को सात सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की घोषणा की थी।

योगेंद्र यादव के भाषण के बीच हंगामा और धक्कामुक्की, मंच पर चढ़े लोग, चली कुर्सियां

अकोला, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अकोला में एक कार्यक्रम के दौरान स्वराज इंडिया पार्टी के संस्थापक योगेंद्र यादव पर भीड़ ने हमला कर दिया। उनका भाषण चल ही रहा था कि नाराज 40 से 50 लोग मंच पर चढ़ गए और उनके साथ धक्का-मुक्की करने लगे। बतादें, भीमराव आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर की पार्टी वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के कार्यकर्ताओं ने योगेंद्र यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दरअसल अपने भारत जोड़ो अभियान के तहत योगेंद्र यादव अकोला पहुंचे थे। इस दौरान वह एक सभा को संबोधित कर रहे थे, तभी वहां वीबीए कार्यकर्ता पहुंचे और हंगामा करने लगे। देखते ही देखते कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान वीबीए कार्यकर्ताओं ने कुर्सियां भी फेंकीं, जिससे कार्यक्रम में अफरा तफरी मच गई। वहां मौके पर मौजूद पुलिस बल और योगेंद्र यादव के समर्थकों ने बड़ी मशक्कत से वीबीए कार्यकर्ताओं को मंच पर चढ़ने से रोका। हालात इतने खराब हो गए कि योगेंद्र यादव को बाहर निकालना मुश्किल हो गया। हालांकि पुलिसकर्मी और समर्थकों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला। हंगामे के बाद योगेंद्र यादव ने कहा कि अकोला में मुझ पर और मेरे साथियों पर जो हमला हुआ वह लोकतंत्र में भरोसा रखने वाले व्यक्ति के लिए चिंता का विषय है।

छेड़छाड़ को लेकर हुआ खूनी खेल, एक युवक की चार लोगों ने गला काटकर की हत्या; दो गिरफ्तार

उज्जैन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाकाल नगरी उज्जैन में एक युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई। महिदपुर थाना प्रभारी राजवीरसिंह गुर्जर ने बताया कि रात 8.30 से 9 बजे के बीच एक युवक को लहूलुहान हालत में अस्पताल लाया गया। युवक पर चाकू से हमला किया गया था, उस का गला काट दिया था और शरीर पर भी चाकू के कई घाव थे। उसका उपचार किया जा रहा था कि तभी उसकी मौत हो गई। खबर मिलने पर पुलिस घटनास्थल रामलीला मैदान 12 पत्थर पहुंच गई थी। वहीं एक टीम को अस्पताल भेजा गया, जहां मृतक का नाम बबलू उर्फ अब्दुल शेख निवासी केसरपुरा रामलीला मैदान होना सामने आया। थाना प्रभारी के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। हमला करने वालों में 3 से 4 आरोपियों के शामिल होने का पता चला है।

आतंकी रिंडा और लांडा के गुर्गे के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट

बब्बर खालसा का कनेक्शन आया सामने

चंडीगढ़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब आतंकी साजिश मामले में खालिस्तानी आतंकियों रिंडा और लांडा के प्रमुख सहयोगियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। पंजाब के तरन तारन के गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी के खिलाफ मोहाली में एनआईए की विशेष अदालत में चार्जशीट दायर की गई है। जांच एजेंसी ने आरोपी की पहचान विदेश में मौजूद घोषित आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंडा और लखबीर सिंह उर्फ लांडा के सहयोगी के रूप में की है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सदस्य हैं। एनआईए की जांच में सामने आया है कि आरोपी दिसंबर 2022 में सरहाली पुलिस स्टेशन पर हुए आरपीजी हमले में शामिल था। साथ ही उसने जेल में रहते हुए और जेल से छूटने के बाद भी विदेश में मौजूद अपने हैंडलर्स के साथ संपर्क बनाए रखा था। एंटी टेरर एजेंसी की जांच में बीकेआई आतंकियों द्वारा पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में आतंक फैलाने की साजिश में आरोपी की भूमिका साबित हुई है। जांच से यह भी पता चला है कि गुरप्रीत ने लखबीर सिंह उर्फ लांडा के निर्देश पर बीकेआई और इसके भारत में मौजूद ऑपरेटिव्स के लिए बड़े पैमाने पर व्यापारियों से जबरन वसूली कर धन जुटाने की साजिश रची थी। उसने बीकेआई आतंकी मॉड्यूल के लिए, बरगला कर युवाओं की भर्ती भी की थी। इसके अलावा उसने लांडा द्वारा चिन्हित किए गए टारगेट्स की रेकी भी की थी और उन टारगेट्स को खत्म करने की कोशिश भी की थी। इसी साल जनवरी में एनआईए ने आरोपी के घर से तलाशी अभियान के दौरान एक अवैध हथियार जब्त किया था। एनआईए ने उसे यूएपीए, आईपीसी और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत आरोपी बनाया है। मामले की जांच अभी जारी है।

मुस्लिम युवक से शादी करने वाली अंकिता आई सामने, हिंदू संगठनों को दे डाली चेतावनी

जबलपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर की अंकिता राठौर और हसनैन अंसारी से शादी से जुड़े विवाद में नया अपडेट सामने आया है। मुस्लिम युवक से शादी करने वाली अंकिता ने सामने आकर इस संबंध में बयान दिया है। पांच अक्टूबर से घर से गायब अंकिता राठौर ने एक वीडियो मैसेज के जरिए अपना पक्ष रखा है। अंकिता ने कहा कि मैं अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र हूं। अंकिता राठौर ने परिजनों और हिंदूवादी संगठनों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर मुझे कुछ हुआ या मैंने कुछ कर लिया तो परिजन और विरोध करने वाले लोग जिम्मेदार होंगे। मुझे और मेरे साथी को जबरन परेशान कर दबाव बनाया जा रहा है। अंकिता ने कहा कि सोशल मीडिया पर उसके फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं और उसके बारे में तरह-तरह की बातें की जा रही हैं जोकि उसे बहुत ही खराब लग रही हैं। 5 अक्टूबर से घर से गायब अंकिता राठौर ने कहा कि उसके भी कुछ अधिकार हैं। वह खुद से किसी के साथ शादी करने को लेकर स्वतंत्र है। उसके अधिकार को कोई छीन नहीं सकता। अंकिता ने कहा कि मेरे साथ जो लड़का है उसके भी वीडियो वायरल किये जा रहे हैं। अगर मुझ पर प्रेशर बनाया गया तो मैं कुछ भी कर सकती हूं। इससे पहले तेलंगाना के बीजेपी विधायक टी राजा ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से अपील की थी कि वह इस शादी को रोकें वरना लड़की की फ्रिज में कटी हुई लाश मिलेगी। वहीं, हिंदू सेवा परिषद के प्रमुख अतुल जेसवानी ने कहा टी राजा ने मुझे वीडियो संदेश रविवार को भेजा था। मैंने जबलपुर कलेक्टर पुष्पेंद्र अहाके से मुलाकात की और उनसे उनके विशेष विवाह अधिनियम आवेदन को रद्द करने के लिए कहा है। हमने उन्हें लव जिहाद के खिलाफ एक ज्ञापन दिया है। हसनैन अंसारी जबलपुर के सिहोरा का रहने वाला है, जबकि अंकिता राठौड़ इंदौर की रहने वाली है। इस बीच कलेक्टर ने संवाददाताओं से कहा कि हिंदू सेवा परिषद का ज्ञापन एक दूरसंचार कंपनी के दोनों कर्मचारियों हसनैन अंसारी और अंकिता राठौड़ के खिलाफ है। जो शादी करना चाहते हैं। अहाके ने कहा कि उनके आवेदन को रद्द करने की संगठन की मांग की जांच की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 23 अक्टूबर- 2024

आतंकियों पर कसा शिकंजा

नई सरकार बनी नहीं कि आतंकवादियों ने कश्मीर घाटी में सिर उठाना शुरू कर दिया है। रविवार की रात को गांदरबल में आतंकियों ने एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे मजदूरों को निशाना बना कर साबित कर दिया कि हिंसा और खौफ का माहौल बनाने में कोई कसर नहीं छोडेंगे। आतंकियों के इस कायराना हरकत पर पूरे देश में गुस्सा है। नागरिकों का कहना है कि घाटी को शांत करना है तो ऐसे देश विरोधी ताकतों का सिर कुचलना ही होगा। सुकून की बात यह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने खुद आतंकियों को चेतावनी दी है कि उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। गांदरबल जिले में आतंकियों की करतूतें नाकाबिले बर्दाश्त है। इस गंभीर घटना से आतंकवादियों की बौखलाहट का भी पता चलता है। इस हमले में एक स्थानीय डाक्टर भी आतंकियों के निशाने पर आ गया है, जिससे घाटी के लोगों में भी गुस्सा देखा जा रहा है। उनके परिजनों से मंगलवार को मिल कर सीएम उमर अब्दुल्ला ने सांत्वना दी है। साथ ही हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। बता दें कि काफी सालों से जिस तरह से कश्मीर में सुरक्षा बलों ने चौकसी बरती है उससे आतंकी घठनाओं में काफी कमी आ गई थी। आम जनजीवन भी बेखौफ हो कर जीने का आदी हो गया था। लेकिन चुनाव के दौरान से ही अपने घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने एक बार फिर आम लोगों को अमनी गोलियों का निशाना बनाना शुरू कर दिया है। गांदरबल में भी ऐसे इलाकों को निशाना बनाया चगया जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले और टूरिस्टों का आना कम हो। लेकिन आतंकी अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके हैं। लोगों का आनाजाना जारी है। आतंकियों का मंसूबा चुनाव में बाधा डालने का था लेकिन वह पूरी तरह से निष्फल रहा। लोकसभा व विधानसभा चुनाव भी शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गया। इतना ही नहीं, इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बने। ऐसे में अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे। बता दें कि इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखता है। इसके निर्माण से श्रीनगर और कारगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित हो जाएगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय व दूरी कम हो जाएगी। यही नहीं, इस टनल के जरिए टूरिस्टों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में कनेक्टिविटी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। जाहिर है, विदेशी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों को घाटी का यह विकास हजम नहीं हो रहा है। इसलिए अपने गुर्गों द्वारा किए गए हमले के जरिए वे अपने कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश में हैं। हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी भी बढ़-चढ़कर दिखाई दे रही है। सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से आतंकवादियों की रही-सही निशानी भी बीते दिनों की बात होते देर नहीं लगेगी। अब वह दिन दूर नहीं जब आतंकवाद का कश्मीर ही नहीं देश से नामोनिशान मिट जाएगा।

बढ़ते वृद्धाश्रम बुजुर्गों के प्रति बेरुखी दर्शाते हैं , सरकार संज्ञान ले

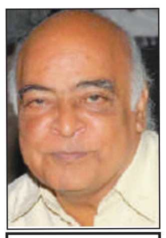

अशोक भाटिया

भारत के कई मंत्री विदेशों की यात्रा पर जाते रहते है और वहां से कुछ अच्छी बातें देश की तरक्की के लिए सीख कर आते है जो हमारे देश के लिए अनुकरणीय होती है । अच्छा है , पर विदेशों में जो बुजर्गो को सुविधाए दी जाति है उसका अनुकरण हमारा देश नहीं कर पता है । आज देश में बढ़ते वृद्धाश्रम इस बात का संकेत हैं कि बुजुर्गों की देखभाल में समाज या सोशल सिक्योरिटी सिस्टम कहीं न कहीं पर्याप्त नहीं हैं। बुढ़ापे में आय की कमी, पेंशन की दिक्कत और परिवारों में देखभाल की कमी के बीच आज देश भर में 1000 से अधिक ओल्ड एज होम हैं जो कि सरकारी और गैरसरकारी मदद से चल रहे हैं लेकिन इनमें से भी अधिकांश में बहुत बेहतर सुविधाएं नहीं होने की बात हमेशा सामने आती है। एक सर्वे के अनुसार हमारे देश में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या का पहला और सबसे बड़ा कारण लोगों की बदलती जीवनशैली है। पहले, परिवार संयुक्त परिवारों में रहते थे, जहाँ बुजुर्गों का सम्मान किया जाता था और उनके बच्चों और पोते-पोतियों द्वारा उनकी देखभाल की जाती थी। हालांकि, एकल परिवारों की शुरुआत के साथ, बुज़ुर्गों को अक्सर खुद की सुरक्षा के लिए अकेला छोड़ दिया जाता है। बच्चे बेहतर नौकरी के अवसरों की तलाश में दूर चले जाते हैं, और बुज़ुर्ग पीछे छूट जाते हैं, अकेलापन और उपेक्षा महसूस करते हैं।इसके अलावा, कई युवा नौकरी की वजह से विदेश चले जाते हैं और उनके माता-पिता अकेले रह जाते हैं। एक विकसित होते देश को अपनी बुजुर्ग होती आबादी के लिए और किन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है इसके लिए दुनिया में कई देशों में उठाए गए कदमों से सीख ली जा सकती है। खासकर फिनलैंड जैसे स्कैडिनेवियन देशों से जो बेहतर लाइफस्टाइल और हैपीनेस इंडेक्स में दुनिया में सबसे आगे मानी जाती है। देखा जाय तो फिनलैंड देश भले ही एक छोटा देश है लेकिन अपने यहां बुजुर्गों के लिए जैसी सुविधाएं वहां विकसित की जा चुकी है उससे हमारे शहरों और स्थानीय प्रशासन के लिए काफी कुछ सीखने लायक है। जापान के अलावा फिनलैंड सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाले देशों में से है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और सोशल सिक्योरिटी सिस्टम के कारण यहां लोगों की लाइफ एक्सपेटेंसी 84 साल है।फिनलैंड में 60 साल से अधिक उम्र का हर शख्स ओल्ड एज पेंशन का हकदार होता है। फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में वहां के स्थानीय प्रशासन की ओर से बुजुर्ग लोगों के लिए ओल्ड एज पेंशन की 1888 यूरो की हर महीने व्यवस्था है जो कि भारतीय रुपये में एक लाख 65 हजार रुपये बनता है वो भी हर महीने। इसके अलावा सिटी प्रशासन की ओर से बुजुर्गों को फिजिकली और सोशली एक्टिव रखने के लिए भी कई तरह के कदम उठाए जाते हैं। फिनलैंड की आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 27 फीसदी से अधिक है। झीलों के देश फिनलैंड में आपको रोज सुबह बड़ी तादाद में बुजुर्ग लोग साइक्लिंग और स्विमिंग करते मिल जाएंगे। ओल्ड एज होम को बढ़ावा देने की जगह वहां का प्रशासन जहां तक संभव हो पाता है बुजुर्गों को उनके घर पर ही हेल्थ केयर, मेडिकल चेकअप और बाकी सुविधाएं मुहैया कराता है। ताकि यहां के बुजुर्ग लोग अपने घरों में ही आराम से रह सकें। इसके लिए स्थानीय एजेंसियां उनके घर की, सीढ़ियों की, इंटीरियर को भी आकर डिजायन करती हैं ताकि बुजुर्गों को घर में रहते हुए, चलते हुए और जरूरी सामानों को उठाते हुए कम से कम दिक्कत आए। फिनलैंड में चल रही नेशनल पेंशन स्कीम और सोशल सिक्योरिटी स्कीम को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि ये सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बुजुर्ग आर्थिक दिक्कत का सामना न कर सके। उनके लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट में डिस्काउंट, स्विमिंग क्लबों, जिम, पार्क, म्यूजियम, लाइब्रेरी, थिएटर आदि जगहों पर छूट के प्रावधान किए गए हैं। यहां तक कि रेसिडेंशियल सोसाइटीज के जरिए उनके लिए सोशल इवेंट और ट्रिप आदी की भी व्यवस्था की जाती है ताकि वे अपने बुढ़ापे को पूरा एंजॉय कर सकें और इसके लिए आर्थिक दिक्कतें उनके रास्ते की बाधा न बनें या परिवार के लोगों पर उनकी निर्भरता न के बराबर हो। फिनलैंड के शहरों और कस्बों-गावों में ऐसे कार्यक्रमों में भी उनको शामिल करने पर जोर दिया जाता है जहां वे बाकी पेंशनर्स या स्कूली बच्चों के साथ मिल-जुल सकें। ये सब स्थानीय प्रशासन की ओर से उनके जीवन को एक्टिव बनाए रखने के लिए किया जाता है। बुजुर्गों को जरूरी सलाह एक जगह मिल जाए इसके लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी डेवलप किया गया है। फिनलैंड में हाउसिंग सेक्टर्स को भी इस तरह की व्यवस्था करने को कहा गया है कि वे ऐसी हाउसिंग सोसाइटीज डेवलप करें जहां बुजुर्ग अपने जैसे लोगों के साथ एक जगह रह सकें। या युवा आबादी-छात्रों के साथ कंबाइंड रिहायश उन्हें मिल सके और अकेलेपन का शिकार होने से वे बच सकें। इतना ही नहीं हेलसिंकी शहर में 63 कोहाउसिंग फैसिलिटी ऐसी डेवलप की गई हैं जहां व्हीलचेयर से हर जगह आसानी से जाया जा सकता है। यानी जो बुजुर्ग चल फिर नहीं सकते उन्हें भी रोजमर्रा के काम में कोई दिक्कत न आए। 65 साल से अधिक उम्र के उन लोगों के लिए जिन्हें मेडिकल निगरानी की जरूरत है हेलसिंकी की एजेंसियां ऑन डोर सर्विस मुहैया कराती हैं। बुजुर्ग लोग अपने घर पर ही सेफ्टी और केयरिंग के साथ रह सकें इसके लिए 24-घंटे केयरिंग सुविधा दी गई है। बुजुर्गों के लिए कोहाउसिंग, कम्युनिटी फूड, लॉन्ड्री, होम क्लीनिंग और क्लोथिंग सर्विस मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा रोजाना घर पर मेडिकल चेकअप के लिए नर्सिंग सुविधा और सोशल सिक्योरिटी सर्विस मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा प्राइवेट रिटायरमेंट होम का ऑप्शन भी कई लोगों के लिए मुहैया कराया जाता है। बुजुर्गों के लिए रोजमर्रा के कामों में मदद के लिए फिनलैंड के शहरों में होम सर्विसेज की भी व्यवस्था है। जैसे वॉशिंग, ड्रेसिंग और खाने से जुड़ी मदद भी घर पर मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा सपोर्ट सर्विस जैसे क्लीनिंग, शॉपिंग, सिक्योरिटी और ट्रांसपोर्ट सेवाएं भी कम्युनिटी सर्विस के आधार पर घरों पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराया जाता है। टेंपररी होम केयर सर्विस की फीस सबके लिए समान होती है लेकिन रेगुलर होम केयर सर्विस के लिए म्यूनिसपलिटीज को लोगों को अधिक फीस देनी होती है। म्यूनिसिपलिटीज की ओर से बुजुर्गों को मिले सर्विस वाउचर का इस्तेमाल अलग-अलग सुविधाएं लेने में किया जा सकता है। बीमार लोगों के लिए फिनलैंड की म्यूनिसिपलिटीज की सेवाएं भी उपलब्ध रहती है। अगर आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो हेल्थ सेंटर से संपर्क कर सकते हैं। वहां से जरूरी सूचना, चेकअप, इलाज और दवाएं मुहैया कराई जाती हैं। ये सभी के लिए एक जैसी होती है। खासकर बुजुर्गों की स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए अलग से मॉनिटरिंग सिस्टम बनाई गई है। म्यूनिसिपलिटीज की ओर से बुजुर्गों को हेल्थ अलाउंस की भी व्यवस्था है यानी ऐसी राशि जो आप आवेदन देकर मांग कर सकते हैं अपने हेल्थ केयर के लिए।

इन सबके अलावा बुजुर्गों के लिए डे टाइम एक्टिविटी की व्यवस्था भी कई शहरों की म्यूनिसिपलिटीज की ओर से की गई हैं। डे टाइम एक्टिविटी के लिए रजिस्टर होने वाले बुजुर्गों के लिए ट्रांसपोर्ट, खाना, व्यायाम, आदि की व्यवस्था की जाती है। अगर भारत में भी बुजुर्गों की जिंदगी बेहतर बनानी है उन्हें बुढापे को एंजॉय करने का मौका देने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारों और स्थानीय म्यूनिसिपलिटीज की ओर से क्या सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए इसके लिए फिनलैंड की सोशल सिक्योरिटी सिस्टम एक बड़ा उदाहरण साबित हो सकता है। हालांकि, यहां की बड़ी आबादी को देखते हुए ये आसान काम तो नहीं है लेकिन अगर इस दिशा में पहल हो तो ये उतना मुश्किल भी नहीं है। ये पहल इसलिए भी जरूरी है कि एक समाज-एक देश के रूप में हम अपनी बुजुर्ग आबादी को उनकी जिंदगी की सेकंड इनिंग को शानदार बनाने में मददगार हो सकें। हाल ही में मोदी सरकार ने 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त 5 लाख का बीमा देने का ऐलान किया है जो अपर्याप्त है यह सभी 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों के लिए होना चाहिए ।

आम आदमी के खास बंगले पर सवाल

राजेश कुमार पासी

अन्ना हजारे के आंदोलन से निकलकर राजनीति में आये केजरीवाल ने आंदोलन के नाम को बदनाम किया है, जैसे आपातकाल के विरोध में जय प्रकाश नारायण के आंदोलन से निकले कुछ समाजवादी नेताओं ने आंदोलन और समाजवाद दोनों को बदनाम किया था क्योंकि समाजवाद के नाम पर उन्होंने भ्रष्टाचार और वंशवाद का नया इतिहास लिख दिया था। केजरीवाल की राजनीति ने अब आंदोलन के नाम को ही बदनाम कर दिया है। अन्ना हजारे बेहद साधारण जीवन जीते हैं और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए उन्होंने जो आंदोलन किया था, उसमें से केजरीवाल जैसा नेता निकला है। केजरीवाल देश की जनता के सामने यह दावा करके राजनीति में आये थे कि वो बड़ा बंगला नहीं लेंगे, बड़ी गाड़ी नहीं लेंगे, सुरक्षा नहीं लेंगे । केजरीवाल मुख्यमंत्री बनने के बाद आज तक देश की जनता के सामने एक डबल एक्सेल की पुरानी कमीज के ऊपर पांच रुपये का पेन लगाकर चलते हैं। उनके पैरों में सौ रुपये वाली सेंडल या हवाई चप्पल होती है। उनके पहनावे से लगता है कि बहुत गरीब और साधारण आदमी मुख्यमंत्री के पद पर बैठा है। वो अपनी जीवन शैली से एक आम आदमी से जुड़ने की कोशिश करते दिखाई देते हैं। वो मुख्यमंत्री के पद पर हैं. अगर वो अच्छे कपड़ो और दूसरे महंगे समानों का इस्तेमाल करते हैं तो गलत नहीं कहा जा सकता । दिल्ली में उनके मुख्यमंत्री निवास स्थान ने उनके साधारण जीवन जीने के नाटक का भंडाफोड़ कर दिया है। जो व्यक्ति दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बारे में कहता था कि उनके घर 10 एसी लगे हुए हैं, उनका बिल कौन भरता है ? मैं और आप भरते हैं। मेरा तो कलेजा कांप उठता है, यह सोचकर कि दिल्ली की 40% जनता झुग्गियों में रहती है, तब मुख्यमंत्री कैसे ऐसे आलीशान घर में रह सकता है। आज केजरीवाल के घर में शीला दीक्षित के घर से तीन गुना ज्यादा एसी लगे हुए हैं। सवाल यह है कि अब उनका कलेजा क्यों नहीं कांप रहा है। आज भी दिल्ली की 40% जनता झुग्गियों में ही रह रही है। केजरीवाल ने पुराने मुख्यमंत्री निवास को तोड़कर नया बंगला बनवा लिया था । हैरानी की बात यह है कि पुराने बंगले की रेनोवेशन के नाम उसको तोड़ कर नया बंगला बनाया गया था। लोक निर्माण विभाग के नियमों के अनुसार रेनोवेशन में पुराने भवन में सुधार किया जाता है। अगर भवन को तोड़कर नया बनाना है तो वो रेनोवेशन नहीं, कंस्ट्रक्शन कहलाता है । दोनों की टेंडर प्रक्रिया अलग है, और दोनों के लिए फंड भी अलग तरीके से जारी किया जाता है। सरकारी नियमों की अनदेखी करने के कारण ही लोक निर्माण विभाग के 6 अधिकारी विजिलेंस जांच का सामना कर रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या उन्होंने अपनी मर्जी से अपनी नौकरी खतरे में डालकर यह काम किया होगा। एक टीवी चैनल ने इस बंगले को शीशमहल का नाम देकर इसमें बेहद महंगे सामानों का इस्तेमाल करने का भंडाफोड़ किया था। अब यह सच्चाई फिर एक बार देश के सामने आ गयी है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और आतिशी मार्लेना नई मुख्यमंत्री बन गई हैं। केजरीवाल ने बंगला खाली करके उसकी चाबी एक अधिकारी को सौंप दी, जिसे बाद में उस अधिकारी ने नई सीएम आतिशी को सौंप दिया। ऐसा केजरीवाल ने जानबूझकर किया । इसकी वजह यह थी कि वो नहीं चाहते थे कि उनके बंगले की सच्चाई देश की जनता के सामने आ जाये। सरकारी नियमों के अनुसार जब कोई मुख्यमंत्री सरकारी आवास खाली करता है तो वो लोक निर्माण विभाग के एक अधिकारी को उसकी चाबी देता है और सरकारी निवास में लगे सामानों की गिनती उस अधिकारी को करवाई जाती है क्योंकि वो लोक निर्माण विभाग की संपत्ति होती है। इसके बाद यह बंगला लोक निर्माण विभाग के पास कुछ दिन तक रहता है और उसे नए मुख्यमंत्री के लिए दोबारा तैयार किया जाता है। इसके बाद बंगले को तैयार करके नए मुख्यमंत्री को आबंटित कर दिया जाता है और इसके बाद विभाग का एक अधिकारी मुख्यमंत्री के किसी अधिकारी को पूरे साजो सामान को दिखाकर उसे चाबी दे देता है। केजरीवाल ने बंगले को सीधा आतिशी को सौंप दिया था लेकिन सरकारी नियमों के कारण ये काम पूरा नहीं हो सका । लोक निर्माण विभाग के पास जाने से बंगले की जो सच्चाई सामने आई है उसने देश की जनता को हैरान कर दिया है। केजरीवाल जब बंगला खाली करके गए तो बहुत थोड़ा सा सामान लेकर गए थे, उन्होंने उसका एक वीडियो भी बनवाया था। वो संदेश देना चाहते थे कि वो एक आम आदमी हैं और उसके पास उसकी तरह बहुत थोड़ा सा सामान है। बेहद साधारण जीवन जीने का नाटक करने वाले केजरीवाल की जीवन शैली क्या है, ये अब देश की जनता के सामने आ गई है। उनके बंगले में जो सामान लगा हुआ है, उसकी सूची मीडिया में आ गयी है। जिस बंगले के फर्श के लिए ताज महल में इस्तेमाल हुए मकराना मार्बल को ठुकरा कर वियतनाम से आयात किये गए बेहद महंगे पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, उस बंगले के दूसरे सामान भी बेहद कीमती हैं । केजरीवाल के शीश महल में 16 टीवी लगे हुए हैं जिनकी कुल कीमत 64 लाख रुपये है अर्थात एक टीवी चार लाख रुपये का है । इतने टीवी किसके लिए लगाए गए थे, ये एक बड़ा सवाल है। केजरीवाल के साधारण बंगले में पांच करोड़ के मोटराइज्ड पर्दे लगे हुए हैं। केजरीवाल के बंगले में जलापूर्ति के लिए 15 करोड़ खर्च किये गए हैं। जनता यह जानकर हैरान है कि उनके बंगले में शौच के लिए सात कमोड लगाए गए हैं और एक कमोड की कीमत 12 लाख रुपए है। हैरानी की बात है कि एक बंगले में केजरीवाल के लिए सात पूर्ण स्वचालित टोटो ब्रांड की टॉयलेट सीट लगाई गई हैं। मुझे लगता है कि ऐसी टॉयलेट सीट तो देश के किसी भी सरकारी निवास में एक भी नहीं लगी होगी और केजरीवाल ने सात-सात सीट लगवा रखी हैं। चार लाख की बॉडी मसाज चेयर, नौ लाख का ओवन, नौ लाख के दो फ्रीज, 6 लाख की चिमनी, 70 लाख के कांच के दरवाजे और न जाने कितने और कीमती सामान लगे हुए हैं। इन सामानों की लिस्ट सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। सवाल यह है कि केजरीवाल ने बड़ा बंगला बनवाकर इतना कीमती सामान भरवा दिया और ये सब तब किया जब दिल्ली की जनता कोरोना महामारी के समय ऑक्सिजन की कमी से जूझ रही थी। केजरीवाल अगर अपने पैसे से यह सब सुविधाएं प्राप्त करते तो कोई समस्या नहीं थी लेकिन आम आदमी की जिंदगी बदलने का दावा करने वाले नेता ने अपने प्रदेश की गरीब जनता के पैसे से यह सब सुविधाएं हासिल की थी। छोटा घर लेने की बात करने वाला नेता अगर बड़ा घर लेता है तो कहा जा सकता है कि उन्हें मुख्यमंत्री होने के कारण ऐसा करना पड़ा लेकिन शीशमहल बनवाने की क्या जरूरत थी।

छात्रों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के मायने

प्रियंका सौरभ

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफ़ी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं। पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाषाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है। नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को ख़तरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है। नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाषाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर ज़ोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है।

नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

आवश्यक है त्योहारों के मूल उद्देश्य से स्वयं को जोड़ना

डॉ.दीपकुमार शुक्ल

प्रत्येक त्योहार किसी न किसी उद्देश्य की पूर्ति का सन्देश लेकर आता है, जिसे समझे बिना उसे मनाना निरर्थक ही कहा जायेगा। विजयदशमी असत्य पर सत्य तथा बुराई पर अच्छाई की जीत का सन्देश देता है। अर्थात कोई भी व्यक्ति कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अन्याय और अत्यचार के मार्ग का अनुसरण अन्ततोगत्वा उसे पतन के धरातल पर लाकर खड़ा कर देता है। अपने कर्तव्य के प्रति सदैव सजग रहकर न्याय, परोपकार और सदाचार के मार्ग का अनुसरण करने वाला साधारण व्यक्ति भी एक न एक दिन अति विशिष्ट बनकर सर्वत्र लोकप्रिय बन सकता है। परन्तु समाज की वर्तमान दशा और दिशा देखकर सहज ही यह कहा जा सकता है कि हम इन त्योहारों से कुछ भी सीखने की अपेक्षा विपरीत आचरणों को ही आत्मसात करने की ओर निरन्तर बढ़ रहे हैं। प्रति वर्ष रावण के लाखों पुतले जलाकर भी हम भ्रष्टाचार के रावण का बाल भी बांका नहीं कर पा रहे हैं। श्रीराम को हम अपना आदर्श भले ही मानते हों परन्तु जब चरित्र के अनुकरण की बात आती है तब हम सब रावण के मार्ग पर ही खड़े दिखाई देते हैं। अपने बच्चों को हम उच्च शिक्षित तो बनाना चाहते हैं परन्तु उन्हें सदाचरण के मार्ग पर ले जाने की कोई भी शिक्षा नीति हमारे पास नहीं है। विजयदशमी के बाद एक और महत्वपूर्ण पर्व करवा चौथ आता है। यह त्योहार दाम्पत्य जीवन की तटस्थता एवं अखण्डता का द्योतक है। लेकिन पारिवारिक न्यायालयों में उमड़ती भीड़ इस त्योहार की मूल भावना को सर्वथा आहत करती है। जो दामपत्य जीवन आपसी समझ और विश्वास के धरातल पर खड़ा होना चाहिए उसे तीसरे पक्ष के माध्यम से भला कैसे सुदृढ़ बनाया जा सकता है। लाखों रुपये खर्च करके वैवाहिक सबन्ध जोड़ा जाता है। परन्तु विवाह के साथ ही विवाद का बीजारोपण भी अधिकांशतया देखने को मिलता है। ऐसी परिस्थितियां परिवार नामक संस्था के भविष्यगत अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह लगाती हुई दिखाई देती हैं। भारतवर्ष का सबसे बड़ा तथा समृद्ध त्योहार दीपावली है। इसे प्रकाश पर्व भी कहते हैं। जो वाह्य जगत को प्रकाशित करने से कहीं अधिक अन्तर्मन को प्रकाशित करने का सन्देश देता है। कटुता, दम्भ, पाखण्ड, छल, अन्याय और असत्य के मूल में व्याप्त अज्ञान रुपी अन्धकार को हटाकर ज्ञानरुपी प्रकाश से अन्तर्मन को प्रकाशित करना ही इस महापर्व का मूल उद्देश्य है।

यह एक ऐसा पर्व है जो व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों तरह से मनाया जाता है।इसलिए इसे सामाजिक और धार्मिक सौहार्द का पर्व भी कहा जाता है। दीपावली का पर्व मात्र भारत ही नहीं बल्कि नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैण्ड, मलेशिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिडाड और टोबैगो, नीदरलैण्ड, कनाडा, ब्रिटेन, सयुक्त अरब अमीरात तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में भी हर्षोल्लास से मनाया जाता है। भारतीय मूल के लोगों की तादात विश्व के विभिन्न देशों में जैसे-जैसे बढ़ रही है वैसे-वैसे इस त्योहार का वैश्विक विस्तार हो रहा है। भारत की बहुसंख्यक आबादी दीपावली को विजय पर्व के रूप में मनाती है। ऐसी मान्यता है कि रावण का वध करके श्रीराम जब अयोध्या लौटे तो अयोध्यावासियों ने ख़ुशी के उत्साह में घी के दिये जलाकर अमावस्या की काली रात को रोशनी से जगमग कर दिया था।

गजब के शौक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शहर के एक चौराहे पर, लोगों का आना-जाना लगा रहता था। उसी चौराहे पर एक प्रसिद्ध चाय की दुकान थी, जहाँ हमेशा भीड़ रहती थी। चाय की दुकान के पास एक नुक्कड़ था, जहाँ हर दिन रामू नामक एक रिक्शा चालक बैठा करता था। वह अपने छोटे से रिक्शे में न केवल यात्रियों को ढोता, बल्कि शहर के कई रंग-बिरंगे किस्सों का साक्षी भी था। एक दिन, चाय की दुकान पर एक धनी व्यापारी, जिनका नाम विक्रम था, चाय पीने आए। विक्रम हमेशा अपनी ऊँची एड़ी के जूते और महंगे कपड़े पहनता था। उनके पास पैसा तो बहुत था, लेकिन संवेदनाएँ शायद किसी कोने में धूल खा रही थीं। चाय पीते हुए विक्रम ने एक रिक्शा देखा। “अरे, रामू!” विक्रम ने आवाज़ दी, “क्या हाल है?” रामू ने मुस्कुराते हुए कहा, “सब बढ़िया है, बाबूजी। आप कैसे हैं?” विक्रम ने हंसते हुए कहा, “आज मेरी मौज है। चलो, मैं तुम्हें चाय पिलाता हूँ। तुम्हारे लिए एक स्पेशल चाय लाता हूँ।” रामू के चेहरे पर आश्चर्य था। “लेकिन बाबूजी, आप तो हमेशा अपनी चाय लेते हैं।” “अरे, आज तो मैं दान कर रहा हूँ। ये लो, ये पान खाओ और मेरे लिए एक सिगरेट ले आओ,” विक्रम ने आह्लादित होकर कहा। रामू ने थोड़ा सकुचाते हुए कहा, “लेकिन बाबूजी, मैं तो सिगरेट नहीं पीता।” “तू समझता क्या है? आजकल की जीवनशैली यही है। तू भी तो एक दिन भोगी बनेगा। चल, ये सिगरेट ले और थोड़ा मज़ा ले,” विक्रम ने उसे समझाया। फिर विक्रम ने रामू को दुगने पैसे दिए और खुद रिक्शे में बैठ गया। “अब मैं चलाऊँगा। एक अच्छा व्यस्त आदमी सड़कों पर बैठकर अपने मजे क्यों नहीं ले सकता?” रामू ने खींचतान करते हुए कहा, “बाबूजी, आप तो मुझे चलाने दें। यह मेरा काम है।” “अरे! तू क्यों डरता है? ये तुझे मिरगी की तरह चढ़कर उतर रही है। बस, मेरे पीछे देख। ज़िंदगी जीने का एक तरीका है। रिक्शा चलाना मजेदार है, चलो!” विक्रम ने कहा और खुद रिक्शा चलाने लगा। जैसे ही विक्रम ने रिक्शा चलाया, उसकी आँखों में एक चमक आई। उसने महसूस किया कि अब वह आम लोगों की दुनिया में आ गया है। “देखो, लोग कितने मजेदार हैं! ये बेचारे मजदूर, ये रिक्शा चालक। उनके पास तो जीने का तरीका भी नहीं है। कितना अद्भुत है,” विक्रम ने चिल्लाते हुए कहा। रामू अब चुपचाप बैठा हुआ था, उसकी आँखों में आँसू थे। वह सोच रहा था कि यह आदमी केवल खेल रहा है, जबकि वह उसके जीवन की वास्तविकता से बिलकुल अज्ञात था। विक्रम जब भी कोई राहगीर देखता, उसे सिगरेट का ऑफर देता, “लो, भाई, सिगरेट लो! एक बार ये जिंदगी का मज़ा चख लो।” लेकिन राहगीर उसे घूरते हुए आगे बढ़ जाते। अचानक, एक सड़क पर विक्रम ने देखा कि एक गरीब बच्चा अपनी माँ के पास बैठा हुआ है, जो भीख मांग रही थी।

अहोई अष्टमी के दिन इन चीजों का करें दान, जीवन से दूर होंगी समस्याएं

अहोई अष्टमी शुभ मुहूर्त

अहोई अष्टमी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त शाम के समय 05 बजकर 42 मिनट से लेकर 06 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। वहीं तारों को देखने का समय शाम में 06 बजकर 06 मिनट है, जबकि चंद्र देव को अर्घ्य देने का समय रात में 11 बजकर 55 मिनट तक है।

हिंदू धर्म में अहोई अष्टमी का व्रत बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र के लिए कठोर उपवास करती हैं और माता अहोई की विधिवत पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाओं को संतान की लंबी आयु और सुख-सौभाग्य की प्राप्ति का आशीर्वाद मिलती है। ये व्रत उन महिलाओं को अवश्य रखना चाहिए। जिन्हें संतान से जुड़ी विभिन्न मुश्किलों का सामन करना पड़ रहा है, क्योंकि इस व्रत के दिन दान करने से संतान संबंधी सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं।

पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 24 अक्टूबर दिन गुरुवार को सुबह 01 बजकर 08 मिनट पर शुरू हो रही है और अगले दिन 25 अक्टूबर दिन शुक्रवार को सुबह 01 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार, अहोई अष्टमी का पर्व 24 अक्टूबर दिन गुरुवार को मनाया जाएगा।

अहोई अष्टमी पूजा विधि

अहोई अष्टमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें। इसके बाद लाल रंग के वस्त्र धारण करें। फिर व्रत का संकल्प लें। पूरे दिन निर्जला व्रत का पालन करें।

पूजा के स्थान पर अहोई माता की प्रतिमा स्थापित करें या बनाएं।

शाम के समय विधि अनुसार मां की पूजा करें।

माता को कुमकुम लगाएं।

अहोई माता को लाल व फूल अर्पित करें। उन्हें 16 श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें।

मां के समक्ष घी का दीपक जलाएं और पूरी, हलवा का भोग लगाएं।

अंत में कथा पढ़कर घी के दीपक से आरती करें। चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करें।

पूजा के बाद क्षमा-प्रार्थना करें। घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें।

अहोई अष्टमी का पूजन मंत्र

इस मंत्र का "ॐ पार्वतीप्रियनंदनाय नमः" 11 माला या 108 बार जाप करें। इससे सभी इच्छाएं पूर्ण होंगी।

अहोई अष्टमी का महत्व

मान्यता है कि अहोई अष्टमी के दिन दान करने से पुण्य मिलता है और आने वाले जन्मों में सुख मिलता है। दान करने से जीवन की समस्याएं दूर होती हैं और सुख-शांति मिलती है। अन्न का दान करने से देवी अन्नपूर्णा प्रसन्न होती हैं और घर में अन्न की कमी नहीं रहती। संतान की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए अहोई अष्टमी के दिन दान करना विशेष रूप से शुभ माना जाता है। दान करते समय मन में किसी भी प्रकार की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। दान करते समय मुस्कुराते हुए दान करना चाहिए। दान करते समय "ॐ भगवती अन्नपूर्णे नमः" मंत्र का जाप करना चाहिए।

अहोई अष्टमी पर ऐसे करें पूजा

अहोई अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

घर के आंगन में मिट्टी का एक कोना बनाकर उसमें माता अहोई की तस्वीर स्थापित करें।

उस स्थान पर चावल, फल और मिठाई का भोग अर्पित करें।

बांस की एक टोकरी में कुछ खाने-पीने की वस्तुएं रखकर उस पर चंद्रमा का ध्यान करते हुए पूजा करें।

विशेष रूप से इस दिन रोटी का भी विशेष महत्व है, जिसे माता अहोई को अर्पित किया जाता है।

गुलगुले: गुलगुले अहोई अष्टमी के भोग का एक प्रमुख हिस्सा हैं। ये मीठे और मुलायम होते हैं और माता अहोई को बहुत पसंद होते हैं।

खीर: खीर भी अहोई अष्टमी के भोग में चढ़ाई जाने वाली एक लोकप्रिय मिठाई है। यह पौष्टिक और स्वादिष्ट होती है।

पूरी: पूरी को भी अहोई अष्टमी के भोग में शामिल किया जाता है। इसे आमतौर पर आलू या पनीर की सब्जी के साथ परोसा जाता है।

फल: फल जैसे केला, सेब, अंगूर आदि भी भोग में चढ़ाए जाते हैं।

दही: दही को भी भोग में शामिल किया जा सकता है।

मिठाई: आप अपनी पसंद की कोई भी मिठाई भोग में चढ़ा सकते हैं।

भोग चढ़ाते समय इन बातों का रखें ध्यान

अहोई अष्टमी के दिन भोग को साफ-सुथरे बर्तन में रखें। भोग को ताजा और स्वादिष्ट बनाएं। भोग चढ़ाते समय मन में शुद्ध भाव रखें। भोग चढ़ाने के बाद इसे परिवार के सदस्यों में बांट दें। अहोई अष्टमी के दिन व्रत रखने वाली महिलाएं भोग बनाने से पहले हाथ-पैर धो लें और साफ कपड़े पहनें। भोग को माता अहोई की मूर्ति या चित्र के सामने रखा जाता है। भोग चढ़ाने के बाद आरती की जाती है।

अहोई अष्टमी का महत्व

मान्यता है कि अगर अहोई अष्टमी के दिन अनगिनत तारों को देखा और उनकी पूजा की जाए तो पूजा करने से परिवार में संतान की प्राप्ति होती है। इस व्रत में महिलाएं पूजा के दौरान देवी पार्वती से प्रार्थना करती हैं कि जिस प्रकार आकाश में तारे सदैव चमकते रहते हैं उसी प्रकार हमारे परिवार में जन्म लेने वाले बच्चे का भविष्य भी चमकता रहे। आकाश में मौजूद सभी तारे अहोई माता के वंशज माने जाते हैं। इसलिए तारों को अर्घ्य दिए बिना अहोई व्रत पूरा नहीं माना जाता है।

अहोई अष्टमी के दिन ये चीजें करें दान

चावल, गेहूं, दाल आदि का दान करना शुभ माना जाता है।

वस्त्र: गरीबों को वस्त्र दान करने से पुण्य मिलता है।

फल: फल दान करने से स्वास्थ्य लाभ होता है।

मिठाई: मिठाई दान करने से घर में खुशियां आती हैं।

पैसे: जरूरतमंदों को पैसे दान करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

दिवाली की सफाई में इन चीजों का मिलना है बेहद शुभ, छूमंतर हो जाती है पैसों की तंगी!

कुछ ही दिनों में दिवाली आने वाली है और हर घर में दिवाली की साफ-सफाई का काम जोरों पर है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दिवाली की सफाई में कुछ चीजों का मिलना बेहद शुभ माना जाता है। अगर आपको दिवाली की सफाई के दौरान कुछ चीजें मिल जाएं तो ये मां लक्ष्मी की कृपा होने का संकेत है।

दशहरा के जाते ही दीपों का त्योहार दिवाली को लेकर हर घर में तैयारियां शुरू हो जाती हैं। अक्सर लोग दिवाली आने से कई दिन पहले से ही घरों की सफाई करने लगते हैं और फिर सजावट की जाती है। बाजारों में दिवाली पर खूब रौनक देखने को मिलती है। दिवाली आने में कुछ ही दिन बाकी हैं। इस साल दिवाली 31 अक्टूबर या 1 तारीख को मनाई जाएगी। हालांकि, इस बार दिवाली की तारीख को लेकर कंफ्यूजन बना हुआ है।

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में दिवाली की सफाई से जुड़ी खास बातें बताई गई हैं। इसके अनुसार अगर दिवीली की सफाई के दौरान कुछ खास चीजों का मिलना शुभ माना जाता है। इन चीजों का मिलना संकेत देता है कि आप पर मां लक्ष्मी मेहरबान हैं और आपको आने वाले समय में खूब धन लाभ होने वाला है। आइए जानते हैं कि दिवाली की सफाई में किन चीजों का मिलना शुभ होता है।

इन चीजों का मिलना है शुभ

पैसों का मिलना – कई बार हम कपड़ों के जेब या पर्स में पैसे रखकर भूल जाते हैं। अगर आपको दिवाली की सफाई में ऐसे ही पैसे रखे मिलें तो ये आप पर मां लक्ष्मी की कृपा का संकेत है। इससे जल्द ही घर में धन आएगा।

शंख या कौड़ी – दिवाली की सफाई में अगर आपको शंख या कौड़ी मिल जाए तो ये बहुत ही अद्भुत शुभ संकेत है। कौड़ी मिलने पर आपको अपार धन-वैभव के साथ पद-प्रतिष्ठा मिलने वाली है।

मोरपंख – दिवाली की सफाई में मोरपंख मिलना काफी शुभ होता है। ये जीवन की समस्याओं के दूर होने का इशारा है। साथ ही आपको धन लाभ होगा और जीवन में मिठास आने वाली है।

चावल (अक्षत) – चावल का संबंध धन-विलासिता देने वाले शुक्र ग्रह और मां लक्ष्मी से होता है। वहीं, हिंदू धर्म में पूजा-पाठ बिना अक्षत के पूरा नहीं होता है। दिवाली की सफाई में किसी डब्बे आदि में चावल मिलना सौभाग्य और धन आगमन का इशारा है।

लाल रंग का कपड़ा – धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा में लाल रंग का कपड़ा या चुनरी बिछाना शुभ माना जाता है, क्योंकि लाल रंग मां लक्ष्मी को प्रिय है। दिवाली की सफाई में लाल कपड़ा या लाल चुनरी का मिलना अच्छे दिन आने का संकेत देता है।

त्रिवेणी संगम में करें मां भद्रकाली के दर्शन

3000 साल पुराने माता के इस मंदिर में होते हैं हर रोज चमत्कार

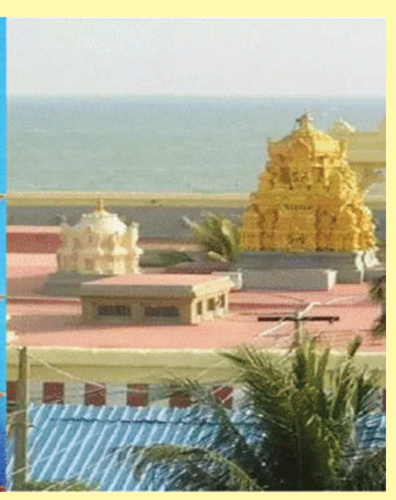

देवी भागवत पुराण में 108 तो तंत्र चूड़ामणि में शक्ति पीठों की संख्या 52 बताई गई लेकिन सामान्यतः 51 शक्तिपीठ माने जाते हैं। जहां जहां माता सती के अंग गिरे थे, उन उन स्थानों को शक्तिपीठ माना जाता है। आज हम आपको कन्याकुमारी शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जो तमिलनाडु के कन्याकुमारी केप पर स्थित है, देवी कन्याकुमारी का प्रमुख मंदिर है। देवी को यहां कुमारी अम्मन के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि देवी सती की रीढ़ की हड्डी यहीं गिरी थी। यहां भगवती देवी की पूजा की जाती है, जिन्हें दुनियाभर में कन्या देवी, कन्या कुमारी।

3000 साल पुराना है मंदिर

मजबूत पत्थर की दीवारों से घिरे कन्याकुमारी शक्तिपीठ के मंदिर का इतिहास 3,000 साल से भी पुराना बताया जाता है। मंदिर परिसर में कई और मंदिर भी हैं, जो भगवान सूर्य देव, भगवान गणेश, भगवान अयप्पा, देवी बाला सुंदरी और देवी विजया सुंदरी को समर्पित हैं। मंदिर का मुख्य प्रवेश उत्तरी द्वार से होता है। वहीं पूर्वी द्वार ज्यादातर बंद ही रहता है, वह केवल विशेष अवसरों पर ही खुलता है।

करोड़पति लोगों के घरों में जरूर रखी होती हैं ये 7 मूर्तियां

इसलिए पैसे वालों पर हमेशा मेहरबान रहती हैं देवी लक्ष्मी

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की हर एक चीज पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी से जुड़ी होती है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें घर में रखने से आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जैसे, पौधे, फूल और किसी सूर्य यंत्र। वहीं, घर में पड़ीं बंदी घड़ियां, टूटा-फूटा सामान आदि आपके घर की ऊर्जा को नकरात्मक बना देते हैं। इसी तरह कुछ मूर्तियां ऐसी होती हैं, जिन्हें घर में रखने से आपके घर में लक्ष्मी जी का आगमन होता है। ज्यादातर करोड़पति लोगों के घर में भी ये 7 मूर्तियां जरूर रखी होती हैं।

पीतल, तांबे या फिर चांदी के हाथी की मूर्ति

हाथी पर देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद होता है। माना जाता है कि घर में हाथी की मूर्ति रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और आपकी आमदनी बढ़ती है। हाथी को धन, वैभव का प्रतीक भी माना जाता है, इसलिए लक्ष्मी जी की विशेष कृपा पाने के लिए घर में हाथी जरूर रखें।

पीतल, तांबे या फिर चांदी के कछुए की मूर्ति

भगवान विष्णु का दूसरा अवतार कूर्म अवतार था। ऐसे में जाहिर-सी बात है कि देवी लक्ष्मी का वास भी वहीं होगा, जहां पर विष्णु जी विराजमान होंगे। देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए करोड़पति लोग घर में किसी भी धातु का बना कछुआ भी जरूर रखते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कछुए की मूर्ति घर पर रखने से बिजनेस बढ़ता है।

कामधेनु गाय की मूर्ति रखना है शुभ

पौराणिक कहानियों में कामधेनु गाय को सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाली गाय माना जाता है। कामधेनु गाय की मूर्ति घर पर रखने से घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती। वास्तु शास्त्र के अनुसार आप अगर जीवन में किसी भौतिक चीज को पाने की लालसा काफी समय से रख रहे हैं, तो आपको घर में कामधेनु गाय की मूर्ति भी जरूर रखनी चाहिए।

क्रिस्टल या धातु का पिरामिड रखने के लाभ

घर में पिरामिड रखने से आपके घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही अगर आप एक आशियाना बनाने का सपना देख रहे हैं, तो भी आपको घर में क्रिस्टल या धातु का बना पिरामिड जरूर रखना चाहिए। इससे आपके घर का सपना जल्दी ही पूरा हो जाता है। घर में क्रिस्टल का पिरामिड रखने से देवी लक्ष्मी की कृपा आप पर बनी रहती है।

उल्लू की मूर्ति रखना है शुभ

करोड़पति लोग अपने घर में उल्लू की मूर्ति जरूर रखते हैं। उल्लू को लक्ष्मी जी का वाहन माना जाता है। कहते हैं कि उल्लू पर माता लक्ष्मी की विशेष कृपा होती है इसलिए करोड़पति लोग घर में उल्लू की मूर्ति जरूर रखते हैं। इससे आपकी आमदनी तेजी से बढ़ती जाती है और प्रॉपर्टी खरीदने का संयोग भी बनता है।

जीवन में मंगल के लिए रखते हैं गणेश जी की मूर्ति

करोड़पति लोगों के घर में गणेश जी की मूर्ति जरूर रखी होती है। इसके पीछे कारण यह है कि गणेश जी को विघ्नहर्ता और प्रथम देवता के रूप में पूजा जाता है। साथ ही मंगल कार्यों की शुरुआत में सबसे पहले गणेश जी का नाम लिया जाता है इसलिए गणेश जी की मूर्ति घर में रखने से किसी भी कार्य में बाधा नहीं आती और तरक्की मिलती रहती है।

धन लाभ के लिए देवी लक्ष्मी की मूर्ति

करोड़पति लोगों के घरों में देवी लक्ष्मी की मूर्ति भी जरूर होती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार देवी लक्ष्मी की मूर्ति को हमेशा विष्णु जी के साथ ही स्थापित किया जाता है लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार देवी लक्ष्मी की मूर्ति को वास्तु के अनुसार अकेले भी स्थापित किया जा सकता है। विशेषकर कारोबार या तिजोरी के पास देवी लक्ष्मी की मूर्ति रखी जाती है।

पिता पवन कल्याण की फिल्म से अकीरा नंदन कर सकते हैं डेब्यू?

अकीरा नंदन साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण के बेटे हैं, जब से अकीरा के पिता आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने हैं, तभी से अकीरा नंदन राजनीतिक कार्यक्रमों में उनके साथ नजर आते रहे हैं। उन्होंने इन राजनीतिक कार्यक्रमों में पवन कल्याण के अनुयायियों, पार्टी सदस्यों और मीडिया से बातचीत की है। अकीरा के तेलुगु फिल्म उद्योग में डेब्यू को लेकर कुछ रोमांचक जानकारी सामने आई है।

पवन कल्याण की आने वाली फिल्मों का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करत हैं। पवन फिल्म ओजी में नजर आएंगे। इस फिल्म से पवन का लुक पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ओजी में पवन के बेटे अकीरा नंदन भी नजर आ सकते हैं। इस जानकारी ने लोगों में फिल्म को लेकर उत्साह और अधिक बढ़ा दिया है। अगर ऐसा होता है कि तो यह फिल्म अकीरा नंदन का तेलुगु डेब्यू होगा।

पिता-पुत्र की जोड़ी आ सकती है नजर

सुजीत द्वारा निर्देशित ओजी एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में पवन कल्याण कथित तौर पर एक गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में अकीरा नंदन कैमियो रोल में नजर आ सकते हैं, जिससे उनके पिता के प्रशंसक काफी खुश होंगे। हालांकि, ओजी में अकीरा की भूमिका के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन पवन के साथ उनकी फिल्म में मौजूदगी ने ही प्रशंसकों के बीच उत्साह की लहर पैदा कर दी है। प्रशंसक पिता-पुत्र की जोड़ी को पहली बार स्क्रीन साझा करते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। प्रशंसक अब ओजी में अकीरा की भागीदारी की पुष्टि करने के लिए आधिकारिक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ओजी एक रोमांचक एक्शन ड्रामा फिल्म है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की कहानी ओजस गम्भीरा नामक एक क्रूर डॉन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे 'ओजी' के नाम से भी जाना जाता है।

रहस्यमयी 10 साल के गायब होने के बाद, ओजी एक मिशन के साथ मुंबई लौटता है। उसका लक्ष्य क्राइम बॉस ओमी भाऊ को मारना। इस फिल्म में मनोरंजक एक्शन सीक्वेंस और हाई-स्टेक ड्रामा होने की काफी उम्मीद हैं। फिल्म में पवन कल्याण के अलावा इमरान हाशमी और प्रियंका मोहन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

शादी के सवाल पर निमरत कौर ने कहा 'ये नियति होती है...', अब इस अभिनेता के साथ जुड़ रहा नाम

निमरत कौर इंडस्ट्री की एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जो हमेशा अपने ही अंदाज में काम करती हैं, बॉलीवुड और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनोखे प्रोजेक्ट्स से दर्शकों का मनोरंजन करती रहती हैं। 'लंच बॉक्स' जैसी ऑफबीट फिल्मों से लेकर एयरलिफ्ट, दसवीं और सजनी शिंदे का वायरल वीडियो जैसी लोकप्रिय हिट फिल्मों तक, उन्होंने साबित कर दिया है कि वह किसी भी श्रेणी में नहीं बंध सकतीं।

हालांकि, ऐसा नहीं है कि सिर्फ उनका काम ही प्रशंसकों को आकर्षित करता है। एक पुराने साक्षात्कार में, निमरत ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए थे। अभिनेत्री का यह बयान तब वायरल हो रहा है, जब उनका नाम अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ जोड़ा जा रहा है।

शादी के बारे में उनके विचार पूछे जाने पर, निमरत ने बताया, मुझसे पूछा गया कि मैं शादी क्यों नहीं करना चाहती, सिर्फ इसलिए कि मेरी अभी शादी नहीं हुई है। मैंने कहा, मुझे नहीं पता कि तुम्हारे दिमाग में यह बात कैसे आई! इसका इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि मैं कुछ नहीं करना चाहती, सिर्फ इसलिए कि मेरी अभी शादी नहीं हुई है।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि शादी एक ऐसी चीज है, जो नियति पर निर्भर करती है और यह अपने समय पर होती है, जब आप सही व्यक्ति से मिलते हैं। मुझे नहीं लगता कि ये चीजें पहले से तय की जा सकती हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन की फिल्म 'दसवीं' और 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' की सफलता के बाद, निमरत अपने अगले प्रोजेक्ट, सेक्शन 84 के लिए कमर कस रही हैं, जो कि महानायक अमिताभ बच्चन की एक कोर्टरूम ड्रामा है और इसका निर्देशन रिभु दासगुप्ता ने किया है, जो कि टीई3एन में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह आगे स्क्रीन पर क्या लेकर आएंगी।

तलाक की खबरों के बीच बगैर वेडिंग रिंग के स्पॉट हुईं उर्मिला, लोगों ने दिया 'क्वीन' का टैग

अभिनेत्री-राजनेता उर्मिला मातोंडकर पति मोहसिन अख्तर मीर से कथित तलाक की खबरों के बीच सोमवार शाम को एक इवेंट में शामिल होती नजर आईं। हालांकि, उन्होंने अभी तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन हाल ही में, उन्होंने इसकी पुष्टि की, क्योंकि वह बिना अपनी शादी की अंगूठी के कार्यक्रम में शामिल हुईं। हालांकि, अभिनेत्री की तस्वीरें देख फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं।

इवेंट से उर्मिला का वीडियो अब वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह पर्पल कलर के लहंगे और कोट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने ज्यादा बालों का एक बन बनाया और रेड कार्पेट पर चलते हुए और पैप्स के लिए पोज देते हुए मुस्कुराती नजर आईं। तभी प्रशंसकों की नजर इस पर पड़ी कि उर्मिला इस कार्यक्रम में अपनी शादी की अंगूठी के बगैर आईं और उन्होंने इसे छिपाने का कोई प्रयास नहीं किया।

कुछ दिनों पहले खबरें आई थीं कि हुई थीं कि उर्मिला और मोहसिन अलग हो चुके हैं और अभिनेत्री ने अब तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि तलाक आपसी शर्तों पर नहीं हो रहा है।

उर्मिला की तस्वीर देख फैंस ने उनकी खूब प्रशंसा की है। एक यूजर ने लिखा, 'उर्मिला कितनी कॉन्फिडेंट लग रही हैं।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'उर्मिला पहले से खूबसूरत लग रही हैं।' एक और यूजर ने लिखा, 'उर्मिला के चेहरे का ग्लो बता रहा है कि वह कितनी खुश हैं। इंसान अंदर से खुश होता है तो वह चेहरे पर नजर आ ही जाता है।'

बता दें कि तलाक विवाद के बीच मोहसिन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से उर्मिला की सभी तस्वीरें भी हटा दी हैं। दूसरी ओर, उर्मिला ने मोहसिन के साथ अपना आखिरी पोस्ट जून 2023 में अपने फॉलोअर्स को ईद की शुभकामनाएं देने के लिए सोशल मीडिया पर शेयर किया था। पिछले एक साल में दोनों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें और कंटेंट ऑनलाइन शेयर करने से परहेज किया है।

पान मसाला का विज्ञापन करने से अनिल कपूर का साफ इनकार, एक झटके में ठुकराया करोड़ों का ऑफर

अभिनेता अनिल कपूर ने एक बड़ा उदाहरण पेश किया है। उन्हें लेकर खबर आ रही है कि उन्होंने पान मसाला का विज्ञापन करने से साफ इनकार कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अनिल कपूर को पान मसाला का विज्ञापन करने का प्रस्ताव दिया गया और इसके लिए करीब 10 करोड़ रुपये ऑफर किए गए। हालांकि, नैतिक मूल्यों के चलते अनिल कपूर ने इस प्रस्ताव को तुरंत ठुकरा दिया।

अनिल कपूर अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए जाने जाते हैं। अनिल कपूर का कहना है कि इस तरह के प्रोडक्ट्स का समर्थन का और विज्ञापन करना एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में उनके नैतिक मूल्यों के विपरीत है।

अनिल कपूर के इस फैसले पर उनके फैंस बेहद खुश हैं और उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। सोशल मीडिया पर अनिल कपूर को अपने इस फैसले के लिए जमकर प्रशंसा मिल रही हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इंसान की पहचान उसके कर्मों से होती है'। एक यूजर ने लिखा, 'कुछ कलाकारों को इस मामले में अनिल कपूर से सीखना चाहिए'। एक यूजर ने लिखा है, 'ये हुई हीरो वाली बात। गलत का साथ ही नहीं देना'।

अजय देवगन से लेकर अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और शाहरुख खान तक कई नामी सितारे पान मसाला के विज्ञापन कर चुके हैं और इस तरह के प्रोडक्ट का प्रमोशन कर चुके हैं। इसके लिए उन्हें प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी है। वहीं, दूसरी तरफ कई सितारे ऐसे हैं, जिन्होंने पान मसाला के विज्ञापन से साफ मना कर दिया। अनिल कपूर से पहले आर माधवन भी यह मिसाल पेश कर चुके हैं। उन्होंने भी पान मसाला के विज्ञापन का ऑफर ठुकरा दिया।

अनिल कपूर इंडस्ट्री में अपने अभिनय के साथ-साथ अपनी फिटनेस के लिए भी मशहूर हैं। 67 वर्ष की उम्र में भी वे बेहद फिट हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेता 'वॉर 2' में नजर आएंगे। इसमें ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी अहम रोल में हैं।

सोशल मीडिया पर अनुपम खेर ने पूछा बताइए-'कौन सी फिल्म' है? सही जवाब पर दूंगा एक खास तोहफा

अनुपम खेर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह जब भी बड़े पर्दे नजर आते हैं तो दर्शकों को अपनी एक्टिंग का कायल बना देते हैं। अपने काम के लिए उन्हें जहां दर्शकों का बहुत प्यार मिलता है, वहीं कई अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। हाल ही में अनुपम इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर दर्शकों से पूछ रहे हैं कि बताइए, यह मेरी कौन सी फिल्म है। साथ ही वह सही जवाब देने वालों को एक खास तोहफा भी देंगे।

क्या होगा खास तोहफा

इंस्टाग्राम वीडियो में जिस फिल्म के सीन को अनुपम खेर एक्ट रहे हैं, वह उनकी हालिया रिलीज फिल्म का ही हिस्सा है। इसलिए दर्शक आसानी से उनके सवाल का जवाब दे सकते हैं। जवाब देने वालों को जरूर अनुपम खेर अपनी ऑटोबायोग्राफी 'लेसन लाइफ टॉट मी

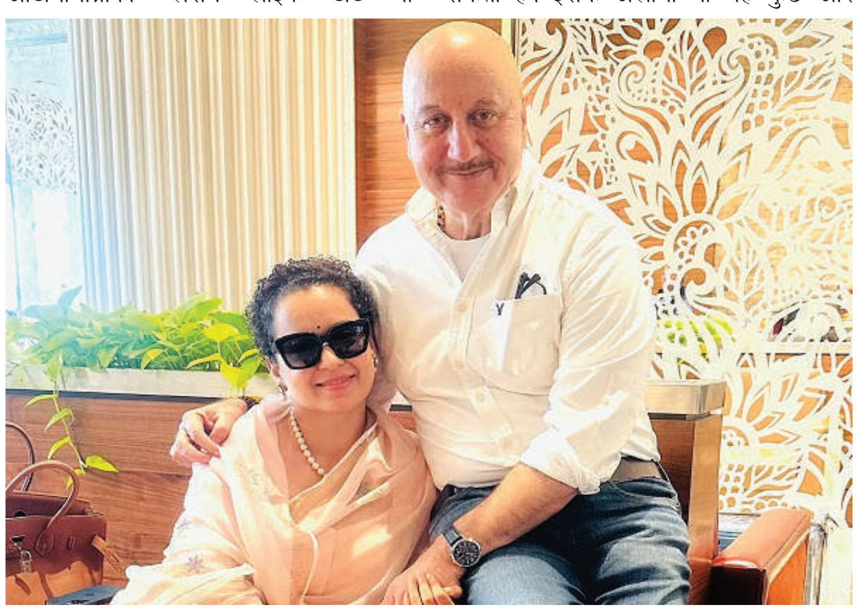

अननोइंग्ली' गिफ्ट करने की बात करते हैं।

आत्मकथा में जिंदगी-फिल्मी करियर को किया है साझा

ऑटोबायोग्राफी में उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़ी बातें, अपना संघर्ष और फिल्मी सफर साझा किया है। कैसे उन्हें असफलताओं का मुंह देखना पड़ा? कैसे बॉलीवुड में सफलता की सीढ़ियां चढ़ीं? साथ ही उनके निजी जीवन में कैसे-कैसे उतार चढ़ाव आए? इन सभी बातों के बारे में अनुपम खेर ने अपनी आत्मकथा में विस्तार से बात की है।

कंगना की फिल्म में निभाएंगे अहम किरदार

जल्द ही कंगना रनोत की अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' में अनुपम खेर नजर आएंगे। इसमें वह जय प्रकाश नारायण की भूमिका में दिखेंगे। इस दमदार किरदार में अनुपम खेर को देखना दर्शकों के लिए एक बेहतरीन अनुभव साबित हो सकता है। इसके अलावा भी वह कुछ और बेहतरीन फिल्म कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होंगी।

अभिनेता दर्शन को अदालत से राहत नहीं जमानत पर सुनवाई 28 अक्तूबर तक स्थगित

कर्नाटक हाई कोर्ट ने अभिनेता दर्शन की जमानत याचिका पर सुनवाई रोक दी है। अभिनेता की जमानत पर आज सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान दर्शन की मेडिकल कंडीशन ठीक न होने के चलते जमानत की मांग की गई, जिसे 28 अक्तूबर तक स्थगित कर दिया गया।

पीठ में तेज दर्द होने पर मांगी जमानत

अभिनेता दर्शन की ओर से बीवी नागेश ने जमानत की अपील की थी। इस दौरान जस्टिस विश्वजीत शेट्टी ने इस बेंच की अध्यक्षता की। जमानत की अपील में बताया गया कि दर्शन की पीठ में तेज दर्द होने के कारण उन्हें सर्जरी करानी होगी इसलिए जमानत मंजूर करने का अनुरोध किया। दर्शन पहले से इस तकलीफ का उपचार करवा रहे हैं।

28 अक्तूबर तक स्थगित कर दी सुनवाई

बीवी नागेश ने कहा कि जल्द से जल्द जमानत दी जाए। उन्हें जल्द से जल्द सर्जरी की जरूरत है। इस दौरान जज ने मेडिकल रिपोर्ट तुरंत जमा करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई 28 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

हत्या के मामले में जेल में हैं बंद

दक्षिण भारतीय अभिनेता दर्शन थुगुदीपा रेणुकास्वामी हत्या मामले में जेल में बंद हैं। हाल ही में उनका परिवार उनसे मिलने पहुंचा था। अभिनेता दर्शन की पत्नी

विजयलक्ष्मी ने उनसे मुलाकात की थी। बेंगलुरु की एक सिविल कोर्ट ने सोमवार 14 अक्टूबर को दर्शन और पवित्रा गौड़ा की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। दर्शन और पवित्रा गौड़ा को हत्या के आरोपी हैं। रेणुकास्वामी का शव बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या मिला था।

परिणीति ने ऐसे तय किया पीआर मैनेजर से अभिनेत्री बनने का सफर, आज 60 करोड़ की हैं मालकिन

हिंदी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। परिणीति का जन्म 22 अक्तूबर, 1988 को हरियाणा के अंबाला में हुआ था। परिणीति ने अपने करियर की शुरुआत बतौर पीआर मैनेजर की थी। परिणीति चोपड़ा प्रियंका चोपड़ा की रिश्ते में बहन लगती हैं। आइए आज उनके जन्मदिन पर जानते हैं, उनके जीवन से जुड़ी की खास बातें।

'बैंड बाजा बारात' के लिए पीआर मैनेजर किया था काम

शुद्ध देसी कुड़ी परिणीति ने अपने करियर की शुरुआत बतौर पीआर मैनेजर की थी। बॉलीवुड में करियर की शुरुआत परिणीति ने बतौर अभिनेत्री नहीं की थी, बल्कि शुरुआत में उन्होंने काफी हिट फिल्में जैसे 'बैंड बजा बारात' के लिए बतौर पीआर असिस्टेंट काम किया था। इसके बाद परिणीति ने बतौर सपोर्टिंग एक्टर 2011 में 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। उनके शानदार अभिनय की काफी सराहना हुई। इसके बाद परिणीति ने 'इश्कजादे' फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आईं थीं।

परिणीति चोपड़ा को है गाने का भी शौक

परिणीति ने अपने करियर में न सिर्फ अभिनय बल्कि संगीत में भी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने अपनी फिल्मों में कई बार गानों में अपनी आवाज दी है। उन्होंने 2017 में अपनी फिल्म 'मेरी प्यारी बिंदु' के टाइटल ट्रैक 'माना के हम यार नहीं' में अपनी आवाज दी थी। इसके बाद परिणीति ने 'तेरी मिट्टी', 'मतलबी यारियां' जैसे कई गानों में अपनी आवाज दी।

कितनी है परिणीति चोपड़ा की संपत्ति

परिणीति चोपड़ा की नेट वर्थ की बात करें तो वह 60 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं। उनकी आय का प्रमुख स्रोत फिल्में, रियलिटी शो और ब्रांड एंडोर्समेंट है। परिणीति चोपड़ा कई हर्बल स्किन और हेयर केयर ब्रांड को भी प्रमोट करती हैं। उन्हें कई विज्ञापनों में भी देखा जाता है। इसके अलावा वो कई तरह के सोशल वर्क में भी आगे रहती हैं।

आप नेता राघव चड्ढा से रचाया था ब्याह

परिणीति चोपड़ा ने आप पार्टी नेता और सांसद राघव चड्ढा को काफी समय तक डेट करने के बाद 13 मई 2023 में सगाई कर ली थी। उसी साल 24 सितंबर 2023 को दोनों ने उदयपुर में पारंपरिक रीति रिवाज से शादी कर ली थी। कपल अब एक साथ खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं।

इन फिल्मों से बनाई प्रशंसकों के दिलों में जगह

परिणीति चोपड़ा ने बॉलीवुड में 'शुद्ध देसी रोमांस','हंसी तो फंसी', 'जबरिया जोडी', 'मेरी प्यारी बिंदू' जैसी हिट फिल्में बॉलीवुड को दी हैं। परिणीति को उनकी फिल्मों में किए शानदार अभिनय के कारण प्रशंसकों का प्यार मिलता है। परिणीति चोपड़ा को इस साल आई फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में देखा गया था। फिल्म में उनके साथ दिलजीत दोसांझ नजर आए थे। अमर सिंह चमकीला का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था।

काजोल को पसंद है बगैर सोशल मीडिया की जिंदगी बोलीं- लोगों को लगता है कि वह कुछ भी बोल सकते हैं

काजोल और अजय देवगन बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक हैं। कपल की तरह उनके बच्चे भी काफी लोकप्रिय हैं। लाइमलाइट से दूर होने के बाद भी किसी न किसी इवेंट में काजोल अपने परिवार के साथ स्पॉट हो ही जाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी अपनी जिंदगी से जुड़ी जानकारियां अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब हाल ही में, एक साक्षात्कार में , अभिनेत्री ने सोशल मीडिया ट्रोलिंग की घटना और इस समस्या से निपटने के तरीके के बारे में बात की है।

हाल ही में एक साक्षात्कार में काजोल ने कहा, मैं आभारी हूं कि मैंने सोशल मीडिया के बिना पूरी जिंदगी जी है। मैं छह साल पहले ही सोशल मीडिया पर आई हूं। साथ ही, यह असल जीवन नहीं है। आप रेड कार्पेट पर मेरी तस्वीर देखेंगे, लेकिन आप यह नहीं देखेंगे कि मैं तैयार होने के लिए सुबह 5 बजे उठी, रात 11.30 बजे थकी हुई वापस आई और अगली सुबह, मैं काम पर वापस आ गई।

अभिनेत्री ने आगे कहा, आप बस इसका एक स्नैपशॉट देख रहे हैं। सच्चाई यह है कि हम भी बाकी लोगों की तरह ही कड़ी मेहनत करते हैं, हमारे अच्छे और बुरे दिन होते हैं, और फिर भी, जब आप पोस्ट करते हैं, तो आप मुस्कुराते हैं।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर जांच-पड़ताल और एक सार्वजनिक व्यक्ति होने का अपना स्थान है। काजोल ने कहा, मेरे पास इसे देखने का थोड़ा अलग तरीका है, जब लोग आपसे बहुत प्यार करते हैं, तो उन्हें यह भी लगता है कि उन्हें आपसे उतनी ही नफरत करने का अधिकार है। इसलिए, मैं यह नहीं कहूंगी कि वे सही हैं, लेकिन सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते हमें इससे निपटना पड़ता है। काजोल अगली बार दो पत्ती, महारानी और सरजमीन में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार द ट्रायल और नेटफ्लिक्स इंडिया पर एंथोलॉजी लस्ट स्टोरीज 2 के एक सेगमेंट में देखा गया था।

जवान और पठान से 'स्त्री 2' की तुलना पर बोलीं श्रद्धा कपूर, खुद को बताया शाहरुख खान का प्रशंसक

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने अपनी फिल्म 'स्त्री 2' की सक्सेस पर बात की है। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने शाहरुख खान की फिल्म पठान और जवान से ज्यादा कलेक्शन किया है। शाहरुख खान की फिल्म से भी ज्यादा कलेक्शन करने पर श्रद्धा कपूर ने कुछ बातें कही हैं। श्रद्धा फिल्म की सक्सेस से बहुत उत्साहित हैं। वह फिल्म का हिस्सा होने पर गर्व महसूस

करती हैं।

शाहरुख खान को लेकर कही ये बात

श्रद्धा कपूर ने जवान और पठान के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ 'स्त्री 2' को कंपेयर करते हुए कहा है। श्रद्धा ने कहा, मेरे पास सिनेमा की दुनिया के बहुत ही अच्छा नेतृत्व करने वाला इंसान है। शाहरुख खान, जिनकी मैं बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं इसलिए हम जहां से आते हैं, उन चीजों को अपने साथ रखते हैं।

प्रशंसकों का बहुत सारा प्यार मिला

श्रद्धा कपूर ने स्त्री 2 को लेकर कहा कि सच में फिल्म का हिस्सा बनकर वह बहुत खुश महसूस कर रही हैं। श्रद्धा ने कहा कि 'स्त्री 2' की सक्सेस को जो प्यार फिल्म को प्रशंसकों से मिला है, उसे प्यार पाकर मैं बहुत अभिभूत हूं। फिल्म की सक्सेस को लेकर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की है।

फिल्म की सक्सेस बॉलीवुड की ग्रोथ को दर्शाती है

श्रद्धा ने कहा फिल्मों की आपस में तुलना करना बहुत ही आसान है। कोई भी बॉलीवुड फिल्म जब अच्छा करती है तो ये हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छा माना जाता है। इसका मतलब किसी फिल्म को नीचा दिखाना नहीं बल्कि बॉलीवुड की सफलता को दिखाना होता है।

होने वाली बहू की मां से नहीं करनी चाहिए ये बातें

समधन बनने से पहले ही नजरों से जाएंगी उतर

भारत में होने वाली शादियां एक दिन में खत्म हो जाने वाला कोई प्रयोजन नहीं है बल्कि इसकी चमक दोनों घरों में हफ्ते भर पहले से शुरू हो जाती है। हां, वो बात अलग है कि शादी-ब्याह के रिचुअल्स के बीच कभी-कभार ऐसी बातें भी हो जाती हैं, जो दोनों समधन के बीच मन-मुटाव पैदा कर देती हैं।

किसी ने ठीक कहा है कि शादी लड़का-लड़की के लिए ही नहीं बल्कि उनके परिवार वालों के लिए भी बहुत ही खास पल होता है, जिसे आलीशान बनाने के लिए वो कोई कसर नहीं छोड़ते। एक तरफ जहां लड़की के मां-बाप ससुराल पक्ष को खुश करने के लिए कर्जे तक में डूब जाते हैं, तो वहीं अपनी बहू को जोरो-शोरों से घर लाने के लिए लड़के वाले भी किसी चीज में कोई कंजूसी नहीं करते।

हां, वो बात अलग है कि शादी करने और करवाने दोनों में ही सबसे ज्यादा धैर्य रखना पड़ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान रिश्ते बहुत नाजुक होते हैं। बहुत बार मन अनगिनत भावनाओं और फिजूल के ख्यालों से भर आता है। ऐसे में अगर लड़के वालों की तरफ से कोई शिकायत मिलती है, तो हजार चीजों के बीच लड़की वालों

की टेंशन बढ़ जाती है।

कहना गलत नहीं होगा कि इन बातों का ध्यान रखना लड़के की मां की जिम्मेदारी होती है। लेकिन कभी-कभार सब कुछ सही होने के बाद भी उन्हें चीजें पसंद नहीं आतीं, जिनकी वजह से दोनों समधन के बीच रिश्ता बनने से पहले ही बिगड़ जाता है और इसमें आग में घी डालने का काम ये बातें कर देती हैं।

इंतजाम तो अच्छा होगा ना

बहुत बार देखा गया है कि लड़के वाले इस चीज को लेकर लड़की वालों को शर्मिंदा करते हैं कि उनका इंतजाम कैसा होगा। वह अक्सर पूछते रहते हैं कि इंतजाम तो अच्छा होगा ना? हमारे बारातियों को खाना कम तो नहीं पड़ेगा? मिलाई सही से दे दोगे ना?

हालांकि, उन्हें समझना चाहिए अपनी बेटी की शादी में एक बाप अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च करता है। वह कभी नहीं चाहता कि उसकी बेटी की शादी में कोई कमी रहे। ऐसे में अगर आप बार-बार उनसे यह सवाल करेंगे, तो रिश्ते बनने से पहले ही बिगड़ जाएंगे।

सामान में क्या-क्या दे रहे हो

एक बाप जब अपनी बेटी घर से को विदा करता है, तो वह पूरी कोशिश करता है कि वह उसे वो सब कुछ दे, जिसकी उसे अपनी जिंदगी में जरूरत पड़ेगी। हां, बहुत बार होता है कि पैसों की कमी की वजह से वो इतना दान-दहेज नहीं दे पाता। ऐसे में बार-बार लड़की वालों से सामान की लिस्ट मांगकर उन्हें शर्मिंदा न करें।

लड़की को सब सिखाकर भेजना

शादी का रिश्ता पक्का होते ही दोनों परिवारों में मेलजोल और फ़ोन पर बात करने का सिलसिला शुरू हो जाता है। ऐसे में बार-बार लड़की की मां को यह कभी न कहें कि अपनी लड़की को सब सिखाकर भेजना। ऐसा इसलिए क्योंकि आपका ऐसा कहना उन्हें बुरा लग सकता है।

उन्हें अच्छे से पता है कि उनकी लड़की को क्या आता है क्या नहीं? वो जानती हैं कि वो नए घर में किस तरह एडजस्ट कर सकती है। ऐसे में अगर आप बार-बार उन्हें यह एहसास दिलाएंगी उसे कुछ नहीं आता, तो उन्हें अच्छा नहीं लगेगा।

हमने तो बेटी की शादी ऐसे की थी

विवाह के बंधन ने बंधने से पहले भी ऐसी बहुत सी रस्में होती हैं, जब लड़के वालों को गिफ्ट्स वगैरा दिए जाते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी समधन को बातों ही बातों में अपनी बेटी की शादी के किस्से सुनाने लगेंगी, तो उन्हें अच्छा नहीं लगेगा। उन्हें लगेगा आप उनसे साफ तौर पर नहीं कह रही हैं कि आपको इस शादी में क्या चाहिए।

ब्रेकअप के फायदे जान लिये तो रिश्ता तोड़ने का गम हो जाएगा कम

कहते हैं कोई रिश्ता जोड़ना जितना मुश्किल होता है उसे तोड़ना उतना ही मुश्किल होता है। लेकिन, ये सच नहीं है, रिश्ता टूटने का गम भी दिल को तोड़ देने वाला होता है। तभी तो लोग रिश्ता टूटने के ख्याल से भी डरते हैं। आपने कई लोगों को देखा होगा, जो ब्रेकअप के बाद बुरी तरह टूट जाते हैं और महीनों-सालों ब्रेकअप के दर्द से बाहर नहीं आ पाते। इस दर्द के ख्याल के चलते कई लोग एक टॉक्सिक रिश्ते में भी बंधे रहते हैं। ब्रेकअप का अनुभव जिंदगी के सबसे खराब अनुभवों में से एक होता है, लेकिन कई बार ये जरूरी हो जाता है। कम ही लोगों ने इस पर ध्यान दिया होगा कि ब्रेकअप के भी कुछ फायदे हैं। क्या हैं ब्रेकअप करने के फायदे, चलिए आपको बताते हैं।

लोगों की पहचान करना

ब्रेकअप का दर्द जितना दुखदायी होता है, इससे सीखे भी उतनी ही मिलती हैं। कहते हैं ना जिंदगी में कई बार ठोकर लगना भी जरूरी हो जाता है। ऐसे ही ब्रेकअप भी एक ठोकर जैसा ही है। अगर आप किसी टॉक्सिक रिश्ते में हैं और ऐसे शख्स से अपना रिश्ता खत्म करते हैं, जो आपके लिए सही नहीं है तो कहीं ना कहीं आपको लोगों की पहचान करना अपने आप आ जाता है। आपको इसके बाद ये तो पता चल

ही जाता है कि आप अपनी जिंदगी में कैसा शख्स चाहते हैं। ब्रेकअप के बाद आसानी से लोग आपका फायदा नहीं उठा पाते।

सबक सिखाने की कला

ब्रेकअप के बाद अक्सर लोग

अपनी जिंदगी में एक मंत्र को हमेशा के लिए अपना लेते हैं, वह है जैसे को तैसा। जब आप किसी रिश्ते में खामियों को नजरअंदाज करते हैं। अपनी नापसंदगी को भी जाहिर नहीं करते, इसके बाद भी आपका पार्टनर आपकी कद्र नहीं करता तो ऐसे शख्स से दूर होने के बाद आपके स्वभाव में भी काफी बदलाव आता है। जहां आप पहले लोगों को जवाब देने से कतराते थे, अब दूसरों की हरकत को समझकर उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दे सकते हैं।

खुद की अहमियत

रिलेशनशिप में होते हुए व्यक्ति अक्सर अपने आप को अहमियत देना कम कर देता है। कई बार आप पार्टनर और रिलेशनशिप की समस्याओं के लिए खुद को कोसते हैं। लेकिन, जब आप उस व्यक्ति से अलग हो जाते हैं तो आपको अपनी अहमियत का एहसास होता है। पता चलता है कि दूसरे लोग भी आपसे बहुत प्यार करते हैं। इससे आप भी अपनी अहमियत समझ जाते हैं। यानी आप खुद से प्यार करना सीखने लगते हैं।

आत्मविश्वास बढ़ता है

ब्रेकअप का दर्द दिल को झकझोर कर रख देने वाला होता है। लेकिन, कई बार ये आपको जीवन जीने की कला भी सिखा जाता है, जिससे आपको खुद के अंदर एक अलग आत्मविश्वास का अहसास होगा। आप जिंदगी अपने हिसाब से जीना शुरू कर देते हैं, आपको किसी दूसरे से राय लेने की जरूरत महसूस नहीं होती।

खूबसूरत और फिट दिखना

रिलेशनशिप में रहते हुए ज्यादातर लोग अपने पर ध्यान देना कम कर देते हैं। लेकिन, जब आप अकेले होते हैं तो खुद के स्वास्थ्य, खूबसूरती और फिटनेस पर भी ध्यान देने लगते हैं। क्योंकि, ब्रेकअप के बाद जिंदगी खत्म नहीं होती, बल्कि अब आप इत्मीनान से सोच सकते हैं कि आपको अपनी जिंदगी में कैसा शख्स चाहिए।

इसे 'अमृत फल' कहा जाता है, सफेद बालों की समस्या वाले कार्तिक में जरूर खाएं

हिंदू पंचांग में कार्तिक का महीना बेहद शुभ माना जाता है। इस महीने का एक खास फल है आंवला जिसे अमृत फल भी कहा जाता है। कार्तिक के महीने

में इस फल को खूब खाया जाता है। माना जाता है कि इस फल को इस पूरे महीने में खाने से आप कई प्रकार की बीमारियों से बच सकते हैं। खासकर इसलिए भी कि इस बदलते मौसम में लोग बीमार भी खूब पड़ते हैं। ऐसे में विटामिन सी से भरपूर इस फल को खाना सेहत के लिए हर प्रकार से फायदेमंद है। पर आज हम बात करेंगे सफेद बालों के लिए आंवला के फायदे। जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

सफेद बालों की समस्या से अगर आप परेशान हैं तो आंवला जरूर खाएं। दरअसल, ये फल बालों की रंगत बनाए रखने में मददगार है। इसके अलावा ये डैंड्रफ समेत बाल झड़ने की समस्या में भी कमी ला सकता है। लेकिन, सबसे ज्यादा ये सफेद बालों की समस्या वाले लोगों के लिए फायदेमंद है। क्योंकि आंवला मेलेनिन उत्पादन को बढ़ावा देता है।

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि आंवले में मौजूद पोषक तत्व बालों के रोम में मेलेनिन उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से सफेद बालों की समस्या में कमी आती है। इसके अलावा इसका विटामिन सी और आयरन सफेद बालों की समस्या को तेजी से कम करने में मददगार है।

आंवले से बालों को काला कैसे करें

बालों को काला करने के लिए आप आंवले का इस्तेमाल काफी व्यापक तरीके से कर सकते हैं। जैसे कि

-सबसे पहले तो आप रोज 1 आंवला खाना शुरू करें।

-आप आंवले को उबालकर इसका पानी बना सकते हैं और इसे अपने बालों में लगा सकते हैं।

-दूसरा आप आंवले को पीसकर इसे अपने बालों में लगा सकते हैं जिससे बालों की रंगत अच्छी होती है।

-आप आंवले का पाउडर बना लें और इसे दही में मिलाकर बालों में लगाएं।

कम पैसों में मिल जाएंगी सोने की ये चीजें धनतेरस पर बना लें खरीदने का प्लान

त्योहार का सीजन चल रहा है।

नवरात्रि, करवा चौथ के बाद अब धनतेरस का पर्व आने वाला है। बता दें कि हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाई जाती है। वहीं, इस साल यह खास तिथि 29 अक्टूबर, मंगलवार के दिन पड़ रही है यानी 29 अक्टूबर को धनतेरस का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में लोग इसे लेकर तमाम तैयारियों में जुट गए हैं।

गौरतलब है कि धनतेरस के मौके पर लोग कई चीजें खरीदते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धनतेरस पर किसी भी वस्तु की खरीदारी करने से धन में कई गुना अधिक वृद्धि होती है। इसमें भी खासकर सोना खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि, इस वक्त सोने के दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में अगर इस साल आपका बजट कुछ टाइट है, तो ये आर्टिकल आपके बड़े काम का साबित हो सकता है। यहां हम आपको सोने की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप कम पैसों में खरीद सकते हैं।

धनतेरस पर कम पैसों में खरीदें सोने की ये चीजें

नोज रिंग या नोज पिन

आप सोने की नोज रिंग या नोज पिन खरीद सकते हैं। ये आपको कम दामों पर मिल जाएगी। 22 कैरट की नोज रिंग आपको 5 हजार से लेकर 7 हजार तक के दाम पर मिल सकती है।

अंगूठी

धनतेरस पर आप सोने की अंगूठी खरीद सकते हैं। 18 कैरट की सोने की अंगूठी की शुरुआत मात्र 11 हजार रुपये से हो जाती है। ऐसे में आप अपनी जेब पर अधिक भार न डालते हुए सोने की अंगूठी खरीद सकते हैं।

सोने के पेंडेंट

18 कैरट का गोल्ड का पेंडेंट आपको 11 हजार रुपये के आसपास मिल सकता है। ऐसे में आप धनतेरस पर सोने का पेंडेंट खरीद सकते हैं।

सोने का सिक्का

इन सब से अलग आप धनतेरस पर अपने बजट के मुताबिक 18 या 22 कैरेट का सोने का सिक्का खरीद सकते हैं। इसके लिए आपको अलग से मेकिंग चार्ज देने की भी जरूरत नहीं पडेग़ी। इस तरह आप बिना अधिक पैसे खर्च किए धनतेरस पर सोना खरीद सकते हैं।

घी असली है या नकली? इन आसान तरीकों से घर पर ही करें इसकी शुद्धता की पहचान

घी खाना स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह सेहत के साथ-साथ स्किन और बालों के लिए भी रामबाण होता है। यही कारण है कि घरों में घी का उपयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को न्यूट्रिशन देते हैं।

मिलावटी घी पहुंचा सकता है नुकसान

देश में अभी त्योहारी सीजन का माहौल है, जिसके कारण इसकी खपत पहले से कई गुना और भी बढ़ जाती है। मार्केट में देशी घी के नाम पर फर्जी घी या यूं कहें कि मिलावटी घी धड़ल्ले से बिक रहा है। ऐसे में यह आपकी सेहत को फायदे की जगह नुकसान भी कर सकता है। हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जिसकी मदद से आप आसानी से पहचान कर सकते हैं कि पैकेट वाला घी असली है या नकली।

वाटर टेस्ट से करें घी की पहचान

आप वाटर टेस्ट से घी की पहचान आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको एक कप में पानी लेना होगा। अब आप इसमें एक चम्मच देसी घी को डाल कर सही से मिला लें। कप में घी ऊपर तैरने लगता है तो वह असली है, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है और वह नीचे जाकर बैठ जाता है तो वह नकली घी होगा। इसको खाने से बचना चाहिए, यह सेहत के लिए नुकसान साबित हो सकता है।

हाथ पर रख कर करें टेस्ट

असली और नकली घी को आप अपनी हथेलियों पर रख कर भी टेस्ट कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले आधा चम्मच घी को लेकर अपनी हथेली पर रख ले और करीब एक मिनट का इंतजार करें। अगर हथेली पर रखा घी पिघलने लगता है तो वह असली है, लेकिन अगर इसमें कोई बदलाव नहीं आया है तो यह नकली होगा।

रंग से करें पहचान

इस टेस्ट के लिए आप घी को किसी बर्तन में रख कर गर्म कर लें। इससे पहले घी का कलर देख लें। अगर गर्म करने के बाद घी के कलर में बदलाव आया हो तो वह नकली होगा। हालांकि, अगर घी पहले की ही तरह होगा तो वह असली घी है।

पनीर खीर बनाकर दिवाली पर मेहमानों का मुंह करें मीठा, उंगलियां चाटते रह जाएंगे लोग

दिवाली पर अगर आप चावल की खीर नहीं बनाना चाहते हैं, तो पनीर की खीर बनाकर लोगों का मुंह मीठा कर सकते हैं। पनीर की खीर ना सिर्फ स्वादिष्ट होती है बलकि हेल्दी भी मानी जाती है। यह 30 मिनट में बन कर तैयार हो जाएगी। यहां नोट करें इसकी आसान सी रेसिपी।

दिवाली का त्योहार हो और घर वालों के लिए कुछ मीठा ना बनाया जाए, भला ऐसा कैसे हो सकता है। चावल की खीर को खा कर अगर आप बोर हो चुके हैं तो इस खीर को ट्राय करना तो बनता ही है।

इस खीर को बनाने के लिए आपको खास सामग्रियों की भी जरूरत नहीं होती और इसे बनाना भी बेहद आसान है। यह पनीर को गाढ़े दूध में उबालकर बनती है। यह ना सिर्फ दिवाली बलकि कसी भी त्योहार में बनाकर सर्व की जा सकती है। यह खीर 4 लोगों के लिए बन कर तैयार होगी। इसे पकाने में आपको कुल 30 मिनट का समय लगेगा। यदि घर पर कोई डायबिटिक हो तो आप इसमें

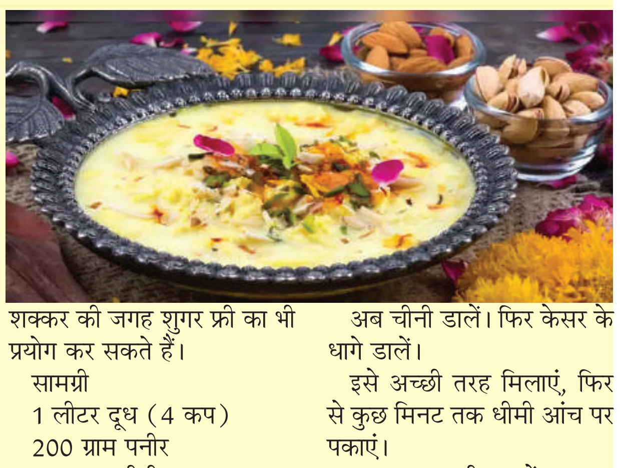

शक्कर की जगह शुगर फ्री का भी प्रयोग कर सकते हैं।

सामग्री

1 लीटर दूध (4 कप)

200 ग्राम पनीर

1/2 कप चीनी

10 केसर के धागे

1/2 चम्मच इलायची पाउडर

2 बड़े चम्मच कटे हुए मेवे

पनीर की खीर बनाने का तरीका

सबसे पहले पनीर को कद्दूकस करके अलग रख लें।

एक सॉस पैन में दूध डालें। केवल फुल क्रीम दूध का उपयोग करें।

दूध को उबाल कर धीमी आंच पर पकाएं।

इसे तब तक पकाएं जब तक कि यह लगभग आधा न रह जाए।

अब चीनी डालें। फिर केसर के धागे डालें।

इसे अच्छी तरह मिलाएं, फिर से कुछ मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं।

कसा हुआ पनीर डालें।

अच्छे से मिलाकर 2-3 मिनट तक पकाएं।

ऊपर से इलायची पाउडर और मेवे डालें।

अच्छी तरह मिलाएं और गैस को बंद कर दें।

आपकी पनीर खीर तैयार है। इसे ठंडा या गर्म परोसें।

यह खीर तभी स्वादिष्ट बनेगी जब आप इसमें फुल फैट वाला दूध प्रयोग करेंगे। आप चाहे तो गाय का दूध या पैकेट वाला दूध इस्तेमाल कर सकते हैं।

एडल्ट चाइल्ड से दोस्ती करना चाहते हैं, तो भूल जाएं अपनी कुछ सख्त आदतों को

जब बच्चे छोटे होते हैं तो पेरेंट्स को उन्हें संभालना या उन्हें बहला-फुसलाकर किसी बात को समझाना आसान होता है। वहीं जब बच्चे अपने उम्र के पड़ाव में आगे बढ़ते हैं, जैसे टीनेज और फिर एडल्टहुड, तो पेरेंट्स को काफी सोच-समझकर कदम रखना होता है। कई बार माता-पिता की कुछ बातें या आदतें बढ़ते बच्चे या एडल्ट्स को परेशान कर सकती हैं।

वहीं, कई बार अपने एडल्ट बच्चों की कुछ आदतों को देखते हुए माता-पिता भी उन्हें सलाह देना चाहते हैं। इसके अलावा, पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके इस नए पड़ाव में वो ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों के साथ वक्त बिताएं।

हालांकि, वे उनके स्पेस में किसी तरह का इंटरफेयर या उनके ऊपर हुक्म नहीं चलाना चाहते हैं। ऐसे में यह किसी मुश्किल टास्क से कम नहीं है। तो अगर अपने एडल्ट बच्चे के साथ अगर एक हेल्दी रिलेशनशिप और टाइम एन्जॉय करना चाहते हैं तो पेरेंट्स को अपनी कुछ बातों व आदतों का ध्यान रखना जरूरी है।

बच्चों के साथ मजबूत बॉनडिंग कैसे बनाएं

अपने आप से तुलना न करें

'हमारे जमाने में हम इतनी मेहनत से सब हासिल करते थे', 'हमारे टाइम में हम ऐसे सेविंग करते थे', कई पेरेंट्स को अपने बच्चे के साथ तुलना करते हुए देखा गया है। ऐसे में माता-पिता को इससे बचना चाहिए।

दरअसल, अपनी जिंदगी से तुलना करके आप उसके जीवन की सफलता या चुनौतियों को कहीं न कहीं नजरअंदाज कर रहे हैं। इससे उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँच सकती है। चुनौतियों का सामना करना हो या मेहनत करना आपके बच्चे भी उतना ही एफर्ट लगा रहे हैं। इसलिए उनकी इस कोशिश की प्रोत्साहना करें और उन्हें अच्छा महसूस कराएं।

किसी और से तुलना

जैसे पेरेंट्स का एडल्ट चाइल्ड का अपने आप से तुलना करना गलत है, वैसे ही किसी और से तुलना करना भी गलत है। हर किसी की अपनी खूबी और गुण है इसलिए अपने बच्चे की सफलता की तुलना किसी और की कामयाबी से न करें।

हो सकता है आप बार-बार दूसरों से अपने एडल्ट चाइल्ड की तुलना करके अनजाने में उन्हें डिमोटिवेट कर रहे हों। हर पर्सन की अपनी एक जर्नी होती है और उसमें उसे कई सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है इसलिए इस बात को समझें।

बार-बार सलाह देना

माता-पिता होने के नाते यह स्वाभाविक है कि आप अपने बच्चे को सही-गलत के बीच फर्क करना सिखाएं। लेकिन ध्यान रहे बार-बार उन्हें हर बता पर सलाह न दें। याद रखें वो अब एडल्ट हो चुके हैं और सपने फैसले लेने का उन्हें पूरा अधिकार है।

साथ ही यह जरूरी नहीं कि वो जो भी फैसला लें उसमें कुछ गलत हो या कमी हो। उन पर भरोसा दिखाएं और उन्हें हर छोटी बात पर सलाह देने से बचें।

उनकी ग्रोथ पर ध्यान न देना

बच्चे अगर कोई फैसला लेते हैं, कुछ अच्छा करते हैं तो उनके इस बात की सराहना करना जरूरी है। कई बार माता-पिता बच्चे के कॉलेज या काम में प्रमोशन को काफी हल्के में ले लेते हैं।

इसके अलावा, वे अपने टाइम हासिल किए गए तरक्की से तुरत तुलना कर देते हैं, जो कि सही नहीं है। अपने बच्चे के छोटी से छोटी कामयाबी पर ध्यान दें और उन्हें स्पेशल महसूस कराएं।

उनकी हॉबीज पर ध्यान दें

हर बच्चे की अपनी एक खूबी और गुण होते हैं। ऐसे में यह पेरेंट्स का फर्ज है कि वो अपने बच्चे के गुण को पहचानें। अगर आपको चेस पसंद है तो इसका मेलब यह नहीं कि आपका बच्चा भी चेस प्लेयर बनें, अपनी चॉइस को उन पर थोपने की गलती न करें।

अगर उन्हें बैडमिंटन या किसी अन्य एक्टिविटी पसंद है तो आप उन्हें उसके लिए वक्त निकालने के लिए इनकरेज करें।

एडल्टहुड एक बच्चे और पेरेंट्स दोनों के लिए ही कई साड़ी चुनौतियां और नई-नई जिज्ञासा लेकर आता है। ऐसे में यह पेरेंट्स का फर्ज है कि वो अपने एडल्ट चाइल्ड के साथ दोस्ती करें और उन्हें समझें। यह काफी सेंसिटिव वक्त होता है और इसलिए पेरेंट्स को भी अपने एडल्ट चाइल्ड के साथ काफी धैर्य से काम लेना चाहिए।

'भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में'

वित्त मंत्री ने अमेरिका में किया यह दावा

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व आर्थिक माहौल से जुड़ी चुनौतियां के बीच भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह दावा अपने अमेरिका दौरे पर किया है। न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, तो भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं व सेवाओं के स्रोतों में विविधता लाने के इच्छुक कई देशों के लिए प्रमुख साझेदार बनेगा। सीतारमण ने सोमवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में 'चुनौतीपूर्ण तथा अनिश्चित वैश्विक माहौल के बीच भारत की आर्थिक मजबूती व संभावनाएं' विषय पर विशेष व्याख्यान को संबंधित किया।उन्होंने कहा कि भारत घरेलू क्षमताओं को बढ़ाने तथा बाहरी झटकों के प्रति मजबूती विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। सीतारमण ने कहा, ''हालांकि पिछले दशकों में व्यापक बहुपक्षीय व्यापार के कारण वैश्विक वृद्धि हुई, लेकिन मेरा मानना है कि आने वाले वर्ष रणनीतिक आर्थिक साझेदारियों से परिभाषित होंगे और भारत इस बदलाव फायदा उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।''उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक वातावरण चुनौतियां पेश कर सकता है, लेकिन ''भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''अधिक विखंडित वैश्विक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना, जिसमें पुनर्परिभाषित गठबंधन तथा बदलते व्यापार तरीके शामिल हैं...वास्तव में भारत के लिए लाभकारी हो सकता है। जैसे-जैसे राष्ट्र अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन करते हैं, भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं व सेवाओं के अपने स्रोतों में विविधता लाने की चाह रखने वाले कई देशों के लिए एक प्रमुख भागीदार बन जाएगा।''भारत की आर्थिक नीतियों पर इस व्याख्यान का आयोजन कोलंबिया के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में दीपक एवं नीरा राज सेंटर द्वारा किया गया था। सीतारमण मैक्सिको की यात्रा संपन्न करने के बाद रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचीं। मैक्सिको में उन्होंने ग्वाडलजारा में टेक लीडर्स राउंडटेबल की अध्यक्षता की थी। मंत्री ने ग्वाडलजारा में टीसीएस मुख्यालय का दौरा भी किया था। न्यूयॉर्क में उन्होंने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में 'भारत में निवेश के अवसर' पर एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया। साथ ही आईबीएम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद कृष्ण के साथ उन्होंने भारत के दशकीय आर्थिक सुधारों तथा आर्थिक वृद्धि पर एक चर्चा में हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क से सीतारमण वाशिंगटन डीसी जाएंगी। वहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, जी-20 वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठकों, जी-20 एफएमसीबीजी, पर्यावरण मंत्रियों एवं विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक और जी-7 - अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।

सरकारी कंपनी का 40,000 करोड़ का टेंडर, सरकारी कंपनी की बोली और एल एंड टी ने मार ली बाजी

नई दिल्ली,22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी ने तीन कोयला आधारित बिजली संयंत्रों की स्थापना के लिए करीब 40,000 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला था। इसके लिए सरकारी कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भी टेंडर भरा था लेकिन प्राइवेट कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने उसे पछाड़ते हुए बाजी मार ली। यह थर्मल पावर सेक्टर में निजी क्षेत्र की रुचि के फिर से उभरने का संकेत है। अधिकारियों ने बताया कि एलएंडटी ने इन तीन परियोजनाओं की स्थापना के लिए 43,559.83 करोड़ की बोली लगाई है, जबकि बीएचईएल की बोली 45,325.31 करोड़ थी। एनटीपीसी के पिछली कुछ टेंडर्स में केवल सरकारी स्वामित्व वाली बीएचईएल की रुचि देखी गई थी लेकिन निजी कंपनियों ने इनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। सरकार ने हितधारकों के साथ विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा करने के बाद कुछ मानदंडों में ढील दे दी। सरकार देश के विकास को सपोर्ट देने के लिए ग्रीन एनर्जी पर ध्यान केंद्रित कर रही है लेकिन साथ ही थर्मल क्षमता को भी तेजी से बढ़ाना चाहती है। भारत की वर्तमान स्थापित थर्मल पावर उत्पादन क्षमता 217.5 गीगावाट है। बिजली मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार देश को 2031-32 तक अतिरिक्त 80 गीगावाट स्थापित थर्मल पावर क्षमता की आवश्यकता है। एनटीपीसी ने इस साल अगस्त में तीन सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स के लिए थोक निविदा के आधार पर बोलियां आमंत्रित की थीं। कुल मिलाकर, एनटीपीसी ने इस दौर में 6.4 गीगावाट अतिरिक्त कोयला आधारित बिजली उत्पादन क्षमता के लिए बोलियां आमंत्रित कीं। ये परियोजनाएं गाडरवारा एसटीपीपी चरण-II (मध्य प्रदेश में), तेलंगाना एसटीपीपी चरण-II और नबीनगर एसटीपीपी चरण-II (बिहार में) हैं। इसमें मुख्य संयंत्र पैकेज के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का काम शामिल है।

अडानी ने बिड़ला से जीती जंग

अब 8100 करोड़ में खरीदेंगे ये कंपनी

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)।गौतम अडानी की अडानी सीमेंट देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी से नंबर-1 बनने के लिए लगातार अपना विस्तार कर रही है। इस कड़ी में उसने देश की नंबर-1 सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक से एक बड़ी जंग जीती है और 8,100 करोड़ रुपए में एक बड़ी डील करने जा रही है। दरअसल सी।के। बिड़ला ग्रुप की एक सीमेंट कंपनी ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदने को लेकर अडानी ग्रुप की अंबुजा सीमेंट, आदित्य बिड़ला ग्रुप की अल्ट्राटेक सीमेंट और जेएसडब्ल्यू ग्रुप की जेएसडब्ल्यू सीमेंट, तीनों ही कंपनी कोशिश कर रहीं थीं। अब ये डील फाइनली अंबुजा सीमेंट के साथ होने जा रही है।

8,100 करोड़ रुपए की डील

अंबुजा सीमेंट अब ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड की 46.8 प्रतिशत हिस्सेदारी 8,100 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। इससे उसकी कुल उत्पादन क्षमता 2024-25 में 10 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुंच जाएगी। इससे इंडिया के सीमेंट मार्केट में अंबुजा सीमेंट की कुल हिस्सेदारी 2 प्रतिशत और बढ़ जाएगी। अंबुजा सीमेंट गौतम अडानी के सीमेंट कारोबार का हिस्सा है। अडानी सीमेंट में अंबुजा के अलावा एसीसी लिमिटेड भी शामिल है। इतना ही नहीं अंबुजा सीमेंट आने वाले 3 से 4 महीनों में ओरिएंट सीमेंट की 26 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए ओपन ऑफर लेकर आएगी। इस ओपन ऑफर में ओरिएंट सीमेंट के शेयर होल्डर्स को प्रति शेयर 395.40 रुपए का भाव दिया जाएगा।इस सौदे की आधिकारिक घोषणा के बाद सुबह के कारोबार में अंबुजा सीमेंट का शेयर 1.49 प्रतिशत चढ़ गया और ओरिएंट सीमेंट के शेयर प्राइस में 1.65 प्रतिशत की ग्रोथ देखी गई है।

खुद से जुटाया जाएगा पैसा

अडानी सीमेंट इस डील के लिए पैसे की व्यवस्था आंतरिक स्रोत से करती है। ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड के कारखाने की जो लोकेशन है, वहां हाई क्वालिटी का लाइम स्टोन रिजर्व है। इस अधिग्रहण के बाद अडानी सीमेंट की टोटल कैपेसिटी 1.66 करोड़ टन प्रति वर्ष बढ़ जाएगी। अडानी ग्रुप ने स्विट्जरलैंड की सीमेंट कंपनी होलसिम सीमेंट का इंडियन ऑपरेशन खरीदकर ही सीमेंट सेक्टर में एंट्री ली थी।होलसिम सीमेंट की अंबुजा सीमेंट और एसीसी लिमिटेड में हिस्सेदारी थी। अब इस सौदे के लिए अडानी ग्रुप ने कर्ज से पैसा जुटाया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-15 सूर्यास्त -17-45
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला मे	तुला--	05-50 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	वृश्चिक-	08-00 बजे
मंगल	कर्क मे	धनु----	10-13 बजे
बुध-	तुला मे	मकर...	12-19 बजे
गुरु-	वृष मे	कुंभ-	14-10 बजे
शुक्र-	वृश्चिक मे	मीन-	15-48 बजे
शनि-	कुंभ मे	मेष---	17-24 बजे
राहु-	मीन मे	वृष---	19-09 बजे
केतु-	कन्या मे	मिथुन	21-10 बजे
		कर्क--	23-21 बजे
		सिंह---	01-34 बजे
		कन्या--	03-41 बजे

दिशाशूल --उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 01-29 तक उपरान्त अष्टमी
मास - कार्तिक कृष्ण , बुधवार 23 October
नक्षत्र - पुनर्वसु 06-15 अहोरात्र उपरान्त पुष्य
योग - शिव 06-58 तक उप सिद्ध
करण- विष्टी 13-17 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल - 13-17

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:00 से 13:27 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:15 - 07:39	शुभ	उत्पात	17:45 - 19:21	अशुभ
अमृत	07:39 - 09:06	शुभ	शुभ.	19:21 - 20:54	शुभ
काल	09:06 - 10:33	अशुभ	अमृत	20:54 - 22:27	शुभ
शुभ.	10:33 - 12:00	शुभ	चंचल	22:27 - 00:00	शुभ
रोग	12:00 - 13:27	अशुभ	रोग	00:00 - 01:33	अशुभ
उत्पात	13:27 - 14:54	अशुभ	काल	01:33 - 03:07	अशुभ
चंचल	14:54 - 16:21	शुभ	लाभ	03:07 - 04:40	शुभ
लाभ	16:21 - 17:45	शुभ	उत्पात	04:40 - 06:15	अशुभ

सुप्रीम कोर्ट ने यूनिटेक के निदेशक मंडल को पुलिस सहायता लेने की दी अनुमति

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने यूनिटेक लिमिटेड में केंद्र की ओर से नियुक्त निदेशक मंडल को संकटग्रस्त रियल एस्टेट कंपनी की संपत्तियों पर तीसरे पक्ष की ओर से पैदा की जा रही ''बाधाओं'' से निपटने के लिए पुलिस सहायता लेने की मंगलवार को अनुमति दे दी। शीर्ष अदालत ने 20 जनवरी 2020 को यूनिटेक लिमिटेड के 12,000 से अधिक परेशान मकान खरीदारों को राहत देते हुए केंद्रीय कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को रियल एस्टेट कंपनी का '' संपूर्ण प्रबंधन नियंत्रण '' अपने हाथ में लेने की अनुमति दी थी। न्यायालय ने हरियाणा कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी युदवीर सिंह मलिक को कंपनी का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया था। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सरकार की ओर से नियुक्त निदेशक मंडल की अंतरिम याचिका पर मंगलवार को संज्ञान लिया। याचिका में कहा गया था कि रियल एस्टेट कंपनी को उसकी संपत्तियों तथा अन्य मामलों से प्रभावी ढंग से निपटने में तीसरे पक्ष की ओर से व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। पीठ ने आदेश में कहा, ''यह स्पष्ट किया गया है कि किसी तीसरे पक्ष द्वारा बाधा उत्पन्न किए जाने की स्थिति में, निदेशक मंडल पुलिस की सहायता ले सकता है।''

वंदे भारत ट्रेन पर फिर आई आफत !

कभी देरी से चल रही तो कभी कैंसिल हो रही, यात्रियों ने एक्स पर बयां किया दर्द

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। वंदे भारत ट्रेन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कभी ट्रेन को किसी रूट पर यात्री नहीं मिल रहे तो कभी इसमें खराबी की खबरें सामने आ रही हैं। ताजा मामला इस ट्रेन के देरी से चलने और कैंसिल होने का है। आम ट्रेनों के की तरह यह ट्रेन भी अब देरी से चलने के कारण चर्चाओं में आ गई है। स्थिति यह है कि इसे कैंसिल तक किया जा रहा है। इन दिनों दिल्ली-वाराणसी के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन चर्चा में है। यह ट्रेन देरी से चल रही है। दरअसल, प्रयागराज स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम हो रहा है। इसके चलते काफी ट्रेनों का डायवर्जन किया गया है। इसके चलते ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई घंटे की देरी से चल रही हैं। सोमवार को सुबह चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 14 घंटे की देरी से दिल्ली के लिए रवाना हुई। वहीं दिल्ली से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन 15 घंटे की देरी से चली।

दो दिन कैंसिल हुई ट्रेन

दिल्ली-वाराणसी के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन दो दिन कैंसिल रही। सोमवार को दोपहर 3 बजे वाराणसी से दिल्ली को जाने वाली 22435 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत को रद्द कर दिया गया था। वहीं आज यानी मंगलवार को दिल्ली से वाराणसी से लिए सुबह 6 बजे खुलने वाली 22435 वंदे भारत भी कैंसिल हो गई।

कैंसिलेशन ने बढ़ाई समस्या

वंदे भारत ट्रेन के कैंसिल होने से उन यात्रियों की समस्या बढ़ रही है जिन्होंने इसके लिए टिकट बुक करा रखी है। इस ट्रेन के कैंसिल होने से उनकी टिकट भी कैंसिल हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी है कि उन्हें अब किसी दूसरी ट्रेन में कंफर्म टिकट नहीं मिल रही है। सोशल मीडिया पर ऐसे यात्री अपना दर्द बयां कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर दर्द बयां कर रहे यात्री

ट्रेन के देरी से चलने और कैंसिल होने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यात्री अपना दर्द बयां कर रहे हैं। एक यात्री ने लिखा है कि उसकी वंदे भारत ट्रेन आंशिक रूप से रद्द कर दी गई है। यह ट्रेन लखनऊ में रात के एक बजे रद्द की गई है। यात्री ने लिखा है कि अब वह घर कैसे जाएगा। वही एक यात्री ने लिखा है कि उसकी ट्रेन वंदे भारत की वजह से देरी से चल रही है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अब आपका हर काम और पूरा ध्यान अपने करियर के लिए है । आप इस पर बिलकुल अपना पूरा ध्यान और समय लगा रहे हैं ।आपको थोड़ी सी राहत की जरुरत है और अच्छी बात यह है कि आप तब भी अपना लक्ष्य हासिल कर पायेंगे । अपने काम के जाल से बाहर निकलकर परिवार को भी समय दें ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें ।अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें ।आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज सावधान रहें ।आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता ।अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप एक आशावादी व्यक्ति हैं और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है । इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो । समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं ,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा ।अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है ।सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा ।वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा ।हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

78,232 के रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा सोना

इस साल अब तक 14,880 महंगा हुआ, चांदी भी 97,254 प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोना और चांदी आज यानी 22 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 18 रुपए बढ़कर 78,232 रुपए पर पहुंच गया। इससे एक दिन पहले इसके दाम 78,214 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में भी 381 रुपए की तेजी रही और यह 97,635 रुपए प्रति किलो के भाव से बिक रही है। इससे एक दिन पहले चांदी 97,254 रुपए पर थी। इसे पहले कल भी सोना और चांदी ने ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,790 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 73,000 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 73,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,690 रुपए है।

हैदराबाद : 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 73,000 रुपये और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,640 ररुपए है।

लोगों को खाना खिला-खिलाकर ज़ोमैटो ने बनाया रिकॉर्ड, 390% उछला मुनाफा

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो के प्रॉफिट में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। कंपनी का कंसोलिडेटेड प्रॉफिट जुलाई-सितंबर तिमाही में 389 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इसमें कंपनी के फूड डिलीवरी बिजनेस, क्विक कॉमर्स बिजनेस 'ब्लिंकइट' और सप्लाई चेन 'हाइपर श्योर' से होने वाली इनकम भी शामिल है।जोमेटो का प्रॉफिट 176 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि पिछले साल ये इसी अवधि में महज 36 करोड़ रुपए था। अगर कंपनी की इनकम की बात करें, तो ऑपरेशंस से उसकी इनकम में 68 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ये 4,799 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है।अगर अलग-अलग देखें तो जोमैटो के फूड डिलीवरी बिजनेस में ग्रोथ बनी हुई है और इसका मार्जिन भी पहले से बेहतर हुआ है। इतना ही नहीं कंपनी का 10 मिनट में डिलीवरी वाला क्विक कॉमर्स बिजनेस 'ब्लिंकइट' भी इस समय अच्छा परफॉर्म कर रहा है। इस बार इसका कारोबार ब्रेक-ईवन के करीब पहुंच गया है।

सरपट दौड़ रही देश की अर्थव्यवस्था, एनआरआई भी हुए खुश

5 महीने में जमा कर दिए 66 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सरपट दौड़ती अर्थव्यवस्था से प्रवासी भारतीय भी खुश हैं। शायद यही कारण है कि उन्होंने इस साल भारत में पैसा जमा या निवेश करने का नया रेकॉर्ड बना दिया। इस साल अप्रैल-अगस्त में एनआरआई ने विभिन्न स्कीमों में 7.8 बिलियन डॉलर (करीब 66 हजार करोड़ रुपये) की रकम जमा या निवेश की। यह एक साल पहले समान अवधि की तुलना में दोगुनी है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के अपने नए मंथली बुलेटिन में दी है। पिछले साल की समान अवधि (अप्रैल-अगस्त) में एनआरआई ने 3.7 बिलियन डॉलर की रकम जमा की थी। इस बार जमा रकम में डॉलर और रुपया दोनों में वृद्धि हुई है। एनआरआई ने यह रकम बैंक और निवेश की कई योजनओं में जमा की है। एनआरआई की ओर से जमा रकम में वृद्धि भारतीय बाजारों में हाई रिटर्न और मजबूत बुनियादी बातों को दर्शाती है।

कहां जमा की कितनी रकम ?

एनआरआई ने 7.8 बिलियन डॉलर की जो रकम जमा की है उसमें से 3.5 बिलियन डॉलर एफसीएनआर (बी) में जमा हुए। यह रकम डॉलर में जमा होती है। वहीं 2.5 बिलियन डॉलर एनआरई (आरए) में जमा हुए। यह रकम रुपये के रूप में जमा की जाती है। एनआरई (आरए) में रकम को निवेशक तब जमा करता है जब उसे भविष्य में रुपये के मजबूत होने की उम्मीद होती है। ऐसा इसलिए ताकि जब वह स्कीम मैच्योर हो जाए तो वह ज्यादा मात्रा में डॉलर घर वापस ले जा सकें। आमतौर पर ऐसी स्कीम एक से पांच साल की अवधि की होती हैं।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स 1000 और निफ्टी 330 अंक धड़ाम

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद अमंगल साबित हुआ है। विदेशी निवशकों की बिकवाली के चलते बाजार में हाहाकार मच गया। दिन के ट्रेड के दौरान सेंसेक्स ने 1000 और निफ्टी ने 330 अंकों का गोता लगा दिया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट की सुनामी देखने को मिली है। शेयर बाजार में आई इस गिरावट के चलते निवेशकों के 8.50 लाख करोड़ रुपये साफ हो गए। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 930 अंकों की गिरावट के साथ 80,220 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 310 अंकों की गिरावट के साथ 24,472 अंकों पर क्लोज हुआ है।

निवेशकों के 9 लाख करोड़ रुपये हवा में

भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट की आंधी के चलते निवेशकों को जोरदार नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 444.79 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले कारोबारी सत्र में 453.65 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों को 8.84 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। जबकि पिछले दो सेशन में निवेशकों को 14 लाख करोड़ रुपये साफ हो गए।

औंधे मुंह गिरे स्टॉक्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल एक शेयर तेजी के साथ बंद हुआ है जबकि 29 गिरकर क्लोज हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 3 तेजी के साथ और 47 गिरकर बंद हुए। तेजी वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक 0.74 फीसदी, नेस्ले 0.10 फीसदी, इंफोसिस 0.04 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि बीईएल 3.79 फईसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.63 फीसदी, कोल इंडिया 3.36 फीसदी, अडानी एंटरप्राइजेज 3.29 फीसदी, एसबीआई 2.97 फीसदी, पावर ग्रिड 2.79 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सभी सेक्टर्स के स्टॉक में गिरावट

बाजार में आज के ट्रेड में सभी सेक्टर्स में गिरावट देखने को मिली है। निफ्टी बैंक 705 अंक, निफ्टी एनर्जी 975 अंक गिरकर क्लोज हुआ है। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंमेटल्स, फार्मा, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो, ऑयल एंड गैस जैसे सभी सेक्टर्स के शेयर गिरकर बंद हुए। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1503 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 736 अंक गिरकर क्लोज हुआ है।

बाजार में इस गिरावट के चलते इंडिया विक्स 4.58 फीसदी के उछाल के साथ 14.39 के लेवल पर क्लोज हुआ है।

प्रोफेसर गैंग के हथियार सप्लायर को वीआईपी-ट्रीटमेंट

मेकाहारा में बिना हथकड़ी लोगों से मुलाकात, पुलिस की मौजूदगी में मिल रहा मोबाइल और मैगजीन

रायपुर, 22 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। रायपुर में हथियार सप्लाई करने वाले लोकेश अग्रवाल (सोनू) को न्यायिक हिरासत में वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। इस पर ड्रग्स सप्लायर प्रोफेसर गैंग को भी हथियार सप्लाई करने का आरोप है। आरोपी सांस की बीमारी बताकर 19 अक्टूबर से अंबेडकर (मेकाहारा) अस्पताल के वार्ड नंबर 8 में भर्ती है, जबकि जांच में जब सभी रिपोर्ट नॉर्मल आई है।

अस्पताल में लोकेश बिना हथकड़ी रिश्तेदारों के साथ मुलाकात करता है। पुलिसकर्मियों के सामने खुलेआम फोन पर बात करता है, जबकि उसकी निगरानी के लिए दो पुलिसकर्मी वार्ड के बाहर तैनात किए गए हैं, लेकिन आने-जाने वाले किसी की जांच नहीं होती। कैमरे से पूरी घटना को कैद किया है।

आरोपी लोकेश अग्रवाल को टिकरापारा और एसीसीयू की टीम ने 23 सितंबर को पकड़ा था। लोकेश पर प्रोफेसर गैंग के सदस्य शुभम को 1 लाख रुपए में पिस्टल बेचने का आरोप था। आरोपी शुभम को कस्टडी में लेने के दौरान पुलिस ने ड्रग्स के साथ पिस्टल भी बरामद किया था। पुलिस की पूछताछ में लोकेश अग्रवाल ने शुभम को पिस्टल देने की बात कही थी।

न्यायिक हिरासत में पुलिस ने जेल भेजा था

जेल के सूत्रों के अनुसार आरोपी ने 17-18 अक्टूबर को जेल प्रहरियों को पेट में दर्द होने की बात कही थी। जेल में देखने के बाद उसको 19 अक्टूबर को जेल अस्पताल से मेकाहारा लाया गया था।

मेकाहारा पहुंचते ही आरोपी सोनू ने डॉक्टरों से सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत की थी। सोनू की शिकायत के बाद डॉक्टरों ने बीपी, चेस्ट और ऑक्सीजन लेवल की जांच की थी। उसका बीपी 110, ऑक्सीजन लेवल 100 प्रतिशत है।

ये दोनों रिपोर्ट आने के बाद सोनू ने डॉक्टरों को लूज मोशन की शिकायत बताई, तो डॉक्टरों ने स्पॉरोलेक की गोलियां दी। दो दिन से इन्हीं शिकायतों के आधार पर मेकाहारा अस्पताल में वो

गोल घेरे में खड़ा आरोपी लोकेश अग्रवाल उर्फ सोनू है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद मीडिया के सामने पेश किया था

अपना इलाज करवा रहा है।

लोकेश के साथ दो दिन से लगातार उसके परिजन उसके साथ अस्पताल में मौजूद हैं। पुलिस की मौजूदगी में परिजन उसे खाना, मोबाइल, मैगजीन उपलब्ध करवा रहे हैं, लेकिन ड्यूटी में मौजूद पुलिसकर्मी सबकुछ देखकर अनजान बने बैठे हैं। वहीं अस्पताल प्रबंधन भी मामले पर बयान देने से बच रहा है।

जेल प्रहरी नहीं कर रहे प्रोटोकॉल का पालन

सोनू की निगरानी के लिए जेल प्रशासन ने दो पुलिसकर्मी लगाए है। इन कर्मियों को निर्देश है, कि बंदी को हथकड़ी लगाकर उसका इलाज करवाए। लेकिन सोनू के साथ आए पुलिसकर्मियों ने उसकी हथकड़ी खोल दी है। बिना हथकड़ी के सोनू खुलेआम वार्ड में घूम रहा है। पहले भी जेल से इलाज कराने या पेशी के दौरान कैदी प्रहरियों को चकमा देकर फरार हो चुके हैं, इन सबके बावजूद जेल प्रशासन की गाइड लाइन का प्रहरी उल्लंघन कर रहे हैं। 15 मई 2024 को प्रोफेसर गैंग के सरगना आयुष अग्रवाल को खम्हारडीह पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया था। आयुष के साथी कुसुम और महेश कस्टमर को ड्रग्स सप्लाई करने गए थे, इस दौरान दोनों पुलिस के हत्थे चढ़े थे।

पुलिस की कस्टडी में आने के बाद आरोपी कुसुम और महेश की निशानदेही पर पुलिस ने सरगना आयुष अग्रवाल उर्फ प्रोफेसर और महेश को पकड़ा था। सभी आरोपी अंग्रेजी वेब सीरीज मनी हाईस्ट के किरदारों पर अपना नाम रखकर कोड वर्ड के जरिए ड्रग्स की सप्लाई करते थे।

आरोपियों ने ड्रग्स सप्लाई करने के लिए ऑनलाइन ऐप और वेबसाइट बनाई थी। इन्हीं ऐप और वेबसाइट की मदद से वो अपने ग्राहकों से संपर्क करते थे और एडवांस पैसा लेकर लोगों को ड्रग्स और नशीली सामग्री मुहैया करवाते थे। इस सिंडिकेट के आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने अलग-अलग छह कार्रवाई की है। मामले में पुलिस की जांच अभी भी जारी है।

टेलीग्राम-सिग्नल ऐप से गैंग चलाता है लॉरेंस-बिश्नोई का करीबी

अमन साव जेल में बैठकर गुर्गों को डायरेक्शन देता था, फिर रिमांड लेगी रायपुर पुलिस

रायपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर अमन साव को रायपुर पुलिस फिर से रिमांड पर लेगी। अमन साव से पूछताछ की जा सके, इसके लिए कागजी कार्रवाई पुलिस कर रही है। तेलीबांधा पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में आवेदन लगाया है। जेल से ही गैंग ऑपरेट करने के कुछ इनपुट भी पुलिस के हाथ लगे हैं।

इनपुट के मुताबिक, जेल से ही गैंगस्टर अमन सोशल मीडिया ऐप के जरिए अपने गुर्गों को डायरेक्शन देता है। अमन पर झारखंड की जेल में बैठकर रायपुर के कारोबारियों पर भी गोली चलवाने का आरोप है। फिलहाल वह रायपुर सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में 28 अक्टूबर तक बंद है। गैंगस्टर अमन साव से पूछताछ करने वाले अधिकारियों ने बताया, कि आरोपी साव झारखंड जेल से गैंग के सदस्यों से बात करने के लिए टेलीग्राम, सिग्नल ऐप का इस्तेमाल करता था। वॉट्सऐप कॉलिंग का इस्तेमाल उसने बहुत कम किया है। बताया जा रहा है कि वारंट जारी होने के बाद पुलिस अमन साहू को रिमांड पर ले सकती है। अफसरों का कहना है, कि आरोपी से मिली सूचना के आधार पर तकनीकी जांच की गई जिसमें कुछ इनपुट मिले हैं। ये इनपुट आरोपी के खिलाफ साक्ष्य जुटाने में मददगार साबित होगा।

पुलिस की पूछताछ में गैंगस्टर ने बताया, कि उसकी गैंग में कई लोग ऐसे हैं, जो उसका चेहरा भी नहीं पहचानते थे। गिरफ्तारी से पहले वो अपना पूरा नेटवर्क फोन की मदद से चलाता था। उसके पकड़े जाने के बाद उसके निर्देश पर मयंक पूरा नेटवर्क चलाने लगा। अमन साव काम की जानकारी मयंक को देता था। मयंक मलेशिया से बैठकर गैंग के बाकी सदस्यों को काम की जानकारी देता था। गैंग के सदस्य, जो कई गुटों में हैं, वो सभी काम को उठाते थे और वारदात को अंजाम देते थे। जिस गैंग को काम मिलता था, उस गैंग का मुखिया सीधा मयंक को प्रोग्रेस रिपोर्ट देता था। मयंक फोन की मदद से उसकी जानकारी अमन को देता था। पुलिस की पूछताछ में गैंगस्टर अमन साव ने बताया, कि पीआरए ग्रुप से उसने दो प्रतिशत लेवी मांगी थी। पहले तो पीआरए ग्रुप के सदस्य लेवी देने के लिए तैयार नहीं हुए, लेकिन झारखंड में उनकी साइट पर गोली चलाने के कारण वो लेवी देने के लिए तैयार हो गए। पीआरए ग्रुप के सदस्यों की सूचना पर साव गैंग के गुर्गे पैसा लेने पहुंचे, तो एटीएस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस कांड के बाद अमन ने पीआरए ग्रुप के मालिक को डराने के लिए घायल करने का प्लान बनाया और इसी बीच उसका ट्रांसफर दूसरी जेल में कर दिया गया।

अमन, मलेशिया में बैठे मयंक को इस प्लान की जानकारी दे चुका थे, लेकिन झारखंड की गिरिडीह जेल से ट्रांसफर होने के कारण उनकी बातचीत नहीं हो पाई। अमन की बातचीत के बगैर पीआरए ग्रुप गोलीकांड हुआ, लेकिन पहले की सहमति होने के कारण अमन साव ने वारदात करवाने की बात कबूली है।

शावक की मौत पर हाथियों ने 10 घंटे रोकी ट्रेन

हावड़ा-मुंबई रूट पर पहुंचा 23 हाथियों का दल छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 16 ट्रेनें रोकी गईं

बिलासपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के चक्रधरपुर रेल मंडल के हावड़ा-मुंबई रूट पर बंडामुंडा स्टेशन के रेलवे ट्रैक पर 23 हाथियों का दल पहुंच गया, जिसका वीडियो सामने आया है। वहीं, मुंबई-हावड़ा रूट पर रेल यातायात करीब 10 घंटे तक बाधित रहा।

इससे छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 16 ट्रेनों को कई स्टेशनों पर रोकना पड़ा। दरअसल, हावड़ा-मुंबई रूट पर चक्रधरपुर रेल मंडल के बंडामुंडा स्टेशन (ओडिशा) के पास कुछ दिन पहले हाथी के शावक की मौत हो गई थी। इसलिए तलाश में रविवार रात को अचानक हाथियों का झुंड रेलवे पटरी पर आ गया। वो रेलवे ट्रैक पर घंटों तक जमे रहे, जिसके कारण सोमवार सुबह तक करीब 10 घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। इसकी जानकारी

मिलते ही रेलवे ने रविवार की रात ट्रेनों का परिचालन रोक दिया। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए संबंधित रेल मंडल ने ट्रेनों की गति को लेकर आदेश जारी किया। इसके तहत अप-डाउन दोनों दिशा की ट्रेनें इस सेक्शन से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। ऐसा हाथियों की सुरक्षा को देखते हुए किया गया था। तेज रफ्तार होने पर ट्रेनों को नियंत्रित कर पाना मुश्किल होता है। निर्धारित गति से चलने के दौरान अगर हाथी आ भी जाते हैं, तो आसानी से ट्रेनें रोकी जा सकती हैं। इस दौरान वन विभाग की टीम रेलवे ट्रैक के आसपास मौजूद रहे। एक सप्ताह पहले इसी जगह हाथियों के झुंड को मालगाड़ी ने टक्कर मार दी थी, जिसमें एक हाथी के शावक की मौत हो गई थी।

इस हादसे में हाथी का शावक घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। माना जा रहा है कि हाथियों का दल लापता शावक की तलाश में भटक रहा है। जिस जगह पर हादसा हुआ था, वहां हाथियों का दल बच्चे की तलाश में मंडरा रहा था। हालांकि, हाथी का शावक नहीं मिलने पर दल पूरी रात तालाश के बाद सुबह वहां से जंगल की तरफ निकल गया।

यात्री बस से मिला 15 लाख रुपए

अर्श नामक यात्री बस में बैग में था पैसा 500 और 100 के नोट में पूरी रकम

लातेहार, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची से गढ़वा जाने वाली अर्श नाम की यात्री बस से 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पैसे की बरामदगी लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में जांच अभियान के दौरान हुई। पूरी रकम 500 और 100 रुपए के नोट में है। यह पैसा किसका है, कहां से लाया जा रहा था और कहां पहुंचाना था, इसका खुलासा नहीं हो सका है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी सूचना दी गई है। पैसों की बरामदगी नियमित जांच के क्रम में हुई। पुलिस पैसे को जब्त कर बस यात्रियों और बस स्टाफ से पूछताछ की। वहीं बस को जब्त कर लिया गया है। बताया जाता है कि रांची से गढ़वा जाने वाली अर्श नामक यात्री बस की जांच की गई। इस दौरान बस से एक बैग की तलाशी ली गई। जिसमें भारी मात्रा में रुपए बरामद किया गया।

सूरजपुर डबल मर्डर-केस के बाद हटाए गए एसपी

मास्टरमाइंड कुलदीप साहू को संरक्षण देने के लगे थे आरोप, प्रशांत ठाकुर बने नए पुलिस अधीक्षक

सूरजपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या और बवाल के बाद एसपी एम.आर.अहिरे को हटा दिया गया है। उन्हें रायपुर में यातायात उप महानिरीक्षक बनाया गया है। उनकी जगह पर प्रशांत कुमार ठाकुर नए एसपी बनाए गए हैं। गृह विभाग ने देर रात आदेश जारी किया है। दरअसल, हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुलदीप साहू को 20 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन जिला दंडाधिकारी संजय अग्रवाल ने एक साल के लिए जिलाबदर किया था। इस दौरान वो पुलिस के संरक्षण में सूरजपुर में घूमता रहा। पुरानी बाजार कृषि मंडी रोड के दुर्गापूजा समिति का अध्यक्ष भी था। इसके कार्ड भी बांटे गए थे।

एसपी से लेकर टीआई स्तर तक के अधिकारी मुख्य आरोपी को संरक्षण देने के आरोपों से घिरे हैं। इसलिए सरगुजा आईजी अंकित गर्ग ने मुख्य आरोपी को

पुलिस संरक्षण देने की जांच के लिए अलग से जांच टीम बनाई है। आरोपी को धारा 188 के तहत गिरफ्तारी के बाद जमानत पर होने की जानकारी पुलिस ने दी थी। इन आरोपों के बाद अब एसपी पर गाज गिरी है। पुलिस ने मास्टरमाइंड कुलदीप साहू से पिस्टल बरामद कर लिया है। कुलदीप ने भागते हुए पुलिस पर 8 राउंड फायरिंग की थी। अफसरों की माने तो जल्द ही कुलदीप के अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया जाएगा। घर को ढहाकर पार्क बनाने की तैयारी है। कुलदीप साहू को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

तालिब शेख की मां मैमूना शमीम और बड़े भाई मोहम्मद आरिफ ने आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की। मां ने कहा कि, इस घटना से हम लोग टूट गए हैं। 15 दिन के अंदर फास्ट ट्रैक कोर्ट से फांसी की सजा मिलनी चाहिए। वहीं तालिब के बड़े भाई मोहम्मद आरिफ ने दोनों मृतकों को शहीद का दर्जा देने की मांग की है। दरअसल, 13 अक्टूबर की रात कुलदीप साहू ने 2 साथियों एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सीके चौधरी और रिंकू सिंह के साथ मिलकर हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की चाकुओं से हत्या कर दी थी। उनके शवों को आरोपियों ने कार में डालकर 5 किलोमीटर दूर खेत में फेंक दिया था। रविवार को संयुक्त पुलिस परिवार ने आरोपियों को फांसी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान आरोपियों के पुतलों को फांसी दी गई। उक्त मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर 15 दिनों में आरोपियों को फांसी देने की मांग संयुक्त पुलिस परिवार ने की।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो के बेटे ने पार्टी छोड़ी

मांडू से चुनाव लड़ना चाहते थे दुष्यंत पटेल आजसू खेमे में सीट जाने से कटा टिकट

मांडू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद खीरू महतो के पुत्र दुष्यंत पटेल ने मंगलवार को जदयू पार्टी छोड़ दिया है। दुष्यंत पटेल ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

दुष्यंत पटेल ने जदयू से मांडू विधानसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन एनडीए गठबंधन में यह सीट आजसू के खाते में चला गया। सीटों को लेकर जदयू के साथ तालमेल फिट नहीं होने के कारण दुष्यंत पटेल नाराज चल रहे थे। पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद दुष्यंत पटेल ने बताया कि मैं पिछली बार जदयू की टिकट से मांडू विधानसभा का चुनाव लड़ चुका था। इस बार भी उम्मीद थी कि पार्टी मुझे मांडू सीट से

उम्मीदवार बनाएगी। लेकिन पार्टी नेतृत्व ने गठबंधन धर्म के कारण मुझे जदयू ने उम्मीदवार नहीं बनाया। मैं लगातार क्षेत्र में जदयू पार्टी का मांडू विधानसभा प्रभारी के तौर पर जनता के बीच रहकर सेवा किया। उन्होंने बताया कि पार्टी से जुड़े लोग और समर्थकों ने मुझसे इच्छा जताई कि वह मांडू सीट से चुनाव लड़े। इसलिए मैंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

वहीं इस्तीफ़े के बाद मांडू सीट के लिए कई राजनीतिक दल की नज़र दुष्यंत पटेल पर है।

राज पालिवार का तीसरी बार कटा टिकट

मधुपुर से ही लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव, खुलासा जल्द, सोशल मीडिया पर साझा किया दर्द

देवघर/मधुपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी लिस्ट जारी कर दी है। मधुपुर सीट पर टिकट की आस लगाए पूर्व मंत्री राज पालिवार को फिर निराशा हाथ लगी है। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर अपना दर्द बयां किया है। वे भाजपा छोड़ सकते हैं। संभावना इस बात की जताई जा रही है कि पार्टी से बागी हो कर वह मधुपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं। कयास इस बात की भी है कि वे इसे जल्द ही खुलासा करेंगे।

मधुपुर के पूर्व विधायक राज पालिवार ने अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज से भाजपा का नाम भी हटा दिया है। अब उन्होंने सिर्फ पूर्व मंत्री झारखंड सरकार लिखा है। जबकि पहले उनके फेसबुक पर भाजपा लिखा हुआ था। उन्होंने अपने फेसबुक पर लिखा है कि झारखंड भाजपा को मधुपुर में उस कार्यकर्ता को टिकट देना चाहिए था, जिसने सालों से बिना किसी स्वार्थ के अपने खून-पसीने से पार्टी को सींचा है।

यह बेहद दुखद है कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ता की जगह एक धनवान व्यक्ति को चुना गया। टिकट न मिलने का व्यक्तिगत दर्द उतना नहीं, जितना यह देखकर पीड़ा होती है कि जिसने पार्टी के लिए सब कुछ त्याग दिया, उसे आज इस कदर नजरअंदाज किया गया। यह वास्तव में पार्टी के उस जमीनी कार्यकर्ता के लिए एक करारी चोट है, जो केवल सम्मान और पहचान का हकदार था।

राज पालिवार की इस नाराजगी का गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने जवाब दिया है। उन्होंने अपने फेसबुक पर लिखा है कि मोदी का विरोध करने वाला भाजपा में रहने लायक नहीं। भाजपा केंद्रीय ने झारखंड में काफी सूझ-बूझ से टिकट वितरण किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कार्यकर्ताओं से अपील भी की है। पोस्ट में लिखा है कि मेरा दोबारा भाजपा के कार्यकताओं व समर्थकों से आग्रह है कि सोशल मीडिया पर कोई निगेटिव कमेंट्स नहीं करें। पार्टी के कुछ लोग जो मोदी के चुनाव यानी लोकसभा चुनाव में खिलाफ थे। अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण वही अनर्गल बोल रहे हैं। जो मोदी का विरोध कर सकता है, वह भाजपा में रहने लायक नहीं है।

पहली बार 2005 में भाजपा की टिकट पर विधायक बने। फिर 2009 में टिकट मिली लेकिन हार गए। 2014 में टिकट मिला, चुनाव जीते और रघुवर सरकार में मंत्री थे। फिर 2019 में इनको टिकट नहीं मिला और इनकी जगह अभिषेक आनंद झा को दिया गया। यहां भाजपा हार गई। जेएमएम से हाजी हुसैन अंसारी जीते। बीच में इनका निधन हो गया तब मध्यावधि चुनाव हुआ। जिसमें फिर राज पालिवार को टिकट नहीं मिला।

कांग्रेस की पहली लिस्ट में 21 उम्मीदवार

रांची, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड चुनाव के लिए कांग्रेस ने पहली लिस्ट जारी कर दी है। इसमें 21 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। कांग्रेस ने जामताड़ा से इरफान अंसारी को टिकट दिया है। रामगढ़ से ममता देवी को उम्मीदवार बनाया है। हजारीबाग से मुन्ना सिंह, जमशेदपुर पूर्व से डॉक्टर अजय कुमार, हटिया से अजय नाथ सहदेव, सिमडेगा से भूषण बारा को टिकट मिला है। पार्टी ने 17 विधायकों में से 15 को फिर से टिकट दिया है। पाकुड़ के विधायक आलमगीर आलम और बरही विधायक उमाशंकर अकेला का नाम होल्ड पर रखा गया है। आलमगीर आलम जेल में हैं। उनकी जगह पत्नी या बेटे को टिकट मिलने की संभावना है। हालांकि, अकेला पर संशय बना हुआ है।

21 कैंडिडेट्स में 5 महिलाएं

पार्टी ने पांच महिलाओं को भी चुनाव मैदान में उतारा है। इनमें दीपिका पांडेय सिंह, अंबा प्रसाद साहू, ममता देवी, पूर्णिमा नीरज सिंह और शिल्पी नेहा तिर्की हैं। इनमें से चार पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस टिकट पर जीती थीं, जबकि शिल्पी उपचुनाव जीतकर विधायक बनी थीं। पार्टी ने हटिया से अजय नाथ शाहदेव और मांडू से जयप्रकाश भाई पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है। मांडू सीट पर झामुमो अड़ा हुआ था, लेकिन आखिरकार यह सीट कांग्रेस के खाते में गई। वहीं सजा पर रोक लगने के बाद ममता देवी को फिर से रामगढ़ से उतारा गया है। एक आपराधिक मामले में सजा मिलने के बाद ममता की विधायकी खत्म हो गई थी। सूत्रों के मुताबिक इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को 29 सीटें देने पर सहमति बनी है। इनमें पाकुड़, बरही, धनबाद, बोकारो, कांके, पांकी, डालटनगंज और विश्रामपुर सीटें शामिल हैं। हालांकि, सीट शेयरिंग की अधिकृत घोषणा नहीं हुई है। इसलिए कुछ सीटें बदल भी सकती हैं। झारखंड में 13 नवंबर को पहले चरण का मतदान होना है। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पहले चरण के लिए 25 अक्टूबर तक नामांकन प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद 28 अक्टूबर को पर्चे की स्क्रूटनी की जाएगी। 30 अक्टूबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। इसके लिए 30 अक्टूबर को पर्चे की स्क्रूटनी की जाएगी। 1 नवंबर तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकते हैं। 23 नवंबर को मतगणना होगी। झारखंड विधानसभा में 81 सीटें हैं। इनमें 44 अनारक्षित, 28 एसटी और 09 एससी के लिए सुरक्षित सीटें हैं। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार 15 अक्टूबर 2024 तक झारखंड में कुल 2.6 करोड़ मतदाता हैं। इनमें 1.29 करोड़ महिला और 1.31 करोड़ पुरुष हैं। इस चुनाव में 11.84 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे।

ढाई लाख के गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

पलामू के बिसफुटा और चियांकी में पुलिस की कार्रवाई, पुलिस कर रही तलाशी

पलामू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू पुलिस ने करीब ढाई लाख मूल्य के गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी शहर और सदर थाना पुलिस द्वारा बिसफुटा और चियांकी में किए गए कार्रवाई में हुई है। बिसफुटा के पास से पड़वा थानाक्षेत्र के कजरी निवासी आदित्य कुमार पासवान (22) को चार किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं चियांकी से सदर थाना पुलिस ने 350 ग्राम गांजा के साथ चियांकी के सत्यारी टोला निवासी नन्दकिशोर पांडेय (50) को पकड़ा गया।

सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि एसपी को बिसफुटा चौक के पास गांजा की खरीद - बिक्री के लिए तस्करों के आने की जानकारी मिली थी। प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम बिस्फुटा चौक के पास पहुंची तो पुलिस को देखकर तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल से भाग गए। वहीं भागने का प्रयास कर रहा आदित्य पासवान पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 4.115 किलो गांजा बरामद हुआ। गांजा तस्करी का मास्टर माइंड नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना का रहने वाला नीरज कुमार पासवान है। नीरज के साथ ही आदित्य था। जबकि तीन खरीदारों को नीरज ने बुलाया था।

फरार लोगों की हो रही पहचान

एसडीपीओ ने कहा कि फरार आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरे घटना में चियांकी में नन्दकिशोर पांडेय के होटल से 350 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस को होटल में गांजा बिक्री की जानकारी मिली थी। जिसपर छापेमारी की गई। आरोपियों के गिरफ्तारी में शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, सोनू कुमार चौधरी, अनिल कुमार सिंह सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

पीएम डिजिटल साक्षरता अभियान से प्रेरित होकर डिजिटल बस की शुरुआत

छह विकासखंडो में देगी सेवाएं

सूरजपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में सक्षम सूरजपुर अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन ने एक अभिनव पहल कर सूचना प्रौद्योगिकी व कंप्यूटर साक्षरता दर बढ़ाने हेतु डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) का इनदिनों दूरस्थ अंचल क्षेत्रो में संचालन करा रही है। 20 कंप्युटर से लैस यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन की ख़ासियत यह है कि ये लोगों के बीच पहुंचकर उन्हें कंप्यूटर और डिजिटल माध्यम से संबंधित बुनियादी शिक्षा से परिचित करवायेगी।

झामुमो में शामिल हुईं लुईस मरांडी, कुणाल और गणेश महली

बाटुल ने बीजेपी छोड़ी, मेनका सरदार को मीरा मुंडा ने मनाया, वापस लिया इस्तीफा

रांची, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा के 66 प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद अब नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश शुरू हो गई है। कुछ मान भी गए। जो नहीं माने उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। नाला से भाजपा के पूर्व विधायक सत्यानंद झा बाटुल और महेशपुर से टिकट की आस में रहे पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन ने सोमवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को अपना इस्तीफा सौंपा। झारखंड चुनाव में टिकट बंटवारे से नाराज पूर्व मंत्री लुईस मरांडी, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू सहित कई नेताओं ने भाजपा छोड़ दी। लुईस मरांडी, कुणाल षाड़ंगी और भाजपा नेता गणेश महली, लक्ष्मण टुडू बास्को बेसरा समेत कई नेता ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम ही लिया। वहीं भाजपा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय को मना लिया। पोटका से तीन बार की विधायक रही मेनका सरदार को पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की पत्नी और पोटका से बीजेपी प्रत्याशी मीरा मुंडा ने मना लिया है। लुईस मरांडी ने अपना इस्तीफा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को भेजा। लिखा-पार्टी ने मुझे जो भी जिम्मेदारी दी, उसका निर्वहन किया। 2014 के चुनाव में दुमका विधानसभा सीट से भाजपा को जीत दिलाकर इतिहास रचा। हेमंत को पराजित कर इस चुनाव में दुमका में भाजपा की नींव मजबूत की। पार्टी ने मुझे सरकार में मंत्री भी बनाया। लेकिन वर्तमान में मुझे महसूस हो रहा है कि पार्टी के निष्ठावान और समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार करने की साजिशें तेज हो गई हैं। लुईस जामा से चुनाव लड़ सकती हैं। बाटुल और मिस्त्री ने भाजपा के सिंबल पर 2019 में चुनाव लड़ा था। हार गए थे। लक्ष्मण टुडू 2014 में भाजपा से घाटशिला से जीते थे। अब बाटुल नाला से और मिस्त्री सोरेन महेशपुर से निर्दलीय लड़ेंगे। उधर, गिरिडीह सीट से चुनाव लड़ने को इच्छुक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र राय के रांची के हरमू स्थित आवास पर चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, हिमंता बिस्वा सरमा उनसे मिलने पहुंचे। आधे घंटे बात हुई। बाद में डॉ राय ने कहा कि अच्छी बातचीत हुई। अब कोई नाराजगी नहीं है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि हम दो जगह ही उलझे हैं, झामुमो तो सब जगह उलझी है। भाजपा से इस्तीफा देनेवाली पोटका विधानसभा की पूर्व विधायक मेनका सरदार ने सोमवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया।

ईरान के लिए जासूसी करने वाले 7 इजराइली गिरफ्तार

इनमें एक सैनिक, इन्होंने जिन जगहों की जानकारी भेजी, वहां हिजबुल्लाह ने हमले किए

तेल अवीव, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल में ईरान के लिए जासूसी करने के आरोप में 7 इजराइली नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन पर आरोप है कि उन्होंने ईरान के लिए 2 साल तक जासूसी की और उनके लिए सैकड़ों काम किए। इजराइल पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह सबसे गंभीर मामलों में से एक है। इसके लिए उन्हें मौत की सजा हो सकती है। ये सभी आरोपी हाइफा या फिर उत्तरी इजराइल के रहने वाले हैं। इसमें से एक सैनिक भी शामिल है, जो कुछ साल पहले सेना छोड़कर भाग गया था। इसके अलावा आरोपियों में 16-17 साल के 2 नाबालिग भी हैं। इनकी पहचान जाहिर नहीं की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने दो साल में करीब 600 मिशन पूरे किए। उनका कहना है कि आरोपी पैसे के लालच में ईरान के लिए खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहे थे। इन्होंने इजराइल के सैन्य ठिकानों से लेकर परमाणु हथियार, गोला-बारूद की जानकारी ईरान को दी है। इनकी दी गई जानकारी पर ईरान ने इजराइल में कई जगहों पर हमले भी किए।

आयरन डोम और परमाणु प्लांट की जानकारी जुटाई

संदिग्धों पर तेल अवीव में रक्षा मुख्यालय और नेवातिम और रमत डेविड एयरपोर्ट समेत आईएफडी ठिकानों की तस्वीरें लेने और जानकारी इकट्ठा करने का आरोप है। इन जगहों पर हिजबुल्लाह और ईरान हमले कर चुका है। नेवातिम बेस पर ईरान ने 1 अक्टूबर को दो मिसाइल दागी थीं। वही, रमत डेविड पर हिजबुल्लाह हमला कर चुका है। इजराइली चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक एक बार संदिग्धों ने गैलिली में गुब्बारे से मिलिट्री बेस के ठिकानों की तस्वीरें खीचीं थीं। इस जगह पर लगभग एक महीने बाद अक्टूबर की शुरुआत में हिजबुल्लाह का मिसाइल हमला हुआ था।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने आयरन डोम, पोर्ट्स, वायु सेना, जल सेना और हेडेरा पावर प्लांट जैसे जगहों की भी जानकारी जुटाई थी।

इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि हमने आरोपियों द्वारा ईरानी एजेंटों के लिए जुटाई गई चीजें जब्त कर ली हैं। इनमें तस्वीरें और वीडियो शामिल हैं। इजराइली पुलिस ने कहा कि सभी आरोपी 2 साल तक तुर्की के एक मीडिएटर के संपर्क में थे। उन्होंने सारी खुफिया जानकारी उसी के हवाले से ईरान तक पहुंचाई।

आरोपियों को पता था कि उन्होंने जो खुफिया जानकारी दी है, उससे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है और दुश्मन को मिसाइल हमलों में मदद मिल सकती है।

धान संग्रहण केंद्रों में हुए घोटाले को लेकर बस्तर कमिश्नर को राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगदलपुर में आज बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य सहित कॉंग्रेस पदाधिकारियों ने धान संग्रहण केंद्रों में हुए घोटाले की सूक्ष्मता से जांच करवाकर दोषियों पर कार्यवाही करने के लिए बस्तर कमिश्नर को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। शहर अध्यक्ष मौर्य ने बताया कि हमारे जिला बस्तर में स्थित 2 धान संग्रहण केन्द्र 1 बिरिंगपाल और 2 नियानार स्थित में है, इसमें उपार्जन वर्ष 2023-24 का धान की खरीदी केन्द्रो से जिले एवं आसपास के जिलों से प्राप्त धान को संग्रहित किया जाता है, मौखिक जानकारी के अनुसार केंद्रवार आंकड़ा, केंद्र का नाम 1 विरिंगपाल, आवक बोरा 1163585 जावक बोरा 85902 शेष बोरा मात्र 1077683 क्विंटल 431065 है, वही नियानार में आवक बोरा 805963 जावक बोरा 611033 शेष बोरा मात्र 194930 क्विंटल 77972 है, दोनों संग्रहण केंद्रो में दस्तावेज के आधार पर धान की उपलब्धता नहीं हैं क्योंकि बहुत अधिक मात्रा में घोटाला कर धान को नष्ट एवं चोरी किया जा चुका है।

एर्दोगन के रास्ते का आखिरी कांटा भी खत्म

फेथुल्लाह गुलेन की मौत से खुश क्यों हैं तुर्की के नए 'खलीफा'

अंकारा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। तुर्की के मौलवी फेथुल्लाह गुलेन का 83 वर्ष की उम्र में अमेरिका में निधन हो गया। फेथुल्लाह गुलेन को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का कट्टर प्रतिद्वंदी भी माना जाता था। एर्दोगन ने गुलेन पर 2016 में एक घातक असफल तख्तापलट के प्रयास का आरोप लगाया था। बाद में तुर्की की अदालत ने भी फेथुल्लाह को तख्तापलट की कोशिश का दोषी बताया, हालांकि उन्होंने हमेशा ऐसे आरोपों से इनकार किया था। अमेरिका में रहने वाले मौलवी की मृत्यु की घोषणा सोमवार को गुलेन से जुड़े एक समाचार आउटलेट हरकुल नागमे ने की। ऐसा माना जा रहा है कि गुलेन की मौत का सबसे ज्यादा फायदा राष्ट्रपति एर्दोगन को होगा। हरकुल नागमे ने एक्स (ट्विटर) पर बयान जारी कर कहा, हमारे धार्मिक नेता महान फेथुल्लाह गुलेन जिन्होंने अपना जीवन इस्लाम और मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया, अपनी अंतिम यात्रा पर चले गए।

ऑस्ट्रेलिया की संसद में किंग चार्ल्स के खिलाफ नारेबाजी

सांसद बोलीं- आप राजा नहीं हमारे लोगों के हत्यारे

ब्रिटेन का किंग बनने के बाद पहला विदेशी दौरा

कैनबरा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स का विरोध का सामना करना पड़ा है। किंग चार्ल्स सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई संसद में भाषण देने पहुंचे थे। इस दौरान एक मूलनिवासी सीनेटर ने उनके विरोध में नारे लगाते हुए कहा कि आप हमारे राजा नहीं है। सीनेटर लीडिया थॉर्प ने कहा, आप हत्यारे हैं आपने हमारे लोगों का नरसंहार किया है। इस दौरान लीडिया ने किंग चार्ल्स से मूलनिवासियों को उनकी जमीनें, पूर्वजों की अस्थियां और कलाकृतियों को वापस लौटाने को कहा। लीडिया ने नारेबाजी करते हुए कहा कि ब्रिटिश साम्राज्य ने उनकी जमीन को बर्बाद कर दिया है।

किंग चार्ल्स के विरोध में उतरी लीडिया पारंपरिक कपड़े पहनकर संसद पहुंची थी। नारेबाजी के बाद सुरक्षा अधिकारी उन्हें संसद से बाहर ले गए। संसद के बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान लीडिया ने कहा कि जब तक किंग ऑस्ट्रेलिया के औपचारिक प्रमुख बने हुए हैं, हम ब्रिटिश साम्राज्य का विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे देश का राजा हमें आदेश नहीं दे सकता है। लीडिया थॉर्प, ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य से स्वतंत्र सीsनेटर हैं। वे ब्रिटिश राजतंत्र के खिलाफ मुखर रहने के लिए जानती जाती हैं।

2022 में सीनेटर के तौर पर शपथ लेने के दौरान उन्होंने ब्रिटिश किंग को उपनिवेशवादी महामहिम कहकर संबोधित किया था। इसके बाद उनसे दोबारा शपथ लेने के लिए कहा गया था। किंग चार्ल्स कैंसर से ठीक होने के बाद पहली बार विदेशी दौरे पर हैं। इस दौरे पर उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी साथ पहुंची है।

ऑस्ट्रेलिया को 1986 में आजादी मिल गई थी। लेकिन वहां अभी भी संवैधानिक तौर पर राजशाही है। ऑस्ट्रेलिया में ब्रिटिश राजा को औपचारिक रूप से देश का प्रमुख माना जाता है। हालाँकि, 1999 के जनमत संग्रह में ऑस्ट्रेलियाई जनता ने ऑस्ट्रलिया को ब्रिटिश साम्राज्य का डोमेनियन स्टेट बनाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया था। 2022 में क्वीन एलिज़ाबेथ II के निधन के बाद ब्रिटिश साम्राज्य से सम्बन्ध खत्म करने की बहस ने फिर से जोर पकड़ा है।

विस्फोट के संदिग्ध रिपुदमन सिंह की हत्या में दो लोग दोषी करार

परिवार बोला- न्याय अभी अधूरा

ओटावा, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 1985 के एयर इंडिया बम विस्फोट मामले में बरी किए गए संदिग्ध रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के मामले में दो आरोपियों को कनाडा की अदालत ने दोषी करार दिया है। टैनर फोक्स और जोस लोपेज को ब्रिटिश कोलंबिया की अदालत ने रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के मामले में दूसरी डिग्री की हत्या का दोषी करार दिया। रिपुमदन को 14 जुलाई 2022 को सरे में उनके व्यवसायिक प्रतिष्ठान के बाहर कई गोलियां मारी गईं थी। साल 1985 के एयर इंडिया विमान विस्फोट मामले में रिपुदमन सिंह और अजैब सिंह बागरी को साल 2005 में बरी कर दिया गया था। एयर इंडिया कनिष्क विस्फोट मामले में 329 लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अदालत ने माना कि दोनों दोषियों को मलिक की हत्या के लिए पैसे दिए गए थे। सुनवाई के दौरान दोषियों को वकील ने दोनों की युवावस्था को देखते हुए कम कड़ी सजा देने की अपील की। अब अदालत 31 अक्तूबर को मामले पर फिर सुनवाई करेगी, जिसमें दोनों दोषियों की सजा का एलान किया जाएगा। वहीं रिपुदमन सिंह के परिवार ने दोषियों को सजा मिलने पर खुशी जताई और कहा कि 'हम आभारी हैं कि शूटर्स को न्याय के कटघरे में लाया गया है, लेकिन परिवार के सदस्य को खोने का दर्द कोई नहीं मिटा सकता।' रिपुदमन सिंह मलिक के परिवार ने कहा कि 'हालांकि अभी काम पूरा नहीं हुआ है। इस हत्या को अंजाम देने के लिए टेनर फॉक्स और जोस लोपेज को काम पर रखा गया था। जब तक उन्हें काम पर रखने और इस हत्या की योजना बनाने के जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता, तब तक काम अधूरा रहेगा।' साल 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट में हुआ बम विस्फोट कनाडा के इतिहास और एयरलाइंस के इतिहास के सबसे भयानक आतंकी हमलों में से एक है। 23 जून, 1985 को, एयर इंडिया की फ्लाइट 182 में 268 कनाडाई नागरिक और 24 भारतीय नागरिकों सहित कुल 329 लोग सवार थे। इस फ्लाइट ने टोरंटो से उड़ान भरी और मॉन्ट्रियल में रुकी, जहां से यह लंदन और फिर अपने अंतिम गंतव्य स्थान मुंबई पहुंचने वाली थी।

ट्रंप का समर्थन कर रहे तीन भारतीय-अमेरिकी नेताओं का हैरिस पर हमला

कहा- उन्हें विदेश नीति का अनुभव नहीं

वॉशिंगटन, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी गलियारों में हलचल मची हुई है। अब चुनाव होने में एक महीने से भी कम का समय रह गया है। डेमोक्रेटिक की ओर से कमला हैरिस और रिपब्लिकन ने डोनाल्ड ट्रंप को चुनावी मैदान में उतारा है। दोनों ही जीत के लिए अपनी पुरजोर ताकत लगा रहे हैं। अब उपराष्ट्रपति रिपब्लिकन के तीन भारतीय-अमेरिकी नेताओं के निशाने पर आ गई हैं। उन्होंने आव्रजन एवं विदेश नीतियों में कथित रूप से खामियों को लेकर हैरिस की आलोचना की। 1.2 करोड़ अवैध प्रवासियों को स्वास्थ्य सेवा देंगी हैरिसः जिंदल

सोशल मीडिया पर विज्ञापन के रूप में चलाए जा रहे लुइसियाना के पूर्व गवर्नर बॉबी जिंदल ने एक वीडियो में दावा किया कि हैरिस की दवाओं से जुड़ी योजना 1.2 करोड़ अवैध प्रवासियों को 'गोल्ड प्लेटेड' स्वास्थ्य सेवा देगी। इससे अमेरिका में बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी आएंगे। अपने परिवारों और दोस्तों को झूठ के झांसे में नहीं फंसने दें। बता दें, जिंदल का यह वीडियो राजनीतिक मामलों पर कार्रवाई करने वाली समिति अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट की ओर से जारी किया गया है। 53 साल के जिंदल साल 2008 से 2016 तक लुइसियाना के गवर्नर रहे। 2016 में उन्होंने रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई थी। शुरुआत में ट्रंप के प्रचार अभियान में कम भागीदारी करने और दूसरी तरफ रहने के बाद जिंदल अब पूर्व राष्ट्रपति की नीतियों का समर्थन करने के लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं। जिंदल के अलावा दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली और उद्योगपति से नेता बने विवेक रामास्वामी भी राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव मैदान में उतरे थे। हालांकि अब तीनों ही ट्रंप का समर्थन किया है। रामास्वामी ट्रंप के करीबी विश्वासपात्र के तौर पर उभरे हैं और उनके पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। हेली ने सोमवार को कहा, 'जब मैं मुद्दों और दोनों उम्मीदवारों के बीच मतभेदों को देखती हूं तो इसमें कोई सवाल ही नहीं उठता कि मैं डोनाल्ड ट्रंप को यह चुनाव जीतते देखना चाहती हूं। हम कमला हैरिस और टिम वाल्ज को नहीं जीता सकते।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मार गिराए 5 नक्सली

जंगल में विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने की रच रहे थे साजिश, एक जवान घायल

बीजापुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने 5 नक्सलियों को मार गिराया है। सोमवार को गढ़चिरौली इलाके के भामरागढ़ तहसील में सी60 कमांडो की 22 यूनिट और क्यूएटी की 2 यूनिट सर्चिंग में निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। इसमें एक जवान भी घायल हुआ है। दरअसल, गोपनीय सूत्रों से जानकारी मिली थी कि, कई नक्सली कोपरशी तालुका भामरागढ़ वन क्षेत्र में छिपे हुए हैं। वे आगामी विधानसभा को प्रभावित करने की साजिश रच रहे हैं। जैसे ही वे जंगल क्षेत्र में सुरक्षाबल पहुंचे तो नक्सलियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस टीम ने नक्सलियों से हथियार छोड़ने और आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन वे फायरिंग करते रहे। इसके बाद फायरिंग का जवाब देते हुए 5 नक्सलियों को मार गिराया।

इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

2 दिन पहले नारायणपुर में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से आईटीबीपी के 2 जवान शहीद हुए थे। वहीं नारायणपुर पुलिस के 2 जवान घायल हुए। घायलों को मौके से निकालकर एयरलिफ्ट किया गया। दोनों शहीद जवान आंध्र-प्रदेश और महाराष्ट्र के रहने वाले थे।

नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले के ही थुलथुली गांव में 3 अक्टूबर को मुठभेड़ हुई थी। इस एनकाउंटर में 38 नक्सली मारे गए थे। सभी 38 नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। इन पर 2 करोड़ 62 लाख का इनाम घोषित था। वहीं मारे गए नक्सलियों पर 250 से ज्यादा अपराध भी दर्ज थे। इनमें सिर्फ महिला कमांडर नीति उर्फ उर्मिला के खिलाफ ही अलग-अलग जिलों में 60 केस हैं। पुलिस-नक्सली मुठभेड़-20, कैंप अटैक-2, आईईडी ब्लास्ट-6, आगजनी-3 केस इस तरह कई नक्सल घटनाओं में वह शामिल थी।

कश्मीर हमले का चश्मदीद बोला- दो आतंकी शॉल ओढ़कर आए

मेस में खाना खा रहे मजदूरों को मारा, 40 संदिग्ध हिरासत में लिए गए

श्रीनगर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में 20 अक्टूबर को हुए आतंकी हमले का चश्मदीद सामने आया है। चश्मदीद ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को बताया कि गांदरबल के गगनगीर में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट के पास मजदूरों के रहने के लिए कैंप बनाया गया था। इसी कैंप में 2 आतंकी शॉल ओढ़कर आए थे। उन्होंने हथियार छिपा रखे थे। कैंप के मेस में मजदूर खाना खा रहे थे, तभी आतंकी वहां पहुंचे और उन्होंने मजदूरों पर फायरिंग की। आतंकियों ने मेस के अलावा 2 और जगहों पर फायरिंग की। सूत्रों ने बताया कि कंस्ट्रक्शन कंपनी की खुद की सिक्योरिटी भी थी। साइट से 300 मीटर दूर सीआरपीएफ कैंप भी है। इसके बावजूद आतंकियों ने हमला किया। वहीं, गांदरबल आतंकी हमले की जांच जारी है। पुलिस-सुरक्षाबलों ने 40 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सोनमर्ग से सटे इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रह है। 20 अक्टूबर की रात हुए हमले में कश्मीर के डॉक्टर, एमपी के इंजीनियर और पंजाब-बिहार के 5 मजदूरों की जान गई थी। इसकी जिम्मेदारी लश्कर के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि हमले के दौरान अंधेरा हो गया था। हमने लगातार गोलियों की आवाज सुनी। हमें लगा कि ये पटाखे हैं, क्योंकि 100 मीटर की दूरी पर एक शादी समारोह चल रहा था। अचानक हमने देखा कि प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड कैंप से निकलकर बाहर आ रहे थे। उन्होंने हमें बताया कि हमला हुआ है।

हमले के दौरान पावर कट पर 2 दावे

पहला: इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि कैंप में पावर सप्लाई को लेकर 2 बातें सामने आ रही हैं। मजदूरों के एक गुट ने बताया कि आतंकियों ने हमले से पहले बिजली काट दी थी।

दूसरा: दूसरे गुट का कहना है कि कुछ मजदूरों ने खुद ही बिजली काट दी थी, ताकि आतंकियों को हमला करने में दिक्कतों का सामना करना पड़े। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों ने हमले की योजना बहुत सोच-समझकर बनाई थी। टेरर हेल्प नेटवर्क के सपोर्ट से वे इस हमले को अंजाम दे पाए। जम्मू-कश्मीर पुलिस के सीनियर अधिकारी ने कहा कि हम आतंकवादियों को जल्द से जल्द पकड़ लेंगे। हमने पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है, लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया। सोनमर्ग से सटे इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। एनआईए, आर्मी, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीमें पूरे इलाके की तलाश में जुटे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक आतंकियों के इलाके के बारे में पहले से जानकारी थी। ऐसा लग रहा है कि उनमें से कुछ पहले यहां काम कर चुके थे या उन्हें लोकल लोगों से जानकारी मिली होगी।

हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना से इतना चिढ़ा क्यों है इजरायल?

गेट के बाद अब वॉच टावर उड़ाया

तेल अवीव, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों ने कहा है कि इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में उनके एक ठिकाने को जानबूझकर क्षतिग्रस्त कर दिया है। यह घटना तब सामने आई है, जब कुछ दिनों पहले ही इजरायली सेना ने शांति सेना के मेन गेट को उड़ा दिया था और सैनिकों के बैरक में आंसू गैस के गोले दागे थे। इन हमलों में कई सैनिकों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ गई थी। शांति सैनिक दशकों से इजरायल-लेबनान सीमा पर तैनात हैं।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बलों (यूएनआईएफआईएल) ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी लेबनान में एक इजराइली सेना के बुलडोजर ने जानबूझकर एक निगरानी टावर और संयुक्त राष्ट्र के एक ठिकाने की बाड़ को ध्वस्त कर दिया। साथ ही यह भी कहा कि दबाव डाले जाने के बावजूद उसके बल सभी ठिकानों पर बने हुए हैं।

बयान में कहा गया है, हम इजरायली बलों और सभी अभिनेताओं को संयुक्त राष्ट्र कर्मियों और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और हर समय संयुक्त राष्ट्र परिसर की अखंडता का सम्मान करने के उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। इसने इजराइल से संयुक्त राष्ट्र के ठिकानों का उल्लंघन करना बंद करने का आह्वान किया, जिसे अंतर्राष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन माना जाता है।

इजरायल ने हाल ही में दावा किया था कि लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की चौकियों के नजदीक स्थित ठिकानों से इजरायल पर हमला कर रहा था, हालांकि हिजबुल्लाह ने इन आरोपों को नकार दिया है। बुधवार को, यूनिफिल ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में उसके एक निगरानी टावर पर एक इजरायली टैंक ने गोलीबारी की थी।

यह तब हुआ जब लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर कई दिनों पहले कई बार गोलीबारी की गई थी, जिसमें कम से कम चार सैनिक घायल हो गए थे। पिछले हफ्ते यूनिफिल ने कहा था कि दो इजरायली टैंकों ने दक्षिणी लेबनान में उसके एक ठिकाने के मुख्य द्वार को नष्ट कर दिया और जबरदस्ती उस ठिकाने में घुस गए।

अक्टूबर की शुरुआत में दक्षिणी लेबनान में जमीनी घुसपैठ शुरू करने के बाद से इजरायल ने यूनिफिल के कई अग्रिम मोर्चे के ठिकानों पर गोलीबारी की है, जिसमें दावा किया गया है कि इसका उद्देश्य हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है, जो एक ईरानी समर्थित लेबनानी समूह है जो गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता में इजरायल पर गोलीबारी कर रहा है।

पिछले सप्ताह, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से यूनिफिल सैनिकों को युद्ध क्षेत्रों से बाहर निकालने की मांग करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी उपस्थिति हिजबुल्लाह के लिए मानव ढाल प्रदान कर रही है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि मिशन-जिसमें 50 देशों के सदस्य हैं-कहीं नहीं जा रहा है।

लाहौर दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर

वायु गुणवत्ता 400 के करीब, क्या प्रयास कर रही सरकार?

लाहौर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान का लाहौर शहर दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर है, जानकारी के अनुसार शहर की वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के करीब (अभी 394) है। हालांकि पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने स्मॉग के प्रभाव को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश की योजना बनाई है। इस मामले में पंजाब के सूचना मंत्री आजमा बोखारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, कल लाहौर को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर घोषित किया गया था। हमने इस मामले को सुलझाने के लिए कई पहल की हैं और अब हम शहर में कृत्रिम बारिश की योजना बना रहे हैं। वहीं मरियम नवाज की पंजाब सरकार ने 'एंटी-स्मॉग स्क्वॉड' भी लॉन्च किया है, जो स्मॉग प्रभावित इलाकों का दौरा करेगा। ये दस्ते किसानों को फसल अवशेषों को जलाने के खतरों के बारे में शिक्षित करेंगे, सुपर सीडर के उपयोग को बढ़ावा देंगे और अवशेषों के निपटान के लिए वैकल्पिक तरीके सुझाएंगे। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब, जो पर्यावरण मंत्रालय संभालती हैं, ने कहा, स्मॉग से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के सकारात्मक प्रभाव 8 से 10 वर्षों में दिखाई देंगे।

बांग्लादेश, कारगिल, रूस पर इतना भरोसा क्यों करता है भारत?

मॉस्को, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और रूस की दोस्ती की पूरी दुनिया में मिसाल की जाती है। आजादी के बाद से हर मुश्किल समय में रूस ने भारत का साथ दिया है। चाहें मौका 1966 के ताशकंद समझौते की हो या फिर 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध का। रूस ने हमेशा और हर तरह से भारत की मदद की। आज भी भारत और रूस के संबंध किसी भी दूसरे देशों के मुकाबले काफी मजबूत हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी हाल में ही एक इंटरव्यू में भारत-रूस संबंधों की मजबूती की खुद पुष्टि की है। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छह बार रूस दौरा यह साबित करने के

मोदी-पुतिन दोस्ती की कहानी

लिए काफी है कि दोनों देशों के संबंध कितने मजबूत हैं। तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह दूसरा मौका है, जब पीएम मोदी रूस पहुंचे हैं। भारत-रूस संबंध आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित हैं। बहुत कम ऐसे मौके आए हैं, जब दोनों देशों के बीच किसी मुद्दे पर सहमति नहीं बनी है। हजारों किलोमीटर दूर होने के बाद दोनों देशों के रक्षा, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध काफी मजबूत हैं। वैश्विक स्तर पर भी दोनों देशों ने एक दूसरे के हितों के खिलाफ कभी भी कोई काम नहीं किया है। रूस ने भारत के कारण ही पाकिस्तान के साथ पर्याप्त दूरी बनाकर रखी और भारत ने भी यूक्रेन के साथ ऐसा ही किया। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी भारत ने हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर पुतिन की आलोचना से दूरी बनाकर रखी।

1- ऐतिहासिक: रूस ने कभी भी हमारे हितों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाला कुछ नहीं किया है। रूस ने चीन के साथ भले ही दोस्ती की, लेकिन उसे भारत के साथ संबंधों से तुलना नहीं की। रूस ने दोनों देशों को अलग-अलग नजरिए से देखा।

2- भू-राजनीतिक: रूस अब एशिया की ओर तेजी से रुख कर रहा है। इसलिए, एशिया में रूस को कई विकल्प देना समझदारी है। यही कारण है कि भारत नहीं चाहता कि रूस को एशिया में चीन के अलावा कोई और विकल्प न दिखे।

3- आर्थिक: रूस ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है और भारत एक प्रमुख उपभोक्ता है। इसलिए आर्थिक सहयोग से दोनों के हितों की पूर्ति होती है। भारत को रूस से सस्ते दाम पर कच्चा तेल मिल रहा है। आपूर्ति को लेकर लंबे समय की डील भी हुई है, जिससे ऊर्जा स्थितरता को बढ़ावा मिला है।

4- रणनीतिक: रूस यूरेशियाई भूभाग में तीन प्रमुख शक्तियों में से एक है। इसलिए भारत के महाद्वीपीय हितों के लिए अच्छे संबंध बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इससे भारत अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों को भी नियंत्रण में रख सकता है।

आर्थिक तंगी से जूझते पाकिस्तान की जेल में इमरान खा रहे चिकन-मटन और अंगूर

इस्लामाबाद, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ खराब बर्ताव के दावे को अडियाला जेल अधिकारियों ने खारिज कर दिया है। इमरान खान की पार्टी पीटीआई के नेताओं का कहना है कि उनके नेता को जेल में दूसरे कैदियों से अलग तन्हा बैरक में रखा गया है और उनको अच्छा खाना नहीं दिया जा रहा है। पीटीआई के दावों को झूठा बताते हुए अडियाला जेल के अफसरों ने इमरान खान को दिए जाने वाले खाने का मेनू जारी कर दिया है। उन्होंने बताया है कि इमरान को चिकन, मटन और फल दिए जा रहे हैं। कई मुकदमों को सामना कर रहे इमरान खान लंबे समय से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान को जेल में चिकन-मटन खिलाए जाने का ये दावा ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा है।

एक तरफ आम लोग दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए मशक्कत कर रहे हैं तो दूसरी ओर पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान चिकन, मटन, खजूर, अंगूर और चिया सीड्स खा रहे हैं। इस्लामाबाद में पीटीआई अध्यक्ष गौहर अली खान ने कहा कि इमरान खान ने पिछले साल अडियाला जेल में कैद होने के बाद पहली बार अपनी स्थिति के बारे में जिक्र किया।

बीजेपी में 'डैमेज कंट्रोल' के लिए सीएम भजनलाल ने संभाली कमान, बनाई रणनीति

जयपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव को लेकर बीजेपी में बगावत शुरू हो गई है। भाजपा ने 7 विधानसभा सीटों में से 6 सीटों पर प्रत्याशियों का एलान किया है। इनमें से चार सीटों पर खुलकर बगावत सामने आई है। पार्टी को सबसे ज्यादा देवली-उनियारा, झुंझुनूं और रामगढ़ सीट पर स्थानीय नेताओं के बागी तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सलूंबर से बगावती तेवर अपनाने वाले नरेन्द्र मीणा को मना लिया गया है।

दरअसल, टिकटों की घोषणा के बाद से ही भाजपा में बगावत और मान-मनुहार का दौर जारी है। मजबूत बागियों को मनाने के लिए सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कमान संभाल रखी है। कुछ सीटों पर बागियों को मनाने का दावा है तो कुछ पर डैमेज कंट्रोल चल रहा है।

डैमेज कंट्रोल की सीएम ने संभाली कमान

बता दें, इन चुनावों में सीएम भजनलाल शर्मा की सांख पर दांव पर लगी है। क्योंकि मुख्यमंत्री का पद संभालने के 10 माह बाद पहला उपचुनाव होने जा रहा है। सरकार के लिए एक तरह से ये लिटमस टेस्ट की तरह ही है। ऐसे में उप चुनाव के परिणाम से सरकार के कामकाज का लेखा-जोखा भी होगा। इसलिए सीएम भजनलाल शर्मा ने खुद ही चुनावी कमान संभाल ली है।

इस कड़ी में सीएम ने नाराज नेताओं का मना रहे है। टिकट नहीं मिलने से नाराज नरेंद्र मीणा से मुलाकात करके उनकी नाराजगी को दूर कर दिया। सीएम से मुलाकात के बाद नरेंद्र मीणा ने कहा कि मैं पार्टी के प्रति समर्पित हूं और पूरी तरह जी तोड़ मेहनत कर पार्टी की प्रत्याशी को जिताएंगे। बता दें सलूंबर से टिकट नहीं मिलने पर दावेदार नरेंद्र मीणा रविवार को अपने समर्थकों के बीच पहुंचे थे और अपने भाषण के दौरान फूट-फूट कर रोने लगे थे।

सीएम ने बनाई ये रणनीति

टिकट नहीं मिलने से नाराज बागी नेताओं के लिए सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने मिलकर तय किया है कि सभी सीटों पर प्रभारी मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं को भी हर सीट पर एक भी बागी नहीं रहे इसका टास्क दिया है। इसके लिए झुंझुनूं में प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, देवली-उनियारा में मंत्री हीरालाल नागर और रामगढ़ में मंत्री संजय शर्मा को ये जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, कुछ वरिष्ठ नेताओं को भी पर्दे के पीछे से बागियों को मनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कांग्रेस में लिस्ट से पहले ही बगावत

इधर, कांग्रेस में टिकट मिलने से पहले ही बगावत देखने को मिल रही है। युवा नेता नरेश मीणा टिकट से पहले ही पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने जयपुर में बड़ा प्रदर्शन भी किया और पीसीसी वॉर रूम के बाहर उनके समर्थकों ने जमकर नारेबाजी भी की। इसके अलावा झुंझुनू विधानसभा सीट पर मुस्लिम न्याय मंच के कार्यकर्ता अल्पसंख्यक को टिकट देने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता और मदरसा बोर्ड अध्यक्ष एमडी चौपदार ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस वॉर रूम के बाहर बड़ा प्रदर्शन किया।

इन सीटों पर होगा उपचुनाव

गौरतलब है कि 13 नवंबर को राजस्थान की 7 सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है। प्रदेश की रामगढ़ (अलवर), दौसा, झुंझुनूं और देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी और सलूंबर सीटों पर उपचुनाव होने जा रहा है। 2023 के विधानसभा चुनाव के परिणामों में इनमें से भाजपा के पास केवल 1 सीट थी, वहीं कांग्रेस के पास 4 सीटें थी। इसके अलावा एक सीट बाप और एक सीट आरएलपी के पास थी।

पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध में आ गया 7327.50 एमसीएफटी पानी

2 जिलों के किसानों को मिलेगी राहत

पाली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध पर इस बार बरसात भले ही कम हुई, लेकिन मंथर गति से 61.25 फिट भराव क्षमता का बांध 60 फीट पर पहुंच गया। बांध में अभी 7000 एमसीएफटी पानी है। यह इतना पानी है जितना वर्ष 1973 में बांध में भरता था। उसी समय बांध की क्षमता को 1.25 फीट बढ़ाया गया था। इससे बांध की क्षमता 7327.50 एमसीएफटी हो गई।

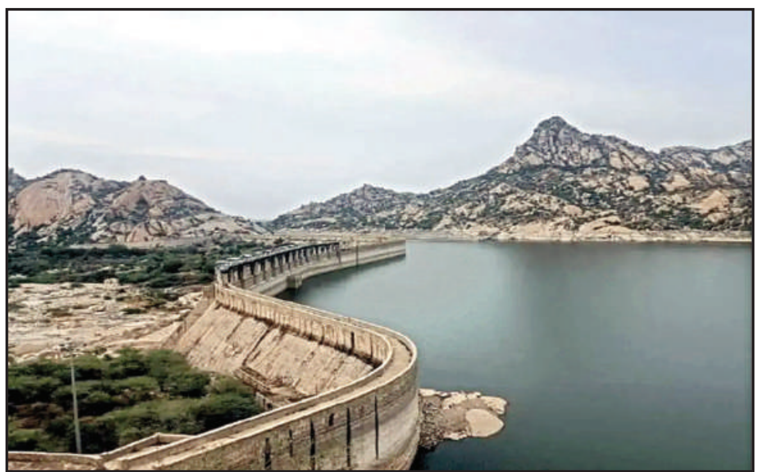

बांध में इतना पानी आने से पाली व जालोर जिले की 38671 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। इसमें पाली जिले के 33 गांवों की 25825.40 हैक्टेयर व जालोर जिले के 24 गांवों की 12845.60 हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। बांध के पानी से दोनों जिलों के करीब 38600 किसानों को लाभ होगा। गौरतलब है कि जवाई बांध से पिछले साल भी सिंचाई का पूरा पानी मिला था।

दो बांध से 12 हजार हैक्टेयर में सिंचाई

अंग्रेजी शासन काल में 100 से अधिक साल पहले बने दूसरा सबसे बड़ा बांध सरदारसमंद 30 साल बाद छलका। उससे 10 हजार 325 हैक्टेयर में सिंचाई होगी। वहीं खारड़ा बांध से 2451 हैक्टेयर में फसलों को पानी मिलेगा। जवाई, सरदारसमंद व खारड़ा से पानी देने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

सेई में अब पानी कम

जवाई बांध के सहायक सेई बांध से लगातार पानी की आवक हुई है। सेई बांध में 3.60 मीटर (516.25 एमसीएफटी) पानी है। इसमें से 373.42 एमसीएफटी पानी डेड स्टोरेज में रहेगा। जवाई में अब करीब 142.83 एमसीएफटी पानी डायवर्ट हो पाएगा। इसमें से जवाई बांध तक करीब 60 प्रतिशत पानी ही पहुंचेगा। इस कारण जवाई बांध में पूरा भरने के लिए शेष 327.50 एमसीएफटी पानी आना मुश्किल है।

जवाई बांध जल वितरण समिति की बैठक 24 को

जवाई बांध से रबी फसल के लिए पानी देने एवं पीने के पानी के आरक्षण को लेकर जल वितरण/उपयोगिता समिति की बैठक संभागीय आयुक्त पाली की अध्यक्षता में 24 अक्टूबर को होगी। बैठक दोपहर 2 बजे जवाई बांध विश्राम गृह पर होगी। इसी तरह सरदारसमंद बांध जल वितरण समिति की बैठक 25 अक्टूबर सुबह 11 बजे अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग की अध्यक्षता में राजीव गांधी सेवा केंद्र सरदारसमंद में होगी। खारड़ा बांध से जल वितरण को लेकर 26 अक्टूबर सुबह 11 बजे खारडा बांध निरीक्षण गृह पर बैठक कर निर्णय किया जाएगा।

जवाई बांध सहित सरदारसमंद व खारड़ा बांध में भी पूरा पानी है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। जल वितरण को लेकर बैठकें की जाएगी।

65 एमओयू के जरिए 1285 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

3 हजार से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

सिरोही, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान में सिरोही में उद्योगों की बहार आने वाली है। बड़ी संख्या में निवेशक यहां उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखा रहे हैं। सिरोही जिले को अब तक करीब 1285 करोड़ के एमओयू मिल चुके हैं। जिले के औद्योगिक विकास के नए आयाम स्थापित करने एवं रोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजन करने की मंशा से राज्य सरकार 23 अक्टूबर को आबूरोड में जिला स्तरीय निवेशक सम्मेलन का आगाज कर रही है।

जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर्स मीट कार्यक्रम में जिले में 65 एमओयू निवेशकों के 1285 करोड़ का निवेश होने के प्रस्ताव जिला उद्योग को मिल चुके है। जिससे करीबन 3300 लोगों को नवीन रोजगार मिलने की संभावना है। राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में भी जिले में बड़ा निवेश प्राप्त होने की संभावना है।

इन क्षेत्र में किया निवेश

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र महाप्रबंधक सहीराम ने बताया कि सम्मेलन को लेकर एमओयू हुए है। जिसमें कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, जैव ऊर्जा, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, वाणिज्यिक, शैक्षणिक संस्थान, ऊर्जा नवीकरणीय और गैर नवीकरणीय, फूड, लोहा और इस्पात, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, खदान एवं खनिज पत्थर, फार्मास्युटिकल, प्लास्टिक, खुदरा, कपड़ा और परिधान, पर्यटन, कचरे का प्रबंधन आदि शामिल है।

यह रहेंगे अतिथि

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक सहीराम ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री और उद्योग राज्यमंत्री केके विश्नोई और विशिष्ट अतिथि पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी रहेंगे। जिले की प्रभारी सचिव पूनम शासन सचिव संस्कृत शिक्षा विभाग भी शिरकत करेंगी। जिले में निवेश के इच्छुक निवेशकों के साथ एमओयू होगा।

समिट में प्रवासी राजस्थानी उद्यमियों एवं व्यापारियों को भाग लेने के लिए विशेषतौर पर आमंत्रित किया है। सिरोही में अभी तक 65 एमओयू मिले, जिसमें 1285 करोड़ का निवेश, 3300 लोगों को नवीन रोजगार का अवसर मिलने की संभावना है। भविष्य में यहां कई उद्योग स्थापित होंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा।

झुंझुनूं के उप चुनाव में भाजपा की क्यों बढ़ रही मुश्किल

अब निषीत चौधरी ने किया ऐलान

झुंझुनू, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा के झुंझुनूं में हो रहे उप चुनाव में भाजपा की मुश्किल बढ़ती जा रही है। पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी निषीत चौधरी ने चुनाव लड़ने का ऐलान पहले कर दिया था। अब उनको मनाने के लिए मंत्री सुमित गोदारा ने प्रयास किए, लेकिन चौधरी नहीं माने। वहीं सैनी समाज के अनेक पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठक सैनी मंदिर में हुई। बैठक में विधानसभा उप चुनाव के लिए बुधराम सैनी व कमल सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें से बुधराम के मना करने के बाद मौजूद समाज के लोगों ने कमल के नाम पर सहमति जताई। कमल सैनी ने कहा कि राजनीतिक दल सैनी समाज की अनदेखी कर रहे हैं।

मूल ओबीसी के साथ मूल वोट बैंक की अवहेलना बर्दाश्त के बाहर है। इनको अपनी ताकत दिखानी होगी। वे 25 अक्टूबर को प्रातः 11:00 रैली के बाद नामांकन दाखिल करेंगे। इस दौरान राष्ट्रीय सैनी सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण कुमार सैनी, इन्द्रराज सैनी, राजेंद्र प्रसाद सैनी, पूर्ण सिंह सैनी, बुधराम सैनी, रामनिवास सैनी, ताराचंद सैनी, प्रदीप सैनी व सैनी समाज के अनेक पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त किए। संचालन संजय सैनी व अशोक सैनी ने किया।

इधर आमीन अली आजाद समाज पार्टी में शामिल

मुश्किल अकेले भाजपा में ही नहीं बल्कि कांग्रेस में भी बढ़ रही है। कांग्रेस में भी अंदरखाने बगावत के सुर पनपने लगे हैं।

झुंझनूं के इस्लामपुर से तीन बार सरपंच बने आमीन अली मणियार ने आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि वे कांगेस के सच्चे सिपाही थे, लेकिन समाज की अनदेखी के चलते कांग्रेस छोड दी है। कांग्रेस उनके समाज की अनदेखी कर रही है।

मुस्लिम न्याय मंच ने जयपुर में किया प्रदर्शन

मुस्लिम न्याय मंच के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वॉर रूम के सामने धरना देकर प्रदर्शन किया। मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुजर के नेतृत्व में कार्यकत्‌ाओं ने राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राजस्थान कांग्रेस सह-प्रभारी चिरंजीव राव सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात कर अपनी मांग रखी और ज्ञापन दिया।

मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुजर ने बताया कि मुस्लिम समाज आजादी से लेकर आज तक कांग्रेस के साथ खड़ा रहा है। लेकिन कांग्रेस ने हमेशा उनकी अनदेखी की है।

रामगढ़ सीट से आर्यन खान का नाम लगभग तय

भाजपा में अंदरूनी कलह से बिगड़ सकता है खेल

अलवर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामगढ़ उपचुनाव में भाजपा की तरफ से प्रत्याशी घोषित होने के बाद एक तरफ जहां पार्टी में खुलकर बगावत शुरू हो गई है, वहीं कांग्रेस में बिना किसी विवाद के आर्यन जुबेर खान के नाम पर मोहर लग गई है। पार्टी ने यह फैसला कल देर शाम रामगढ़ की बैठक में लिया।

इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह, सांसद भंवरलाल जाटव, विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली के अलावा कांग्रेस के संभाग प्रभारी रमेश खंडेलवाल ओर और जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा सहित अनेक नेता मौजूद थे। बैठक में रामगढ़ से पार्टी टिकट के दावेदार आर्यन खान भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि रामगढ़ में जो भी विकास कार्य हुआ है, वह जुबेर खान की बदौलत ही हुआ है। बीजेपी केवल धर्म के नाम पर वोट मांगती रही है। उन्होंने सरकार को चैलेंज देते हुए कहा कि वो दस महीने के शासनकाल में एक काम बता दें और रामगढ़ से वोट ले ले। इस सरकार ने केवल कांग्रेस सरकार के कामों को बंद करने काम किया है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि दस महीने से प्रदेश में यह लग ही नहीं रहा कि सरकार है भी या नही। दस महीने से सरकार नहीं सर्कस चल रहा है। इस अवसर पर आर्यन जुबेर खान ने कहा कि ये चुनाव उनके पिता को श्रद्धांजलि के तौर पर लड़ा जाएगा क्योंकि उन्होंने रामगढ़ को अपना घर समझकर जो काम किए हैं, वे किसी से छिपे नहीं हैं।

इस बैठक के बाद आर्यन के नाम पर पार्टी ने लगभग अपनी मोहर लगा दी है और यह तय नजर आ रहा है कि कांग्रेस की ओर से वे ही चुनाव लड़ेंगे। अब रामगढ़ में चुनावी मुकाबला कांग्रेस के आर्यन खान और भाजपा के सुखवंत सिंह के बीच ही होगा। इधर सुखवंत को टिकट देने से जय आहूजा बगावत पर उतरे हुए हैं। अब उनका ये विरोध भाजपा के सामने क्या मुसीबत पैदा करता है यह तो समय ही बताएगा।

श्रीकृष्ण के लिए 12 साल की बच्ची ने अपनाया बेहद कठिन रास्ता

पूरा शहर हैरान, टेंशन में है परिवार

झालावाड़, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। हैरान करने वाली खबर राजस्थान के झालावाड़ जिले से है। झालरापाटन इलाके की इस घटना के बाद पूरे शहर की पुलिस हैरान है। परिवार टेंशन में है। बच्ची को तलाश करने के लिए परिवार और पुलिस टीमें हर प्रयास कर रही है। दरअसल बारह साल की बच्ची ने भक्ति मार्ग चुनते हुए घर छोड़ दिया। उसने अपने घर में परिवार के लिए एक लैटर छोड़ा और घर से हजार रुपए लेकर चली गई। परिवार की रिपोर्ट पर पुलिस ने मिसिंग दर्ज कर ली है। खुशी की मां हेमकवंर और परिवार के अन्य सदस्य बच्ची को तलाश करने के प्रयास में लगे हुए हैं। बारह साल की खुशी के बारे में हेमकवंर ने पुलिस को बताया कि वह सेटेलाइट अस्पताल में जॉब करती है। जब काम से लौटी तो बेटी घर नहीं थी। उसका व्रत भी था। उससे पूछना था कि उसके लिए क्या बनाना है...? कुछ देर में तलाश करने के बाद जब बच्ची नहीं मिली तो एक लैटर दिखाई दिया। उसमें लिखा था कि वह हमेशा के लिए घर छोड़कर भक्ति मार्ग पर जा रही है और सन्यास ग्रहण कर रही है। उसने घर से एक हजार रुपए लेने और अपने कपड़े लेने की बात लिखी। साथ ही यह भी लिखा कि अब वह वापस नहीं लौटेगी और वह श्रीकृष्ण के पास मथुरा जा रही है। मां ने इस बारे में परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दी और कल इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने परिवार से पूछताछ के बाद बताया कि बच्ची की पूजा-पाठ में गहरी आस्था थी।

रंजिश के चलते लाठियों से पीट कर हत्या, देर रात किया हमला

अलवर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के किशनगढ़ बास थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते 50 वर्षीय सतनाम सिंह पर घात लगाकर हमला किया गया, जिसमें उनकी लाठी-डंडों से बुरी तरह पिटाई की गई। सतनाम सिंह को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

किशनगढ़ बास थाना क्षेत्र में 50 वर्षीय एक व्यक्ति के साथ पुरानी रंजिश के चलते लाठी डंडे से कल देर रात हमला कर दिया गया, जिसमें युवक गंभीर घायल हो गया था। इस व्यक्ति ने रात में ही उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार बिदरका निवासी मृतक के भतीजे बलवंत ने बताया कि मेरा चाचा मृतक सतनाम कल मजदूरी करके वापस अपने घर आ रहा था। उस समय घात लगाकर बैठे हमारे पड़ोसियों ने रंजिश के चलते रविन्द्र, संदीप, सन्तोक सिंह सहित कई लोगों ने लाठी डंडे से हमला कर दिया। उसको मौके पर मौजूद लोगों ने बीचबचाव कर बचा लिया, लेकिन मेरा चाचा वहां से जान बचाकर भाग लिया, लेकिन वह लोग मेरे चाचा का पीछा करते हुए भिवाड़ी थाना क्षेत्र के बिलासपुर पहुंच गए और वहां भी लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा। जिसमें मेरे चाचा के सिर में गहरी चोट लग गई। जिसकी सूचना हमको फोन के माध्यम से पता लगी मौके पर पहुंचकर हमने सतनाम सिंह को तिजारा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां चाचा की हालत नाजुक बनी हुई थी, जिसको अलवर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां चाचा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

भतीजे बलवंत सिंह ने बताया कि यह लोग आए दिन हमारे साथ गाली गलौज और मारपीट को उतारू हो जाते हैं। ये लोग दबंग प्रवृत्ति के लोग हैं। कुछ दिन पहले इन्होंने हमारे ऊपर चोरी और बलात्कार का झूठा मुकदमा भी दर्ज कराया था। उसी को लेके हमारी रंजिश बनी हुई थी। यह लोग हमारे ऊपर बार-बार दवाब बनाते थे कि राजीनामा कर लो और कुछ पैसे दे दो हम मुकदमा वापस ले लेंगे जो हमको मंजूर नहीं था। पूरे गांव वाले भी हमारे साथ थे, जिसके चलते हमने इनको पैसे नहीं दिए। इसी बात को लेके कल उन्होंने मेरे चाचा पर हमला कर जान से मार दिया, जिसकी लिखित शिकायत मौके पर मौजूद पुलिस को दे दी गई है।

किशनगढ़ बास थाना ASI ज्ञान चंद ने बताया कि टेलीफोन के जरिए सूचना लगी कि बिदरका निवासी किसी व्यक्ति की लाठी डंडों से मारपीट कर हत्या कर दी गई। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर मृतक के पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया शुरू करवा दी है। वहीं मृतक के परिवार ने कुछ लोगों के खिलाफ नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

तेज आंधी और बारिश से जसवंत मेला प्रदर्शनी में भारी तबाही, उड़ गए टेंट, उखड़ गए झूले

भरतपुर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। करीब 30 मिनट तक तेज आंधी और बारिश ने जसवंत मेला प्रदर्शनी में जमकर तबाही मचाई। मेले में एक बड़ा झूला दूसरे झूले के ऊपर गिर गया। करीब 50 दुकानों का टैंट और सामान उड़ गया। तेज हवा से जसवंत मेला प्रदर्शनी में काफी नुकसान हुआ है। व्यापारी अभी तक नुकसान का अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं। बारिश करीब 2 बजकर 30 मिनट पर शुरू हुई। सुबह से जिलेभर में धूप निकल रही थी। करीब एक बजे अचानक मौसम बदला और घने बादल छा गए। देखते-देखते तेज आंधी चलने लगी। उसके बाद बारिश शुरू हो गई। हवा के बाद बारिश के बाद मौसम में ठंडक बढ़ गई। बारिश के साथ चली तेज हवा ने जसवंत मेला प्रदर्शनी में जमकर तबाही मचाई। मेले में लगा गोल झूला नाव वाले झूले पर गिर गया। करीब 50 दुकानों का टेंट और खुले में रखा सामान हवा में उड़ गया। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

मिलावटी मावा बनाने में अलवर पूरे राज्य में सबसे आगे

दो हजार किलो सिंथेटिक कलाकंद नष्ट करवाया

अलवर, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन को देखते हुए जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल जयपुर एवं अलवर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ओर से संयुक्त छापे मारे गए, जिसमें 2200 किलो मिलावटी तथा सिंथेटिक कलाकंद कराया नष्ट कराया गया।

राज्य सरकार के शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग के संयुक्त आयुक्त डॉ. एस एन धौलपुरिया के सुपरविजन में केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं अलवर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने संयुक्त रूप से बेडा का बास (किशनगढ़बास) स्थित सरफराज मिल्क केक में तैयार हो रहे मिलावटी कलाकंद के विरुद्ध कार्रवाई की। यहां पर मिल्क पाउडर, रिफाइंड तेल एवं सूजी से कलाकंद बनाया जा रहा था। मौके पर एफएसएसए के तहत सैंपल लिए गए और 2200 किलो मिलावटी कलाकंद नष्ट करवाया गया। जांच में पता चला कि वहां कार्यरत मजदूरों और मौजूदा कर्मचारियों का मेडिकल भी नहीं करवाया गया था। फर्श टूटा हुआ पाया गया एवं चारों तरफ गंदगी भी फैली हुई थी और अनहाइजीनिक कंडीशन में कलाकंद बनाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि लिए गए नमूनों की प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल से खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, लोकेश शर्मा, देवेंद्र राणावत ओर अलवर से खाद सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव मौजूद रहे। गौरतलब है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए अलवर जिले में मिलावटी मावे की खपत काफी बढ़ जाती है और धड़ल्ले से मिलावटी मावा और कलाकंद तैयार किया जाता है।

मंत्रियों ने स्पीकर के कक्ष, परिषद भवन के जीर्णोद्धार कार्यों की समीक्षा की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा में स्पीकर के कक्ष और परिषद भवन के जीर्णोद्धार कार्यों के संबंध में मंगलवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्पीकर प्रसाद कुमार, परिषद के अध्यक्ष जी. सुखेंद्र रेड्डी, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और श्रीधर बाबू, सरकारी सचेतक रामचंद्र नाइक और आदी श्रीनिवास के साथ-साथ सड़क और भवन विभाग के अधिकारी शामिल हुए। स्पीकर, परिषद के अध्यक्ष और मंत्रियों ने अब तक पूरे किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को काम में तेजी लाने और बजट सत्र के समय तक इसे पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पुराने विधानसभा भवन का निरीक्षण किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बताया कि आगा खान ट्रस्ट 49 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विधानसभा भवन का जीर्णोद्धार कर रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तीन महीने के भीतर जीर्णोद्धार का काम पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से बात की है। कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बताया कि निजाम शैली की मूल वास्तुकला को बनाए रखने के लिए बदलाव किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया, विधानसभा और परिषद एक ही स्थान पर स्थापित किए जाएंगे, संसद में सेंट्रल हॉल की व्यवस्था के समान। वर्तमान में मुख्यमंत्री और मंत्रियों को विधानसभा और परिषद के बीच यात्रा करने के लिए वाहनों का उपयोग करना पड़ता है, लेकिन दोनों के एक ही स्थान पर होने से समय की बचत होगी। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की भी तीखी आलोचना की। उन्होंने बिजली शुल्क के मुद्दे को विद्युत विनियामक आयोग (ईआरसी) में ले जाने के कदम की खिल्ली उड़ाई और इसे "बड़ा मज़ाक" बताया और केटीआर को "जोकर" करार दिया। कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आगे आलोचना की कि संसद में एक भी सीट नहीं जीतने के बावजूद केटीआर ने विधानसभा की हार से कोई सबक नहीं सीखा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों बंडी संजय और किशन रेड्डी से भी सवाल किया कि उन्होंने तेलंगाना राज्य के विकास के लिए कितना धन लाया है।

बीआरएस नेताओं ने सीएम रेवंत की धमकियों की निंदा की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेताओं ने आज सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा उनके पार्टी नेताओं केटीआर और हरीश राव को बुलडोजर से कुचलने की धमकी पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। पार्टी नेताओं द्वारा हैदराबाद के बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में रेवंत रेड्डी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। अपनी शिकायत में, पार्टी नेताओं ने कहा कि रेवंत रेड्डी की धमकियों ने उनके नेताओं-केटीआर और हरीश राव की सुरक्षा को लेकर चिंता पैदा कर दी है। उन्होंने पुलिस से हिंसा भड़काने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी पर मामला दर्ज करने का आग्रह किया और कहा कि कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। एससी/एसटी आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एरोला श्रीनिवास ने सीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद मीडिया से बात की।

सीएम रेवंत का रवैया हिंदुओं के प्रति शत्रुतापूर्ण : इटेला

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद इटेला राजेंद्र ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का रवैया राज्य में हिंदू लोगों और संस्थाओं के प्रति शत्रुतापूर्ण हैं। उन्होंने दावा किया कि सत्ता में आने के बाद से ही कांग्रेस पार्टी में हिंदुओं के प्रति नफरत की वही संस्कृति है। राज्य पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार में सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों पर कभी काबू नहीं पाया गया। कांग्रेस सरकार के तहत, धार्मिक कट्टरपंथियों को नियंत्रित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया। इसके बजाय, उन्हें आश्रय दिया गया और पाला गया। कांग्रेस पार्टी को हिंदू मंदिरों पर हमलों के बारे में सवाल उठाने वालों को असामाजिक, कट्टरपंथी और बदमाशों के रूप में चित्रित करने

की आदत है। कांग्रेस पार्टी की संस्कृति घिनौनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसने उन राज्यों में भी सांप्रदायिक दंगे कराए हैं, जहां पार्टी सत्ता में थी। वर्ष 1978 में रमीजा बी की हत्या के मामले में कांग्रेस सरकार के रवैये के कारण हैदराबाद शहर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे। हैदराबाद में आग लग गई और दंगे भड़क उठे। दंगों में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। 1982-83 में भी कांग्रेस पार्टी ने सांप्रदायिक दंगे कराए और सैकड़ों लोगों की हत्या की। इसने उनकी लाशों पर राजनीति की है। उन्होंने दावा किया कि 2014 से पहले आतंकवादियों ने सीरिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत में जिहाद के नाम पर खून बहाया था। जम्मू और कश्मीर में, जब भारतीय सैनिकों पर पत्थर फेंके गए और सेना के ट्रकों पर बम फेंके गए, तो लोग नरसंहार पर रोए। तेलंगाना में कांग्रेस के शासन के दौरान कई जगहों पर जिहाद के नाम पर बम हमलों की कई घटनाएं हुई हैं। 1 नवंबर 2004 को शहर के सरूरनगर के पास एक कॉलेज बस के नीचे बम विस्फोट हुआ, जिसमें लोग घायल हो गए। 12 नवंबर 2004 को जामिया उस्मानिया इलाके में रेलवे ट्रैक के पास बम विस्फोट हुआ था। 18 मई 2007 को पुराने शहर की मक्का मस्जिद में बम विस्फोट में करीब 14 लोग मारे गए थे। बम विस्फोटों में कई लोग घायल भी हुए थे। 25 अगस्त 2007 को कोठी के लुंबिनी पार्क और गोकुल चाट में हुए विस्फोटों में करीब 42 लोग मारे गए थे और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया, तेलंगाना में कांग्रेस के 10 साल के शासन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा में सैकड़ों लोग मारे गए थे।

शेखावत ने तेलंगाना पर्यटन स्टॉल का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को पटना में ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) में तेलंगाना पर्यटन और बुद्धवनम स्टॉल का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना के स्टॉल का दौरा किया, जिसमें नागार्जुनसागर में टीजीटीडीसी द्वारा विकसित बौद्ध विरासत थीम पार्क बुद्धवनम, मुलुग जिले के पालमपेट में विश्व धरोहर स्मारक रामप्पा मंदिर और हैदराबाद में गोलकुंडा किला प्रदर्शित किया गया था।

शेखावत ने कहा कि तेलंगाना में अद्भुत स्मारक और खूबसूरत जगहें हैं और वह पालमपेट में रामप्पा मंदिर और आलमपुर में नवब्रह्मेश्वर और जोगुलम्बा मंदिर जाना चाहेंगे। केंद्रीय मंत्री ने पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी को तेलंगाना को विश्व स्तरीय गंतव्य के रूप में विकसित करने पर चर्चा करने के लिए दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में आमंत्रित किया। रमेश रेड्डी ने तेलंगाना राज्य की अपार पर्यटन संभावनाओं के बारे में बताते हुए बुद्धवनम स्टॉल का उद्घाटन करने और उसका दौरा करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। बौद्ध विशेषज्ञ सलाहकार डॉ.ई. शिवनगिरेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को भारत में अपनी तरह के एकमात्र बुद्धवनम की अनूठी विशेषताओं और विभिन्न खंडों के बारे में जानकारी दी।

दीपावली और छठ त्योहारों के दौरान 804 विशेष ट्रेनें

यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों की योजना : जीएम

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे जनता की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने और सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। दीपावली और छठ पूजा अवधि के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए, एससीआर ने अतिरिक्त भीड़ को पूरा करने के लिए अतिरिक्त विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। जोन ने पिछले त्यौहारी सीजन के दौरान 626 विशेष ट्रेनें संचालित की थीं। चालू वर्ष में जोन ने विभिन्न गंतव्यों के बीच 804 विशेष ट्रेन सेवाओं को संचालित करने की योजना बनाई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है। त्यौहारी सीजन के दौरान पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, बिहार आदि जैसे पूर्वी राज्यों और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली आदि जैसे उत्तरी राज्यों की ओर भारी यातायात होगा। तदनुसार, जनता की मांगों को पूरा करने के लिए सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा जैसे एससीआर के प्रमुख स्टेशनों से अन्य राज्यों जैसे शालीमार, रक्सौल, जयपुर, लालगढ़, हिसार, गोरखपुर, शिरडी, दानापुर, निजामुद्दीन, कटक, अगरतला, संतरागाछी आदि के स्टेशनों के लिए लोकप्रिय मार्गों पर विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित की जा रही हैं। मदुरै, इरोड, नागरकोइल, कोल्लम, बेंगलुरू, पनवेल, दादर आदि जैसे अन्य मांग वाले गंतव्यों के लिए भी विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं।

भारतीय रेलवे ने दिवाली और छठ पूजा सीजन के दौरान यात्रियों की सुगम यात्रा की सुविधा के लिए 30 नवंबर तक पूरे देश में लगभग 6560 विशेष ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की है। त्यौहारों के दौरान हर साल विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं और इस साल यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों की संख्या में काफी वृद्धि की गई है। इन विशेष ट्रेनों में एसी और नॉन एसी क्लास के विभिन्न कोच लगाए गए हैं, जिनमें आरक्षित और अनारक्षित दोनों तरह की सुविधाएं हैं, ताकि यात्रियों के सभी वर्गों को सुविधा मिल सके।

दक्षिण मध्य रेलवे ने अनारक्षित कोच से यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों को सलाह दी है कि वे मोबाइल ऐप पर यूटीएस के माध्यम से अपने टिकट खरीदें, जिससे उन्हें सामान्य काउंटरों पर कतार में खड़े होने से बचना पड़े। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि जोन लगातार जनता की मांगों की निगरानी कर रहा है और यात्रियों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए विशेष ट्रेनों की योजना बनाई गई है। उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से जोन द्वारा प्रदान की गई अतिरिक्त यात्रा सुविधा के इस अवसर का लाभ उठाने और अपनी यात्रा को सुरक्षित, आरामदायक और परेशानी मुक्त बनाने की अपील की है।

सीपीओ में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

464 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस शहीद स्मृति सप्ताह के तहत मंगलवार को साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट परेड ग्राउंड में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एक बैंक और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया गया।

साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती और संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस ने शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदान किया। सीपी मोहंती ने रक्तदान के महत्व पर जोर दिया, खासकर थैलेसीमिया, रक्त कैंसर, हीमोफीलिया और दुर्घटना पीड़ितों के लिए।

उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करने के लिए सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

शिविर में सीएआर मुख्यालय के एडीसीपी शमीर, एसीपी अरुण, एलएंडओ इंस्पेक्टर, एसआई, एससीएससी स्वयंसेवकों, डॉक्टरों, मंत्रालयिक कर्मचारियों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। कुल 464 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया तथा सभी रक्तदाताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों के बीच मध्य-कैरियर बातचीत कार्यक्रम शुरू

एमसीआर एचआरडी संस्थान में नागरिक-केंद्रित शासन पर चर्चा

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने मंगलवार को नागरिक-केंद्रित शासन पर सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों के बीच मध्य-कैरियर बातचीत कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों जैसे विविध पेशेवर विशेषज्ञता और अनुभवों वाले अधिकारियों के बीच बातचीत, हमारे सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज के वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और शासन को बेहतर बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण विकसित करने और अंततः नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सरकार के विभिन्न अंगों से बढ़ती अपेक्षाओं, जवाबदेही की मांग, अधिक जागरूकता और तेजी से संचार के कारण समकालीन परिदृश्य में नागरिक-केंद्रित शासन ने बहुत महत्व हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, आज, नागरिक पहले से कहीं अधिक सूचित और संलग्न हैं, क्योंकि सोशल मीडिया सहित उभरती प्रौद्योगिकियों तक उनकी आसान पहुंच है और इस परिदृश्य में, नागरिक-केंद्रित शासन समय की जरूरत बन गया है।

नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और उन्हें सशक्त बनाने वाली व्यवस्था बनाने के लिए लगन से काम करना हमारा कर्तव्य है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनकी जरूरतें पूरी हों। नागरिक-केंद्रित शासन के महत्वपूर्ण स्तंभों को ध्यान में रखते हुए सरकारी संगठनों को पारदर्शी, सहभागी, समावेशी और अभिनव बनाने के लिए जानबूझकर प्रयास किए जाने चाहिए।

डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि नागरिक-केंद्रित शासन की अवधारणा केवल सेवा वितरण से परे है। उन्होंने कहा, प्रशासनिक पदानुक्रम के विभिन्न स्तरों पर सहानुभूति और अनुकूलनशीलता प्रदान करने के लिए हमारे संस्थानों के भीतर एक संस्कृति परिवर्तन की आवश्यकता है। डॉ. माधवी रावुलपति, पाठ्यक्रम निदेशक और केंद्र प्रमुख, सीएलपी और सीआईएस ने कहा कि इंटरेक्शन प्रोग्राम, अन्य बातों के अलावा, नागरिक-केंद्रित शासन के विभिन्न पहलुओं पर सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों से संबंधित प्रतिभागियों के बीच चर्चा और प्रस्तुतियां भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा, इस मामले में विचार और आवश्यक कार्रवाई के लिए एक रिपोर्ट डीओपीटी को भेजी जाएगी।

उन्होंने इंटरेक्शन प्रोग्राम की मुख्य विशेषताओं के बारे में भी बात की और सभा का स्वागत भी किया।

'केडिया सेजस्थान' जयपुर में कोठी खरीदने वालों की भारी भीड़ उमड़ी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस दिवाली केडिया सेजस्थान में 'महा दिवाली' मनेगी, बढ़ेगा 15 लाख रेट, होगा 15 लाख का महा-लाभ। इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पुष्य नक्षत्र और धनतेरस के शुभ मुहूर्त में बुकिंग करने के लिए अपनी यूनिट रिजर्व्ड करवा रहे हैं। क्योंकि केडिया सेजस्थान में गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं।

दिवाली बाद कोठी लाखों में नहीं करोड़ों में मिलेगी। रेट बढ़ेगा पूरे 15 लाख!

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केडिया सेजस्थान, जो अजमेर रोड, जयपुर पर स्थित है, यहां 2-3 बीएचके वॉक-अप अपार्टमेंट और 3-4 बीएचके कोठियां उपलब्ध हैं। वॉक-अप अपार्टमेंट्स की कीमतें 63.45 लाख से शुरू होती हैं, जबकि कोठियों की कीमतें 84.60 लाख से आरंभ हैं जो कि दिवाली बाद करोड़ों की हो जाएंगी।

इस टाउनशिप में 60 विश्वस्तरीय सुख-सुविधायें है, जो एक शानदार जीवनशैली का अनुभव कराएगी। रिसॉर्ट जैसे खुलेपन का अनुभव देने वाले इन घरों में आराम और लग्ज़री का अद्वितीय मेल मिलेगा। यहां की कोठी और फ्लैट्स दोनों तरफ से खुले हैं।

विधायक की मां का निधन

करीमनगर, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और करीमनगर विधायक गंगुला कमलाकर की मां नरसम्मा का मंगलवार सुबह खराब स्वास्थ्य के कारण निधन हो गया। करीमनगर के मेयर वाई सुनील राव, बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर, पार्टी के शहर अध्यक्ष चल्ला हरिशंकर और अन्य लोगों ने विधायक के घर जाकर नरसम्मा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने विधायक और परिवार के अन्य सदस्यों को सांत्वना दी।

चारमीनार रोशनी परियोजना में सहयोग करेगी एनटीपीसी

जीएचएमसी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी ने ग्रेटर हैदराबाद स्थित मशहूर चारमिनार स्थल की रोशनी परियोजना में सहयोग हेतु जीएचएमसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस संदर्भ में, देश की अग्रणी एनटीपीसी ने तेलंगाना स्थित महानगर सिकंदराबाद के कवाडीगुडा स्थित अपने कार्यालय में ग्रेटर हैदराबाद के प्रतिष्ठित चारमीनार पर रोशनी परियोजना में सहयोग के लिए जीएचएमसी हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन(एमओयु) पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान एनटीपीसी के प्रमुखों ने कहा कि, एनटीपीसी की यह पहल भारत के प्रतिष्ठित स्थलों और विरासत भवनों को बढ़ावा देने, सौंदर्यीकरण करने और पुनःस्थापित करने की दिशा में विकासशील व साहसिक कदम है तथा यह समझौता ज्ञापन एनटीपीसी सीएसआर के तहत भारत सरकार की "स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान परियोजना" के तहत ग्रेटर हैदराबाद स्थित पर्यटन स्थल के नाम से मशहूर चारमीनार में विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए एक पहल है। अतः एनटीपीसी, एसआरएचक्यू हैदराबाद महानगर की प्राचीन विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए जीएचएमसी के साथ सहयोग कर रहा है।

जिसमें एनटीपीसी की ओर से एजीएम (एचआर) एनटीपीसी एसएचआरक्यूएच अखिल पटनायक और जीएचएमसी की ओर से मुख्य अभियंता, क्यूक्यूएसयूडीए (कुली कुतुब शाह शहरी विकास प्राधिकरण) जी. गुरुवीरा द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो तत्संबंधित कार्य को निष्पादित करेंगे। तत्संबंधित परियोजना में नयापूल से चारमीनार, लाड बाज़ार, चार मेहराबों और प्रतिष्ठित स्थानों के आसपास वास्तुकला प्रकाश व्यवस्था या रोशनाई व्यवस्था भी शामिल होगी। इस परियोजना के क्रियान्वयन से मशहूर पर्यटन स्थल चारमीनार को नया रूप मिलेगा जो कि, पर्ल सिटी हैदराबाद की एक प्रतिष्ठित पहचान है।

इस दौरान तत्संबंधित प्रमुख अधिकारी आरएचओएचआर, एनटीपीसी एसआरएचक्यू एसएन पाणिग्रही सहित क्यूक्यूएसयूडीए की टीम की भी उपस्थिति रही।

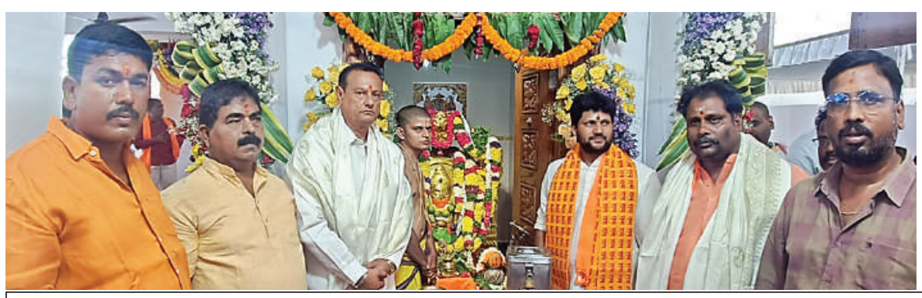

नारायणगुडा में श्री हनुमान मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, मंदिर के संस्थापक अभिषेक यादव, श्याम सुंदर रेड्डी, नितिन भंडारी, नरसिंह, भाजपा और विश्व हिंदू परिषद के नेता।

राजीव गांधी एयरपोर्ट स्थित जालोर-सिरोही सांसद बनने के बाद पहली बार भाग्यनगर (हैदराबाद) की पावन धरा पधारने पर लुम्बाराम चौधरी (सांसद) राजस्थानी साफे, पुष्प-गुलदस्ते से स्वागत करते हुए जालोर-सिरोही छत्तीस कोम प्रवासी बन्धु।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास का 'चक्रव्यूह' कार्यक्रम 26 को

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास, हरिद्वार की हैदराबाद इकाई द्वारा 'चक्रव्यूह' महाभारत फेम नीतिश भारद्वाज द्वारा अभिनीत एवं अतुल सत्य कौशिक द्वारा निर्देशित विशेष कार्यक्रम का मंचन हैदराबाद में शनिवार 26 अक्टूबर सायं 4 बजे से जेएनटीयू, कुकटपल्ली में आयोजित किया जाएगा।

विज्ञप्ति में नार्थ पीपुल्स एसोशिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव (घायल) ने संयुक्त रूप से बताया कि दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास, हरिद्वार प्रख्यात समाज सेवी डॉ. अशीष गौतम की अगुवाई में वृद्ध, बीमार, असहाय और जरूरतमंद लोगों, देश के विभिन्न भागों में एवं हरिद्वार स्थित आश्रम में सैकड़ों लोगों की सेवार्थ यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

अध्यक्ष राजनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव (घायल), डॉ. मोहन गुप्ता, सीए मधुसुदन अग्रवाल ने प्रवासी समाज बन्धुओं से निवेदन किया उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर भाग लेकर सफल बनावे।

हैदराबाद, कुक्टपल्ली स्थित दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास, हरिद्वार हैदराबाद इकाई द्वारा आयोजित 'चक्रव्यूह' के पोस्टर का संस्था के संस्थापक डॉ. अशीष गौतम के साथ विमोचन करते हुए नार्थ पीपुल्स एसोशिएशन तेलंगाना अध्यक्ष राजनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव (घायल), विरेन्द्र सिंह पप्पू।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

25 ओवर तक इस्तेमाल होंगी 2 नई गेंद

वनडे में होगा क्रांतिकारी बदलाव

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौजूदा दौर में टी20 क्रिकेट ने पूरी तरह से धूम मचाई हुई है. जहां देखो टी20 सीरीज, टी20 लीग के मुकाबले ही चलते रहते हैं. टी20 क्रिकेट की इस रेस में वनडे क्रिकेट कहीं पिछड़ता जा रहा है. लेकिन अब वनडे क्रिकेट को रोमांचक बनाने और उसमें नई जान फूंकने के लिए आईसीसी की क्रिकेट कमेटी ने क्रांतिकारी बदलाव की योजना बनाई है. दुबई में हुई आईसीसी क्रिकेट कमेटी की बैठक ने वनडे क्रिकेट में एक ऐसा नियम बदलने की सिफारिश की है जिससे इस फॉर्मेट में बड़ा बदलाव आएगा. आईसीसी की इस क्रिकेट कमेटी में सौरव गांगुली, महेला जयवर्धने, वीवीएस लक्ष्मण, शॉन पॉलक, डैनियल विटोरी, रॉजर हार्पर और जय शाह मौजूद थे और इन दिग्गजों ने वनडे में सिर्फ 25 ओवर तक 2 नई गेंद रखने का प्रस्ताव दिया है.

आईसीसी की कमेटी ने सलाह दी कि वनडे में दो नई बॉल का इस्तेमाल सिर्फ पहले 25 ओवर तक ही होना चाहिए. उसके बाद सिर्फ एक बॉल का इस्तेमाल हो. फिलहाल 50 ओवर तक दोनों एंड से दो नई गेंदों का इस्तेमाल होता है. ऐसा कहा जा रहा है कि वनडे में दो गेंदों के इस्तेमाल से गेंदबाजों को खासा नुकसान हुआ है. 50 ओवर तक 2 नई गेंद होने की वजह से बल्लेबाजों को बड़े शॉट्स खेलने में आसानी होती है. आईसीसी कमेटी ने ये सिफारिश सभी कप्तानों को भेज दी है. कप्तानों की सहमति के बाद ही इसे लागू किया जाएगा. अगर 25 ओवर तक ही दो गेंद इस्तेमाल करने का नियम आया तो वनडे में गेंदबाज भी खेल में आ जाएंगे. उन्हें रिवर्स स्विंग मिलेगी और साथ ही लेग स्पिनर्स भी गेम में बड़ा योगदान देंगे.

आईसीसी क्रिकेट कमेटी ने सिफारिश की है कि अब अगली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 3 टेस्ट मैचों की सीरीज होनी चाहिए.साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ज्यादातर दो मैचों की टेस्ट सीरीज ही खेलते हैं. सिर्फ भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया बड़ी टेस्ट सीरीज खेलते हैं. इन चीजों से टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा नहीं मिलेगा. आईसीसी कमेटी ने डे नाइट टेस्ट को भी बढ़ावा देने की बात कही. सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में ही लगातार पिंक बॉल टेस्ट खेला जाता है, बीसीसीआई ने पिछले दो सालों से पिंक बॉल टेस्ट आयोजित नहीं किया है. आईसीसी का मानना है कि पिंक बॉल टेस्ट से ज्यादा लोग स्टेडियम में आएंगे.भारत में जो पिंक टेस्ट आयोजित हुए उनमें ज्यादा दर्शक आए थे.

जय शाह के आईसीसी में चेयरमैन पद का नियम

इंडिपेंडेंट डाइरेक्टर के कार्यकाल को 3-3 साल करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। जय शाह पिछले 5 साल से बीसीसीआई के सचिव का पद संभाल रहे हैं. अब वो आईसीसी के चेयरमैन पद को संभालने वाले हैं. 1 दिसंबर से वह आईसीसी की कमान अपने हाथों में ले लेंगे. जय शाह को अगस्त में ही आईसीसी का नया बॉस चुना गया था और अब उनके जॉइन करने से करीब एक महीने पहले चेयरमैन पद के नियमों में बदलाव करने का सुझाव दिया गया है. अगर इन्हें मान लिया जाता है तो वह 3-3 साल के 2 कार्यकाल तक इसके बॉस बने रह सकते हैं. इससे पहले चेयरमैन का कार्यकाल 2-2 सालों के 3 टर्म में हुआ करता था.

आईसीसी के बोर्ड ने पिछले विकेंड पर दुबई में मीटिंग की थी. इस दौरान बोर्ड ने नियमों में बदलाव को लेकर सुझाव दिया था. बोर्ड ने भविष्य में चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डाइरेक्टर के कार्यकाल को 3-3 साल करने की बात कही थी. फिलहाल आईसीसी के चेयरमैन 2-2 साल के 3 टर्म संभालते हैं. आईसीसी ने बयान भी जारी किया है. इसमें उसने बताया कि इस नई सिफारिश को फुल और एसोसिएट मेंबर्स के पास अप्रूवल के लिए भेजा जाएगा. उनकी अनुमति मिलते ही यह नियम लागू हो जाएगा. आईसीसी ने इस सिफारिश के पीछे फिलहाल कोई कारण नहीं बताया है. लेकिन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक क्रिकेट की सबसे बड़ी संस्था बेहतर ढंग से चलाने के लिए यह फैसला लिया गया है.

आईसीसी बोर्ड का मानना है कि इससे चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डाइरेक्टर को सिक्योरिटी और स्थिरता मिलेगी. वह हर 2 साल बाद चुनाव की चिंता किए बिना आजादी से काम कर सकेंगे. हालांकि, कार्यकाल का कुल समय पहले की तरह 6 साल ही रहेगा. 35 साल जय शाह मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले की जगह लेंगे. बार्कले को 2020 में पहली बार चुना गया था. उसके बाद से उन्होंने 3 में से 2 कार्यकाल पूरे कर लिए हैं. वहीं इंडिपेंडेंट डाइरेक्टर का पद खाली पड़ा हुआ है, जिसकी जिम्मेदारी पूर्व अध्यक्ष इंद्रा नूयी के पास थी. इसी साल उनके तीनों कार्यकाल पूरे किए हुए थे.

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारत को बड़ा झटका

क्रिकेट-बैडमिंटन, हॉकी-शूटिंग इन खेलों से बाहर

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की पदक संभावनाओं को करारा झटका देते हुए मेजबान शहर ग्लासगो ने क्रिकेट, हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 संस्करण से हटा दिया है। ग्लासगो ने बजट के अनुकूल खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के लिए चुना है और इसकी लिस्ट भी बनाई है। बजट को सीमित करने और लॉजिस्टिक्स को व्यवस्थित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वैश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है। ग्लासगोमें केवल चार स्थान ही पूरे खेलों की मेजबानी करेंगे। 2022 बर्मिंघम संस्करण की तुलना में खेलों में आयोजनों की कुल संख्या नौ कम होगी।

2026 में होना है ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेलों के 23वें संस्करण की शुरुआत 2026 में 23 जुलाई से होगी और यह दो अगस्त तक चलेगा। 2014 में ग्लासगो में ही राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था। 12 साल बाद मेजबान के रूप में ग्लासगो की वापसी कई परेशानियां लेकर आई हैं। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ ने एक बयान में कहा- खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, और 3x3 बास्केटबॉल और 3x3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल शामिल होंगे। खेल चार स्थानों पर होंगे - स्कॉट्सटाउन स्टेडियम, टोलक्रॉस इंटरनेशनल स्विमिंग सेंटर, एमिरेट्स एरेना- जिसमें सर क्रिस होय वेलोड्रोम और स्कॉटिश इवेंट कैंपस (एसईसी) शामिल हैं। एथलीटों और सहायक कर्मचारियों को होटल आवास में रखा जाएगा।'

भारत की पदक की संभावनाओं को झटका

यह रोस्टर भारत की पदक संभावनाओं के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि पिछले संस्करण में देश के अधिकांश पदक हटाए गए खेलों से आए थे। चार साल पहले लॉजिस्टिक्स के कारण बर्मिंघम कार्यक्रम से हटा दिए जाने के बाद शूटिंग की वापसी की कभी उम्मीद नहीं थी। ग्लासगो कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन ने कहा, 'ग्लासगो 2026 में आठ मील के गलियारे के भीतर चार स्थानों पर केंद्रित 10-खेल कार्यक्रम होगा।' इसने शूटिंग को रोस्टर से बाहर कर दिया क्योंकि बैरी बुडन सेंटर (2014 सीडब्ल्यूजी के दौरान शूटिंग की मेजबानी) ग्लासगो से 100 किमी से ज्यादा दूर है।

कुश्ती स्थल ग्लासगो

ग्लासगो ग्रीन और स्कॉटिश प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र, जिसने 2014 में हॉकी और कुश्ती की मेजबानी की थी, को आयोजन स्थलों की सूची से हटा दिया गया है, जबकि सर क्रिस होय वेलोड्रोम, जहां उस साल बैडमिंटन आयोजित किया गया था, इस बार केवल साइकिलिंग के लिए उपयोग किया जाएगा। लागत के अलावा, हॉकी को बाहर करने का कारण यह भी हो सकता है कि खेलों का आयोजन विश्व कप के करीब किया जा रहा है जो दो सप्ताह बाद 15 से 30 अगस्त तक वावरे, बेल्जियम और अम्स्टेलवीन, नीदरलैंड में निर्धारित है। ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया 2026 संस्करण का मूल मेजबान था, लेकिन बढ़ती लागत के कारण पिछले साल उसने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद स्कॉटलैंड ने खेलों को बचाने के लिए कदम बढ़ाया।

हॉकी का बाहर होना झटका

खेलों से हॉकी का बाहर होना भारत के लिए एक बड़ा झटका होगा। पुरुष टीम ने तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं, जबकि महिलाओं ने भी चमक बिखेरी है और 2002 के खेलों में एक ऐतिहासिक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते हैं। बैडमिंटन में भारत ने प्रभावशाली 31 पदक जीते हैं। इनमें 10 स्वर्ण, आठ रजत और 13 कांस्य शामिल हैं। खासतौर पर देश को 2026 संस्करण में पुरुष और महिला एकल के साथ-साथ पुरुष युगल में गत चैंपियन के रूप में प्रवेश करना था। निशानेबाजी भारत के लिए एक मजबूत पदक की उम्मीद थी, जिसके नाम पर चौंका देने वाले 135 पदक थे। गिनती में 63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य शामिल थे। कुश्ती प्रतियोगिता में देश को 114 पदक मिले हैं, जिनमें 49 स्वर्ण, 39 रजत और 26 कांस्य शामिल हैं।

2022 में क्रिकेट को जोड़ा गया था

2022 में क्रिकेट की इन खेलों में दोबारा शुरुआत के बाद भारतीय महिला टीम ने रजत पदक जीता था। पैरा-एथलीट 2002 मैनचेस्टर संस्करण से खेलों का हिस्सा रहे हैं और 2026 संस्करण में भी बने रहेंगे। सीजीएफ ने कहा, 'पैरा खेल को एक बार फिर खेलों के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता और अंतर के बिंदु के रूप में पूरी तरह से एकीकृत किया जाएगा, जिसमें छह पैरा खेलों को खेल कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।' सीजीएफ ने कहा कि खेलों से शहर में 100 मिलियन पाउंड से अधिक का निवेश आएगा और इस क्षेत्र के लिए 150 मिलियन पाउंड से अधिक का आर्थिक मूल्य जोड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है।

संस्था ने दावा किया कि यह सब एक ऐसे मॉडल की बदौलत संभव होगा जिसे विशेष रूप से खेलों के आयोजन के लिए सार्वजनिक धन की आवश्यकता नहीं होने के लिए डिजाइन किया गया है। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ केटी सैडलेयर ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा- 2026 के खेल कल के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक पुल होंगे। भविष्य के लिए खेलों को वास्तव में सहयोगी, लचीले और टिकाऊ मॉडल के रूप में रीसेट और फिर से परिभाषित करने की हमारी यात्रा में एक रोमांचक पहला कदम जो लागत को कम करता है। यह पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करता है और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाता है।'

मैग्नस कार्लसन फिर भारत में खेलेंगे

अगले महीने होने वाले इस टूर्नामेंट में प्रज्ञानंद भी लेंगे हिस्सा

कोलकाता, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन 13 से 17 नवंबर तक यहां होने वाले 'टाटा स्टील शतरंज भारत' के छठे सत्र में मुख्य आकर्षण होंगे। नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी दूसरी बार टूर्नामेंट का हिस्सा बनेगा। उन्होंने इससे पहले 2019 में इसमें भाग लिया था और इसके विजेता बने थे। बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अर्जुन एरिगैसी, प्रगनानंदा और विदित गुजराती भी हिस्सा लेंगे। 'ओपन' वर्ग में निहाल सरीन और एसएल नारायणन भी चुनौती को पेश करेंगे।

पिछले सत्र तरह टूर्नामेंट में 'ओपन' और 'महिला' वर्ग की श्रेणियों में रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबलों के लिए समान पुरस्कार राशि होगी। इससे पहले कार्लसन ने 2019 में हिस्सा लिया था और विजेता भी बने थे। ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद ने कहा, 'इस साल मैग्नस कार्लसन के नेतृत्व में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह साल भारतीय शतरंज के लिए उत्सव की तरह है। इस आयोजन से और बढ़ावा मिलेगा।'

टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ी

ओपन वर्ग : मैग्नस कार्लसन, नादिबेक अब्दुस्तोरोव, वेस्ले सो, विंसेंट केमर, डैनियल डबोव, अर्जुन एरिगैसी, आर. प्रगनानंदा, विदित गुजराती, निहाल सरीन, एसएल नारायणन।

महिला वर्ग : एलेक्जेंड्रा, कैटेरिना, कोस्टेनियुक डेजाग्निड्जे, वेलेंटीना, कोनेरू हंपी, आर. वैशाली, डी. हरिका, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल।

सरफराज या केएल राहुल कौन बनाएगा शुभमन गिल के लिए टीम में जगह

भारतीय कोच के जवाब ने किया हैरान

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु टेस्ट में मिली हार का हिसाब पुणे में चुकता करने के लिए भारतीय टीम पूरी तरह से तैयार है। दूसरे टेस्ट मैच की शुरुआत से पहले टीम इंडिया को बड़ा बूस्टर मिला है। गर्दन में दिक्कत की वजह से पहला टेस्ट मैच मिस करने वाले शुभमन गिल पुणे में बल्ले से रंग जमाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। गिल की वापसी से भारतीय टीम का बैटिंग ऑर्डर मजबूत होगा इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन उनकी प्लेइंग 11 में किसकी जगह पर एंट्री होगी यह सबसे बड़ा सवाल है। पहले टेस्ट में शुभमन के ना खेलने पर सरफराज को मौका मिला था और उन्होंने 150 रन की धांसू पारी खेलकर इस मौके को भुनाया भी था। इस बीच, टीम इंडिया के सहायक कोच रयान टेन डोएशेट ने इशारों-इशारों में साफ कर दिया है कि गिल सरफराज और केएल राहुल में से किसको अंतिम ग्यारह में रिप्लेस करेंगे।

किसको रिप्लेस करेंगे गिल?

रयान टेन डोएशेट ने इशारों-इशारों में यह संकेत दे दिए हैं कि शुभमन गिल दूसरे टेस्ट में सरफराज खान की जगह पर प्लेइंग इलेवन में लौटेंगे। कोच ने बताया, "इसमें कोई शक नहीं है कि एक स्पॉट को लेकर लड़ाई है। सरफराज का प्रदर्शन कमाल का रहा। पिछले टेस्ट मैच के बाद मैं केएल राहुल के पास गया था और उनसे मैंने पूछा कि आपने कितने गेंदें प्ले एंड मिस खेली? उन्होंने एक गेंद तक प्ले एंड मिस नहीं खेली। ऐसा ही होता है जब आपके बल्ले से रन नहीं निकल रहे होते हैं। पहली पारी में लेग साइड की ओर जाती गेंद से छेड़छाड़ करने के चक्कर में उन्होंने अपना विकेट गंवाया, तो दूसरी इनिंग में जिस पर वह आउट हुए वो बॉल काफी अच्छी थी। वह मानसिक तौर पर अच्छे स्पेस में हैं। हालांकि, हमें सात खिलाड़ियों में से छह स्पॉट भरने हैं। हम कंडिशंस को देखने के बाद बेस्ट प्लेइंग इलेवन चुनेंगे।"

सरफराज ने मचाया था बल्ले से धमाल

पहले टेस्ट की दूसरी पारी में सरफराज खान ने अपनी इनिंग से हर किसी का दिल जीत लिया था। मुश्किल परिस्थितियों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सरफराज ने अपने इंटरनेशनल करियर का पहला शतक ठोका था। सरफराज ने 195 गेंदों का सामना करते हुए 150 रन की यादगार पारी खेली थी।

अपनी इस इनिंग के दौरान दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 18 चौके और तीन गगनचुंबी छक्के जमाए थे। सरफराज ने पहले विराट कोहली और फिर ऋषभ पंत संग मिलकर शतकीय साझेदारी निभाई थी। हालांकि, सरफराज की धांसू पारी भी टीम इंडिया के काम नहीं आ सकी थी।

केएल राहुल का फ्लॉप शो जारी

केएल राहुल का बल्ला लंबे समय से खामोश चल रहा है। बेंगलुरु टेस्ट की दोनों ही पारियों में राहुल बुरी तरह से फ्लॉप रहे थे। फर्स्ट इनिंग में राहुल ने छह गेंदों का सामना करने के बाद बिना खाता खोले पवेलियन लौटे थे। वहीं, दूसरी इनिंग में राहुल 16 गेंदें खेलने के बाद सिर्फ 12 रन बनाकर चलते बने थे। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैन्स राहुल को टीम से बाहर करने की मांग कर रहे हैं।

सुनील गावस्कर ने सरफराज की कमर को लेकर कही चौंकाने वाली बात

बीसीसीआई को भी लगाई फटकार, यो-यो टेस्ट खत्म करने की मांग

मुंबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरफराज खान ने बेंगलुरु टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने दूसरी पारी में 150 रन की पारी खेली थी. इस दौरान उन्होंने कई जबरदस्त शॉट लगाए थे, जिसमें कमर के बल झुककर लगाया गया अपर कट काफी वायरल हुआ था. अब भारत के दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उनकी कमर को लेकर चौंकाने बयान दिया है. गावस्कर ने स्पोर्टस्टार मे लिखे कॉलम में कहा है कि बेंगलुरु में बल्ले से सरफराज का प्रदर्शन उनकी कमर से भी शानदार था. भारतीय दिग्गज ने ये बात उनका मजाक उड़ाने के लिए नहीं बल्कि तारीफ में ही कही. दरअसल, सरफराज दूसरे भारतीय खिलाड़ियों के मुकाबले थोड़े मोटे दिखते हैं. इसलिए उनकी फिटनेस पर सवाल उठता रहा है. गावस्कर ने इसी पर तंज किया है.

सुनील गावस्कर ने स्पोर्टस्टार पर लिखे अपने कॉलम में खासतौर से फिटनेस को लेकर बात की है. उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि मुंबई के लिए खेलने वाले बल्लेबाज सरफराज खान ने घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाया. इसके बावजूद उनकी अनदेखी होती रही. उनका मानना है कि टीम मैनेजमेंट इंटरनेशनल क्रिकेट में पतली कमर वाले खिलाड़ियों को तरजीह देती थी.

गावस्कर ने कहा कि सरफराज खान की कमर मैनेजमेंट के पैमाने के मुताबिक नहीं थी, इसलिए उनकी अनदेखी होती रही. उन्होंने कॉलम में कहा कि 'सरफराज ने बेंगलुरु में अपनी कमर के मुकाबले बल्ले से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया. अफसोस की बात है कि भारतीय क्रिकेट में बहुत सारे ऐसे निर्णय लेने वाले लोग हैं जिनके विचारों को समझ पाना मुश्किल है.'

गावस्कर ने सरफराज का समर्थन करने के लिए टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का उदाहरण दिया. उनके मुताबिक पंत के पास भी पतली कमर नहीं है. इसके बावजूद टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है. बता दें बेंगलुरु में दोनों बल्लेबाजों ने 177 रन की साझेदारी की थी. गावस्कर ने पंत की तारीफ की और कहा कि बैटिंग के अलावा वह पूरे दिन विकेटकीपिंग भी करते हैं, जिसमें करीब 6 घंटे तक बार-बार उठना-बैठना पड़ता है. सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई से यो-यो टेस्ट को खत्म करने की मांग की. बता दें इस टेस्ट के जरिए टीम इंडिया के खिलाड़ियों का फिटनेस मापा जाता है. उन्होंने कहा कि यो-यो टेस्ट को हटाकर खिलाड़ी मानसिक रूप से कितने फिट हैं, इसका आंकलन करना चाहिए. उनके मुताबिक यही किसी प्लेयर के फिटनेस का सही इंडिकेटर है. गावस्कर ने कहा कि 'अगर कोई खिलाड़ी दिन भर में 20 ओवर फेंक सकता है या दिन भर बल्लेबाजी कर सकता है तो वह मैच के लिए फिट है.

केन विलियमसन दूसरे मुकाबले से भी बाहर

पुणे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका

पुणे, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे में खेला जाएगा. दूसरे मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन इस मैच में भी नहीं खेल पाएंगे. वह अभी भी अपनी ग्रोइन इंजरी से उबर रहे हैं. विलियमसन को हाल ही में हुए श्रीलंका टेस्ट सीरीज के के दौरान चोट लगी थी. टीम को उम्मीद थी कि वह दूसरे मुकाबले से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे. लेकिन ऐसा नहीं हो सका है और अब वह अपने फिटनेस पर काम करने लिए न्यूजीलैंड में ही रहेंगे. न्यूजीलैंड के हेड कोच गैरी स्टीड ने बताया कि विलियमसन फिलहाल रिहैब कर रहे हैं. उनकी इंजरी काफी हद तक ठीक हो गई है, लेकिन वह अभी टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार नहीं है. स्टीड नहीं विलियमसन को लेकर हड़बड़ी नहीं दिखाना चाहते हैं. उन्होंने रिकवरी और तैयारी के लिए पूरा समय देने की बात कही है. स्टीड ने तीसरे टेस्ट में विलियमसन की वापसी की उम्मीद जताई है. भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट गुरुवार 24 से 28 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा. ऐसे में मैनेजमेंट को उम्मीद थी कि टीम के सीनियर खिलाड़ियों में से एक केन विलियमसन अपने ग्रोइन इंजरी से रिकवर कर जाएंगे. लेकिन ऐसा नहीं हो सका है. इससे न्यूजीलैंड को बड़ा झटका है. उनके पास टीम इंडिया को लगातार दूसरा मैच हराकर भारत में पहली बार सीरीज जीतने का मौका था. विलियमसन के होने से टीम को उनके अनुभव का फायदा मिलता. लेकिन उनके नहीं होने से यह काम मुश्किल हो सकता है.एशिया में विलियमसन का रिकॉर्ड बेहद शानदार है. वह स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं, इसलिए उनका रिकॉर्ड एशिया में काफी अच्छा है. उन्होंने 24 टेस्ट मैच में 48.85 की औसत से रन बनाए हैं. इसमें यूएई में 64.70 की औसत से बनाए 647 रन शामिल नहीं है. हालांकि, भारत में उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है. उन्होंने भारत में खेले 8 टेस्ट मैचों में 33.53 की औसत से रन बनाए हैं. टीम इंडिया बेंगलुरु में मिली हार के बाद वापसी का रास्ता तलाश रही है. इसके लिए अब टीम पुणें में स्पिन फ्रेंडली पिच बनाने का फैसला किया है.

आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और सशस्त्र बलों के अधिकारी प्रजावाणी कार्यक्रम में पहुंचे

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और सशस्त्र बलों के अधिकारियों ने आज महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजाभवन का दौरा किया और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत की। राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी चिन्ना रेड्डी और प्रजावाणी की विशेष अधिकारी दिव्या ने आए अधिकारियों को प्रजावाणी कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। बातचीत के दौरान, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रजावाणी का शुभारंभ किया, जो एक शिकायत निवारण कार्यक्रम है। उन्होंने उन्हें बताया कि सरकार इस कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से कई लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान किया गया, जिसमें आदिवासी कल्याण विभाग में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का 10 महीने से लंबित वेतन शामिल है। एमईपीएमए संसाधन व्यक्तियों, आरडब्ल्यूएसएस विभाग के कर्मचारियों और वाणिज्यिक कर विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लंबित वेतन का भी समाधान किया गया।

प्रजावाणी कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण देते हुए दिव्या ने कहा कि कार्यक्रम सप्ताह में दो बार प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को आयोजित किया जाता है। प्रजा दरबार में लगभग 100 से 120 कर्मचारी जनता से याचिकाएं प्राप्त करने के लिए काम करते हैं, जिन्हें स्कैन करके तुरंत पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। नागरिकों को हर याचिका के लिए एक अद्वितीय पंजीकरण संख्या वाला एसएमएस प्राप्त होता है। याचिका को उसके निवारण के लिए संबंधित विभाग/जिला कलेक्टर को भेजा जाता है।

अधिकारी सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों के बीच मध्य कैरियर बातचीत कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं, जिसे डॉ. एमसीआरएचआरडी संस्थान में विधि और लोक प्रशासन केंद्र द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य सशस्त्र बलों और सिविल सेवा अधिकारियों के बीच सहयोग और विचारों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है, जिसका उद्देश्य नागरिकों के लिए शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाना है। कार्यक्रम का विषय "नागरिक-केंद्रित शासन" है। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, अधिकारी प्रजा भवन के अध्ययन दौरे पर थे, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को तेलंगाना सरकार के प्रजावाणी कार्यक्रम की अंतर्दृष्टि प्रदान करना है जो नागरिक केंद्रित शासन को सही ठहराता है। इस बातचीत ने इन अधिकारियों को अनुभव साझा करने, चुनौतियों पर चर्चा करने और शासन और प्रशासनिक दक्षता में सुधार करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे अंततः नागरिकों को लाभ हुआ।

कोमरम भीम ने स्वाभिमान संघर्षों को बड़ी प्रेरणा दी : कोंडा सुरेखा

मंत्री ने कोमरम भीम को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंगलवार कोमरम भीम की जयंती के अवसर पर सचिवालय स्थित अपने कक्ष में कोमरम भीम के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कोमरम भीम एक आदिवासी नायक थे, जिन्होंने उत्पीड़न की परतों को तोड़ दिया था। कोमरम भीम ने स्वाभिमान संघर्षों और अस्तित्ववादी आंदोलनों को बड़ी प्रेरणा दी। उनके द्वारा दिए गए जल, जंगल, ज़मीन के नारे ने तेलंगाना में आदिवासी समुदायों को एक अलग तेलंगाना राज्य के लिए लामबंद होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कोमरम भीम के बलिदान को चिह्नित करने के लिए कांग्रेस सरकार ने राज्य के गठन से पहले पेडवागु नदी पर कोमरम भीम नामक परियोजना शुरू की थी और उनके बलिदान को मान्यता दी थी। उन्होंने कहा कि कोमरम भीम की भावना से कांग्रेस पार्टी ने बड़ा संघर्ष किया, तानाशाही खत्म की और कांग्रेस पीपुल्स सरकार की स्थापना की। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार कोमरम भीम की महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए समर्पित रूप से काम कर रही है।

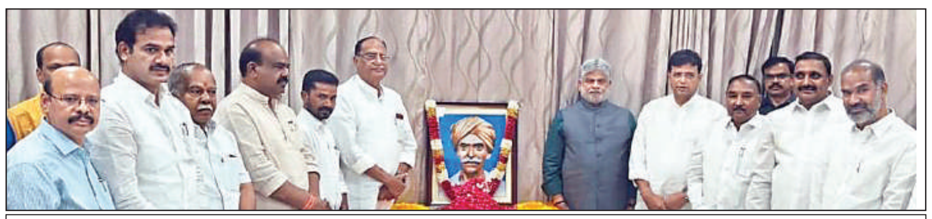

आदिवासी योद्धा कोमरम भीम की जयंती के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद अध्यक्ष जी. सुखेंद्र रेड्डी, विधान कार्य मंत्री डुडिला श्रीधर बाबू, उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, विधान परिषद में विपक्ष के नेता मधुसूदनाचारी, सचेतक आदि श्रीनिवास, रामचंद्र नाइक, पीएसी अध्यक्ष अरीकेपुडी गांधी, विधायक वदुमा बोज्जा, विधान परिषद सदस्य बोगरापु दयानंद, विधान सचिव डॉ.वी नरसिम्हा चार्युलु ने उनकों श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस एमएलसी ने सियोल यात्रा पर उठाए सवाल

कहा- यह जनता के पैसे की बर्बादी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब कांग्रेस के नेता भी चेओन्ग्येचेओन पुनरुद्धार परियोजना का अध्ययन करने के लिए सियोल में प्रतिनिधिमंडल भेजने पर राज्य सरकार की आलोचना कर रहे हैं। सियोल की चार दिवसीय यात्रा पर एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, भोनगिर सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, विधायक प्रकाश गौड़ (राजेंद्रनगर), काले यादेय्या (चेवेल्ला), सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी और कुछ पत्रकार शामिल हैं। जब प्रतिनिधियों ने सोमवार को चेओन्ग्यचेओन नदी के सौंदर्यीकरण कार्यों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, तो विभिन्न वर्गों के लोगों ने इस तरह के अध्ययन दौरे आयोजित करने में जनता का पैसा बर्बाद करने के लिए सरकार की आलोचना की।

कुछ लोगों ने यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि जब मूसी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक संघ को 166 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा, तो प्रतिनिधिमंडल के दौरे के पीछे क्या उद्देश्य हैं, जबकि मूसी नदी और चेओन्ग्यचेओन, जो कि एक जलधारा है, के बीच बहुत भिन्नता हैं।

कांग्रेस एमएलसी सी. नवीन कुमार ने सरकार से पूछा कि सरकारी प्रतिनिधिमंडल की सियोल यात्रा का उद्देश्य क्या हैं? नवीन कुमार एक वीडियो में कह रहे हैं कि यह जनता के पैसे की बर्बादी है।

प्रतिनिधिमंडल के दौरे से सरकार को क्या मिलेगा? अगर राज्य सरकार ने सभी विवरण मांगे होते, तो कोरियाई सरकार उन्हें साझा कर देती। यह वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है।

मंगलवार को दौरे के दूसरे दिन भोनगिर के सांसद सी. किरण कुमार रेड्डी ने बताया कि हंगंग नदी प्रबंधन के अधिकारियों के साथ उनके कार्यालय में बैठक हुई। बैठक में सियोल हंगंग नदी बोर्ड के डिप्टी मेयर जो यंग टी और बोर्ड के निदेशक यूघक किम, पार्क जिन योंग, युन सोक ह्वान, येरिम ली शामिल हुए। बाद में उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने सियोल जल उपचार संयंत्र का दौरा किया तथा सीवेज उपचार पर एक प्रस्तुति देखी। इसके अलावा उन्होंने सियोनम जल पुनःचक्रण संयंत्र का भी दौरा किया।

जिला कलेक्टर ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर के. शशांक ने इब्राहिमपटनम मंडल के मंगलपल्ली में सीवीआर इंजीनियरिंग कॉलेज में ग्रुप-I मेन्स परीक्षा केंद्र का दौरा किया। इस अवसर पर कलेक्टर शशांक ने परीक्षा केंद्र में कार्यरत अधिकारियों को उचित सुझाव एवं सलाह दी तथा परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों के परीक्षा देने के पैटर्न की जांच की। कलेक्टर ने दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा लिखने वाले सहायकों की प्रक्रिया की भी जांच की। सबसे पहले कलेक्टर ने जांच केंद्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाए गए प्राथमिक चिकित्सा केंद्र का दौरा किया और वहां दवाओं की जांच की।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के साथ इब्राहिमपटनम की तहसीलदार सुनीता, केंद्र मुख्य अधीक्षक, पुलिस अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी भी रहे।

पोते ने की बुजुर्ग महिला की हत्या

50 रुपये की मामूली रकम के लिए हुआ मर्डर

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक बुजुर्ग महिला की उसके पोते ने महज 50 रुपये के लिए कथित तौर पर हत्या कर दी, क्योंकि उसने उसे पैसे देने से इनकार कर दिया था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित 76 वर्षीय सुशीला गांधीनगर की रहने वाली थी और अपने पोते नितिन और अन्य लोगों के साथ रहती थी। सोमवार शाम को नितिन ने अपनी दादी से 50 रुपये मांगे और जब महिला ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो उसने उसे इमारत की दूसरी मंजिल से धक्का दे दिया। महिला की नीचे गिरने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

40 से अधिक एईओ निलंबित

डिजिटल फसल सर्वेक्षण में भाग न लेने का मामला

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित पहल, डिजिटल फसल सर्वेक्षण में भाग न लेने के कारण ग्रेड 2 रैंक के 40 से अधिक कृषि विस्तार अधिकारियों (एईओ) को सेवा से निलंबित कर दिया गया है। कृषि निदेशक ने सोमवार देर रात निलंबन आदेश जारी किए और संबंधित जिलों के जिला कृषि अधिकारियों को एईओ के खिलाफ की गई कार्रवाई से अवगत करा दिया गया।

निलंबन के लिए कथित तौर पर जो आधार बताए गए थे, वे आधिकारिक रिकॉर्ड से अलग थे। रैतु भीमा योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार किसानों की मृत्यु दर्ज करने में अपने वैध कर्तव्यों का पालन न करने के लिए इन अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई थी। अकेले नागरकर्नूल जिले में 4 एईओ- पालकुर सुरेश, अर्थम राज कुमार, जक्कम रवितेजा और एमडी मुंतज को मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। निलंबन ने विवाद को जन्म दिया है और कृषि विभाग की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े किए हैं।

सूत्रों से पता चलता है कि एईओ ने अपर्याप्त स्टाफिंग और अत्यधिक कार्यभार के कारण डिजिटल फसल सर्वेक्षण करने में असमर्थता व्यक्त की, विशेष रूप से व्यापक क्षेत्र कर्तव्यों को देखते हुए। अचानक निलंबन ने राज्य में कृषि अधिकारियों पर पहले से ही बढ़ते दबाव को और बढ़ा दिया है। डिजिटल फसल सर्वेक्षण 'डिजिटल कृषि मिशन' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में फसल पैटर्न पर व्यापक डेटा एकत्र करना है। एईओ की भागीदारी की कमी तेलंगाना में इस महत्वाकांक्षी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए एक बड़ी चुनौती है।

31 अक्टूबर को स्कूलों कॉलेजों में दिवाली की छुट्टी

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भर के स्कूलों और कॉलेजों में दिवाली के जश्न के लिए एक दिन की छुट्टी रहेगी। राज्य सरकार ने 31 अक्टूबर को सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टी घोषित की है। वर्तमान में, स्कूल 28 अक्टूबर तक सभी कक्षाओं के लिए समेटिव असेसमेंट-1 परीक्षा आयोजित कर रहे हैं।

यात्रियों के लिए अस्थायी रूप से जोड़े गए अतिरिक्त कोच

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने 23 अक्टूबर से 23 नवंबर तक विभिन्न गंतव्यों के लिए यात्रा करने वाले प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य डिब्बे जोड़े हैं। मंगलवार को एससीआर की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि जिन ट्रेनों में अब अस्थायी अतिरिक्त कोच होंगे उनमें विजयवाड़ा-गुंटूर (ट्रेन नंबर-07783), गुंटूर-विजयवाड़ा (ट्रेन नंबर-07788), नादिकुड़े-माचेरला (ट्रेन नंबर-07579), माचेरला-नादिकुड़े (ट्रेन नंबर-07580), गुंटूर-माचेरला (ट्रेन नंबर-07779) और माचेरला-गुंटूर (ट्रेन नंबर-07780) शामिल हैं।

अज्ञात लोगों ने 'मंची मंचेरियाल' सेल्फी पॉइंट को हटाया

मंचेरियाल, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंबेडकर चौरास्ता पर सोमवार को कुछ अज्ञात लोगों ने 'मंची मंचेरियाल' नामक मूर्ति वाले सेल्फी प्वाइंट को हटा दिया। शहर के महत्वपूर्ण चौराहों के सौंदर्यीकरण के तहत 2022 में 20 लाख रुपये खर्च करके मूर्तिकला और हरियाली से युक्त यह बिंदु बनाया गया था। बिंदु को हटाए जाने से स्थानीय लोगों में गुस्सा है। निवासियों ने कहा कि यह बिंदु मंचेरियाल की सुंदरता बढ़ाता था और शहर के सांप्रदायिक सौहार्द को दर्शाता था। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मंचेरियाल नगर आयुक्त ए मारुति प्रसाद से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें सेल्फी पॉइंट हटाए जाने की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे मौके का निरीक्षण करेंगे और घटना की जांच शुरू की जाएगी। चौरास्ता मंचेरियल-चेन्नूर और मंचेरियल-लक्सेटिपेट सड़कों को जोड़ने वाला एक लोकप्रिय जंक्शन है।

पूर्व विधायक ने की कार्रवाई की मांग

पूर्व विधायक नादिपेल्ली दिवाकर राव ने नगर पालिका अधिकारियों और पुलिस से अंबेडकर चौरास्ता पर सेल्फी पॉइंट - 'मांची मंचेरियल' - हटाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। दिवाकर राव ने पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पी. राजैया के साथ मंगलवार को यहां मौके का निरीक्षण किया। राव ने साइनबोर्ड के गायब होने पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि नगर निगम आयुक्त को इस बात की जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि अगर किसी व्यक्ति को यह मूर्ति पसंद नहीं आई तो उसने इसे हटा दिया। उन्होंने घटना के बारे में जानकारी न देने के लिए कमिश्नर को दोषी ठहराया।

उन्होंने याद दिलाया कि यह मुद्दा शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर बनाया गया था। पूर्व विधायक ने अधिकारियों से जल्द से जल्द अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

मंत्री के आवास पर किसानों का प्रदर्शन

सुबह 4 बजे ही पहुंच गए थे किसान नारेबाजी कर जताया असंतोष

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए अपनी जमीन के जबरन अधिग्रहण के खिलाफ अपने विरोध को तेज करते हुए यादाद्री भोनगीर जिले के रायगिरी मंडल के किसानों ने मंगलवार सुबह हैदराबाद में सड़क और भवन मंत्री कोमाटि रेड्डी वेंकट रेड्डी के आवास पर प्रदर्शन किया। किसान सुबह 4 बजे से ही बड़ी संख्या में मंत्री के गेट के बाहर एकत्र हो गए और नारेबाजी करते हुए अपना असंतोष व्यक्त किया, क्योंकि मंत्री ने तत्काल उनकी मांगों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

सुबह 8:30 बजे के बाद जैसे ही मंत्री अपने आवास से बाहर निकले, किसानों ने उनका विरोध किया और उन्हें वहां से जाने से रोक दिया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर किसानों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी आवाज बुलंद करने के लिए दृढ़ थे। उन्होंने मंत्री को ज्ञापन सौंपा, जिसमें क्षेत्रीय रिंग रोड परियोजना के नक्शे को बदलने के लिए पहले किए गए वादे को लागू करने की मांग की गई। किसानों ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि मंत्री ने यह कहकर उनकी चिंताओं को टाल दिया कि मामला मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हाथ में है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों पर जबरन उनकी ज़मीनें हड़पने का आरोप लगाया और मंत्री से उनकी मदद करने का आग्रह किया। किसानों ने आरोप लगाया कि राजस्व अधिकारी यह दावा करके उन्हें गुमराह कर रहे हैं कि अन्य लोगों ने पहले ही अपनी पासबुक, आधार कार्ड और बैंक खाते का विवरण जमा कर दिया है और अगर वे इसका पालन नहीं करते हैं तो उन्हें मुआवज़ा नहीं मिलेगा।

मलकपेट आईटी टॉवर अधर में

> निर्माण की नींव रखे हुए बीत गए 1 साल > अभी तक शुरू नहीं हो पाई है परियोजना > 700 करोड़ रुपये है अनुमानित लागत

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और आईटीईएस कंपनियों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए मलकपेट में आईटी टॉवर के निर्माण की नींव रखे हुए एक साल से अधिक हो गया है। हालांकि, यह परियोजना अभी तक शुरू नहीं हुई है क्योंकि सरकार को काम शुरू करने के लिए बोली लगाने वाले के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर करना है। पूर्व आईटी मंत्री केटी रामाराव ने हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के साथ पिछले 2 अक्टूबर को मलकपेट में आईटी टॉवर की आधारशिला रखी थी। पीवीआर मॉल के पास बनने वाले अत्याधुनिक आईटी टॉवर की अनुमानित लागत 700 करोड़ रुपये है।

यह घोषणा की गई कि आईटी टॉवर के निर्माण से लगभग 50,000 नौकरियां उपलब्ध होंगी। यह टॉवर 11 एकड़ में बनाया जाएगा और इसके निर्माण के लिए 15 लाख वर्ग फीट जगह होगी। शिलान्यास के बाद केटी रामाराव ने कहा था कि लोग मलकपेट टीवी टॉवर को भूल जाएंगे और नए बहुमंजिला आईटी टॉवर को इलाके का नया लैंडमार्क मानेंगे। उन्होंने 36 महीने के भीतर काम पूरा करने का आश्वासन भी दिया था।

तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम को परियोजना का काम सौंपा गया था। जब टीजीआईआईसी से देरी के बारे में संपर्क किया गया, तो एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कार्य शुरू करने के लिए बोली लगाने वाले के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने हैं। उम्मीद है कि यह नवंबर में पूरा हो जाएगा।

अधिकारी ने आगे बताया कि शिलान्यास के तुरंत बाद विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई। इसके बाद लोकसभा चुनाव हुए और काम में देरी हुई। पिछले सप्ताह सचिवालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान जब मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से पूछा गया कि क्या मूसी पुनरुद्धार परियोजना का मलकपेट में आईटी टावर परियोजना पर प्रभाव पड़ेगा, तो उन्होंने कहा कि इसका मूसी परियोजना से कोई लेना-देना नहीं है।

रेवंत रेड्डी ने कहा था कि आईटी नीति में इस पर विचार किया जाएगा। यदि ऐसा नहीं होता है तो आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू जब भी संभव होगा, विस्तृत स्पष्टीकरण देंगे। दिलचस्प बात यह है कि हैदराबाद के सांसद ने मलकपेट में आईटी टॉवर की नींव रखने के लिए बीआरएस सरकार और पूर्व आईटी मंत्री की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि यह परियोजना पुराने शहर में एक नए विकास की शुरूआत करेगी और पुराने शहर के युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर प्रदान करेगी लेकिन एक साल बाद भी परियोजना शुरू न होने पर एआईएमआईएम ने कांग्रेस सरकार के समक्ष इस मुद्दे को नहीं उठाया है।

बंद रहेगा गच्चीबावली फ्लाईओवर

28 अक्टूबर तक समस्या रात 11 से सुबह 6 बजे तक बंद रखने का निर्देश

हैदराबाद, 22 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने जीएचएमसी द्वारा गच्चीबावली जंक्शन पर जारी एसआरडीपी शिल्पा लेआउट फेज-2 फ्लाईओवर के निर्माण के कारण 28 अक्टूबर तक रात 11 से सुबह 6 बजे तक गच्चीबावली फ्लाईओवर को बंद रखने की सलाह दी। यातायात के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न स्थानों, जंक्शनों, सड़कों पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए कुछ उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने आम जनता की सुविधा के लिए यातायात परामर्श जारी किया है। बायो-डायवर्सिटी से आईआईआईटी जंक्शन की ओर आने वाले यातायात को गच्चीबावली फ्लाईओवर को बायपास करना होगा और बिच्चारेड्डी स्वीट्स (टेलीकॉम नगर) से गच्चीबावली जंक्शन और फिर आईआईआईटी जंक्शन तक जाना होगा। इसी प्रकार आईआईआईटी जंक्शन से बायोडायवर्सिटी की ओर आने वाले यातायात को गच्चीबावली फ्लाईओवर को बायपास करना होगा और उसके बगल से गच्चीबावली जंक्शन होते हुए बायोडायवर्सिटी जंक्शन तक जाना होगा।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

रेवेन्यु बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत

National Institute of Indian Medical Heritage

(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)

Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 06/2024

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ एसआरएफ (सूचना प्रौद्योगिकी)-01, परामर्शदाता (चिकित्सा रिकॉर्ड)-01 और जेआरएफ (चिकित्सा रिकॉर्ड)-01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.